

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 7!

ा नई दिल्ली, यनिवार, करवरी 12, ¿2000 (माब 23, 1921)

No. 7]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 12, 2000 (MAGHA 23, 1921)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रवा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PARI III—SECTION 4]

सिविधिक निकार्यों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचमाएं सिम्मिलत हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व वैंक

गैर वैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग

केन्द्रीय कार्यालय

केन्द्र 1, विश्व व्यापार केन्द्र,
कफ परेड, कोलावा

मुबई-400 005. दिनांक 15 नवंबर, 1999

सं० गैबेंपित. 133/सीजीएम (ओपीए)--99---भारतीय रिजंबे बैंक, जनहिन में इसे अवश्यक मान कर तथा इस तान में संतुष्ट होकर कि वैक देन के हिन में ऋण प्रणाली को बिनियनित कर क्कें, इस प्रयोजनार्थ गैर वैकिंग वितीय करनियां--जनना से जमा स्वीकरण (रिज़र्व रिज़र्व वक निदेशावली--1998 को संशोधित करना आवश्यक है, भारतीय रिज़र्व वैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धाराओं 1-490 (1/99

45 जा, 45 ट, 45 ठ और 45 डिल द्वारा प्रदत्त सक्तियों तथा उन सभी गिन्तियों का प्रयोग करते हुए जो उसे इस संबंध है मे समर्थ बनाती हैं, यह निदेश देता है कि 31 जनवरी, 1998 की अधिसूचना सं० डी एफ सी 118/डी जी (एस पीटी)/98 मे निहित उक्त निदेश नहकाल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधित हैं, यथा—

पैराग्राफ 2 के, उप-रैराग्राफ (1) में, खंड (xii) मे, उप खंड (छ) के बाद निम्नलिखित उपखंड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :--

"(ज) किसी पारस्परिक निधि (म्युचुअल फ़ड) से, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (म्यूचुअल फड्स) विनियमावली, 1996 के नियंत्रणाधीन है, प्राप्त कोई राशि"।

ओ०पी० अग्रवाल, म्स्य महाप्रबंधक

मुम्बई 400005, दिनांक 13 जनवरी 2000

सं० डीएनवीएस. 134/सीजीएम (वीएम एनएम)-2000 भारतीय रिजर्व बैंक लोकहिन में गह आवश्यक समझे जाने पर तथा इस बात से संतष्ट होकर कि देश के लाभार्थ ऋण प्रणाली को विनियक्षिक करते के प्रयोजनार्थ बैंक को समर्थ बनाने के लिए गैर-वैंकिंग वित्तीय कंपनी जनता से प्राप्त जमाराशियों का स्वीकरण (रिजर्व बैंक) निदेशावली 1998 को संगोधित करना आवश्यक है, भारतीय रि वि वैक अधिनयन 1934 (1934 का. 2) की धारा 45 डा, 45 ट, 45 ट और 45 ड क द्वारी प्रदत्त शक्तियों का और इस सम्बन्ध में इसे समर्थ बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्दारा यह निदेश देता है कि 31 जनवरी, 1998 की अधिसूचना सं० डी.एफ.सी. 118 डी.जी. (एस.पी.टी.)/98 में निहित उक्त निदेश तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार मंगोधित होंगे, अर्थात् :--

- पैराग्राफ 2 में, उप-पैराग्राफ (1) में खण्ड (ix) के बाद निम्नलिखित खण्ड (ixक) जोड़ा जायेगा, अर्थात :---
- "(ixक) "परस्पर लाभ वाली कपनी" से ऐसी कंपनी अभिप्रेत है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620ए के अतर्गत अधिस्चित नहीं है तथा जो---
 - (क) 9 जनवरी, 1997 को गैर-बैंकिंग विलीय संस्था का कारोबीर कर रही हो; और
 - (ख) जिसकी कुल शुद्ध स्वाधिकृत निधियां तथा अधि-मान शेयर पंजी दस लाख रुपए से कम न हो; और
 - (ग) जिसने 9 ज्लाई, 1997 को या उससे पहले पंजीकरण प्रमाणपत जारी करने के लिए रिज़र्व बैंक में आवेदन प्रस्तत किया हो; और
 - (घ) जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 637ए के अन्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा निधि कंपनियों को जारी निदेशों के सम्बन्धित प्रावधानों में निहित अपेक्षाओं का पालन कर रही हो।"
- 2. पैराग्राफ 2 में, उप-पैराग्राफ (1) में खण्ड (Xii) में उपखण्ड (इ) के परन्त्क के बाद निम्नलिखित परन्त्क और जोडा जायेगा, अर्थात ---

"परन्तु यह भी कि निजी कंपनी के संयुक्त शेयरधारकों ंके मामले में पहले नाम वाले शेयरधारक को छोड़कर संयुक्त शेयरधारको से या उनके नाम में प्राप्त राशिया कंपनी के शेयरधारक से प्राप्त राशि के रूप में माने जाने के लिए पाल नहीं होंगी।"

- 3. पैराग्राफ 2 में, उप-पैराग्राफ (1) में खण्ड (xii) के उप खण्ड (छ) के बाद निम्नलिखित नया उप-खण्ड जोडा जायेगा, अर्थात् ---
 - ्"(ज) सकर (हाइबिड) ऋग या अनुवंगी ऋण के ह्म में प्रान्त कोई राशि, जिसकी न्यनतम परिपक्वता अवधि 60 महीने से कम न हो।"
- वाली कोई भी वित्तीय कंपनी" शब्दों के बाद निम्नलिखित

शब्द जोडे जायेंगे, अर्थात ---

"अथवा परस्पर लाभ वाली कंपनी"।

5. पैराग्राफ 3 में, उप-पैराग्राफ (2) में "परस्पर लाभ वाली वित्तीय कंपनी" शब्दों के बाद निम्नलिखित शब्द जोड़े जायेंगे, अर्थात ---

"और परस्पर लाभ वाली कंपनी" ।

6. पैराग्राफ 4 में, उप-पैराग्राफ (1) में, खण्ड (i) के बाद निम्नलिखित परंतक जोड़ा जायेगा, अर्थात ---

"परन्त् यह कि यह खण्ड इसके नीचे उप-पैराग्राफ (4) के खण्ड (क) में निर्दिष्ट उपस्कर पट्टे पर देने वाली कंपनी या किराया खरीद वित्त कंपनी पर लागु नहीं होगा ।"

- 7. पैराग्राफ 4 में, उप-पैराग्राफ (12) में खण्ड (ii) में निम्नलिखित उप-खण्ड जोड़ा जायेगा, अर्थात्---
 - "(छ) उसी समह की कम्पनियों या अन्य संस्थाओं या व्यावसायिक उद्यमों, जिनमें निदेशकों और/या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी का पर्याप्त हित हो, को प्रदान की गयी निधि एवं गैर-निधि आधारित सुविधाओं से प्राप्य कुल राशियों तथा उनके द्वारा देय कल राशियों तथा ऐसी संस्थाओं को दिये गये कल ऋण की राशि संबंधी सूचना।"
- 8. पैराग्राफ 4 में, उप-पैराग्राफ (12) 3, खण्ड (ii) के बाद निम्नलिखित नया खण्ड जोड़ा जायेगा, अर्थात् ---
 - "(i¡i) प्रत्येक गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी नये जमाकर्ताओं का खाता खोलने तथा उनसे जमाराशियां स्वीकार करने के पहले उनकी उचित पहचान प्राप्त करेगी तथा इस प्रकार की पहचान के प्रयोजन के लिए जो साक्ष्य प्रस्त्त किया गया हो उसे अपने रिकार्ड में रखेगी।"
- 9. पैराग्राफ 4 के बाद निम्नलिखित नया पैराग्राफ जोडा जायेगा, अर्थात्--

"4क. जमाराशियां प्राप्त करने के लिए णाखाएं तथा एजेंटों की नियुक्ति

- 13 जनवरी, 2000 को और उस तारीख से कोई भी गैर-वैंकिंग वित्तीय कंपनी निम्नलिखित परिस्थितियों को छोड़कर अपनी शाखा नहीं खोलेगी या जमाराणि प्राप्त करने के लिए एजेंट नियुक्त नहीं करेगी :
- (i) ऐसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 झ क के अंतर्गत पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त हो तथा जो इन निदेशों के पैराग्राफ 4 (4) के अनुसार जनता की जमाराणियां स्वीकार करने के लिए अन्यथा हकदार हो, अपनी शाखा खोल सकती है अथवा एजेट नियुक्त कर सकती है, यदि उसकी
 - (क) गुद्ध स्वाधिकृत निधि 50 उस राज्य के भीतर जहां इसका पंजीकृत कार्यालय करोड रुपये तक हो स्थित हो; और भारत में कहीं भी

- (ख) शुद्ध स्वाधिकृत निधि
 50 करोड़ रुपये से
 अधिक हो तथा इसकी
 केडिट रेटिंग एए या
 उससे ऊपर की हो
- (ii) (क) शाखा खोलने के प्रयोजन के लिए गैर वैकिंग वित्तीय कंपनी प्रस्तावित शाखा खोलने के अपने इरादे की जानकारी रिजर्व बैक को देगी,
- (ख) ऐसी सूचना प्राप्त होने पर रिजर्व वैंक, इस वात से मंतुष्ट होने पर कि लोकहित में अथवा संबंधित गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी के हित में अथवा दर्ज किये गये अन्य किसी मंबंधित कारण से ऐसा करना जस्री है, प्रस्ताव अस्वीकार कर सकता है और उसे गैर-वैंकिंग वित्तीय कंपनी को सूचित कर सकता है,
- (ग) यदि रिजर्व बैंक ऐसी सूचना प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर उक्त (ख) के अंतर्गत प्रस्ताव अस्वीकार करने की सूचना प्रेषित नहीं करता है, तो गैर⊷वैकिंग वितीय कंपनी अपने प्रस्ताव के सबंध में आगे की कार्रवाई कर सकती है ।

्यख्. शाखाएं बद करना

कोई भी गैर-वैंकिंग वित्तीय कंपनी तब तक अपनी शाखा, कार्यालय बंद नहीं फरेगी, जब तक वह इस आशय की जानकारी किसी एक राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्न में और सबंधित स्थान में परिचालित होने वाले एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्न में प्रकाशित न कर देतथा प्रस्तावित बंदी के 90 दिन के पहले भारतीय रिज़र्व वैंक को सूचित न कर दे।

10. पैराग्राफ 9 के बाद, निम्नलिखित नया पैराग्राफ जोड़ा जायेगा, अर्थात्---

"9क. पैराग्राफ 4 से 7 तक में शामिल कोई भी बात उस गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर लागू नहीं होगी, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 617 के अंतर्गत यथापरिभाषित सरकारी कपनी हो ।"

वी० एस० एन० मूर्ति प्रभारी मुख्य महा प्रबंधक

सं० डी० एन० बी० एस० 135/सो०जी०एम० (वी०एस०० एम०) - 2000 --- भारतीय रिजर्व बैंक लोकहित में यह आवश्यक समझे जाने पर तथा इस बात से संतुष्ट होकर कि देश के लाभार्थ ऋण प्रणाली को विनियमित करने के प्रयोजनार्थ बैंक को समर्थ बनाने के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कपनी विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1998 को संशोधित करना आवश्यक है, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 व्य क द्वारा प्रदत्त जित्तयों का और इस संबंध में इस समर्थ नाने वाली सभी

शक्तियों का प्रयोग करते हुए निवेश देता है कि 31 अनमरी, 1998 की अधिसूचना सं० डी० एफ० सी० 119/डी०जी० (एस० पी० टी०)/98 में निहित उक्त निवेश तत्काल प्रभाव में निम्नानुसार संशोधित होंगे, अर्थात्---

1. पैराग्राफ 1, उप-पैराग्राफ (1) में, खंड (क) में, "परस्पर लाभ वाली वित्तीय कंपनी" गब्दों के बाद निम्नलिखित गब्द जोड़े जियेंगे, अर्थात्---

"और परस्पर लाभ बाली कंपनी"

- 2. पैराग्राफ 1 में, उप-पैराग्राफ (3) में, निम्ना कुसार एक नया खंड जोड़ा जायेगा, अर्थात्--
 - "(6) ये निदेश उस गर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर लागू नहीं होंगे, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 617 के अंतर्गत यथापरिभाषित सरकारी कंपनी हो।"
- पैराग्राफ 11ख में, दूसरे परंतुक के बाद, निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जायेगा, अर्थात्---

स्पष्टीकरण :

"दरें न दिये जाने वाले शेयरों में किये जाने वाले निवेश को उच्चतम सीमा की गणना करते समय सभी कपनियों के ऐसे शेयरों में निवेश को जोड़ा जायेगा।"

4. पैराग्राफ 9 के बाद, निम्नलिखित नये पैराग्राफ शामिल किये जायेगे, अर्थात्---

''9क. गैर--बैकिंग वित्तीय कंपनियों <mark>द्वारा लेखा-परीक्षा</mark> समिति का गठन

अपने अंतिम लेखा-परीक्षित तुलनपत के अनुसार 50 करोड़ रुपये अथवा अधिक की आस्तियां रखने वाली गैर-वैंकिंग वित्तीय कंपनी एक लेखा-परीक्षा समिति गठित करेगी, जिसमें उसके निदेशक मंडल के कम ने कम तीन सदस्य होंगे।

9ख. लेखा वर्ष

प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी 31 मार्च 2001 को समाप्त अपने लेखा-वर्ष से हर वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपना तुलनथन्न और लाभ होनि लेखा तैयार करेगी:

परन्तु यह कि यदि किसी गैर-वैंकिंगः वित्तीय कंपनी का लेखा वर्ष 31 मार्च 2001 के अलावा किसी अग्य तारीख को समाप्त हो रहा हो, तो ऐसी गैर-वैंकिंग वित्तीय कंपनी 31 मार्च 2001 को समाप्त वर्ष के किसी अंश के लिए अपना तुलनपत और लाभ-हानि लेखा तैयार करेगी ।") मुकदमा दायर/डिकीशुदा ऋण संबंधी स्चना

-- 5 भाग झ के बाद निदेश (रिप्टिंग फार्मेंट) से संबद्ध फार्मेंट में निम्तलिखित भाग-आ बोझा जीयेगा, अर्थात्--

"भाग ङा"

गैर--बैकिंग विस्तीय कंपनी द्वारा तथा उसके विरुट मुकदमा दायर और डिकीश्वा ऋणो के ब्यारे

मद का नाम	मद कूट	राणि
(i) ऋग अग्निम अन्य ऋग सुविधाएं पट्टे पर दी गयी आस्तिया और किराय! निरीद आस्तियां जिनके लिए गैर-वैकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा डिक्रीशुदा ऋणे सहित अपनी देय राजियों की वसूली हेतु किसी विधिक न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया हो	Т	
5 वर्ष से अधिक के लिए लंबित	811	
3 से 5 वर्ष तक के लिए लॉबत	812	
1 सं 3 वर्ष के लिए लक्षित	813	
एक वर्ष से कम के लिए लंबित	814	
(ii) उक्त (i) में से ऋण अग्निम, अन्य ऋण सुविधाए तथा किराया खरीद आस्तियां ज जिनके लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा डिक्री प्राप्त की गयी		
(iii) मुकदमा दायर/डिकीशुदा ऋणों के मामले में की गयी वसूलियां (त्यायालय में जमा की गयी राशियो सहित)	830	
(iv) मुकदमा दायर तथा कंपनो के विरुद्ध डिकीशुदा	840	

वी० एस० एन० मूर्नि प्रभारी मुख्य महा प्रबंधक

सं० डीएक बोएक. 13.6/सी जीएस (वीएसएनएम) - 2000 — भारतीय रिजर्व बैंक लोक हित में यह आवश्यक समझे जाने पर और इस बात से संतुष्ट होकर कि देश के लाभार्थ ऋण प्रणाली को विनियमित करने से प्रकृतिकार्थ बैंक को समर्थ बनाने के लिए अविश्वट गैर-वैकिंग कंपीनियां (रिजर्व बैंक) निदेशावली 1987 का संशोधक करना आवश्यक है भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 का, 45 ट, 455 और 45 जा हारा प्रदत्त झिका करित्यों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा यह निदेश देता है कि 15 मई 1987 की अधिसूचना सं० डीएपी. 55/मीजी (औ) -87 में निहित उपत निदेश तकाल प्रभाव से निम्नानुतार संशोधित होंगे अर्थात् —

पैराग्राक 4 क के वाद निम्नलिखित नये पैराग्राफ जोडे जायेग अर्थात्—

''जमाराशिया प्राप्त करने के लिए शास्ताओं और एजेंटों की नियुक्ति

- ्रात्त 13 जनवरी 2000 को और इस दिनांक से कोई भी, अविशय्य गैर-वैकिंग कंपनी यहां नीचे यथावर्णित के सिवायः जमाराशिया प्राप्त करने के लिए अपनी शाखाएं नहीं खोलगी या एजेंट नियुक्त नहीं करेगी।
- (1) ऐसी अविशय्ट गैर-बैकिंग कंपनी जिसे भारतीय रिजर्व बेंक अधिनियम 1934 (1934 का 2) की धारा 45 झक के अंतर्गत जारी किया गया पंजीकृत प्रमाणपत्र प्राप्त हो अपनी शास्त्रा स्रोत सकती है या एजेंट नियुक्त कर सकती है यदि उसकी
- (क) णुद्ध स्वाधिकृत निधि 50 उस राज्य के भीतर जहां करोड़रुपये तक हों उसका पंजीकृत कार्यालय स्थित हों; और यदि
- (ख) गुद्ध स्वाधिकृत निधि 50 करोड़ रुपये से अधिक हो भारत में कही भी
- (ii) (क) णाखा/कार्यालय खोलने के प्रयोजन के लिए अविशब्द गैर-वेंकिंग कंपनी प्रस्तावित गाखा खोलने के अपने इरादे की जानकारी रिजर्व बैंक को देगी;
- (म्ब) ऐसी सूचना प्राप्त होने पर भारतीय रिज़बं बैंक, इस बात से संतृष्ट होने पर कि लोकहित में अथवा संबंधित अविश्वष्ट गर—बैंकिंग कंपनी के हित में अथवा दर्ज किये गये अन्य संबंधित कारण से आवश्यक है. प्रस्ताव अस्वीकार कर सकता है और उसे अविश्वष्ट गैर—बैंकिंग कंपनी को सूचित कर सकता है;
- (ग) यदि रिजर्व वैक ऐसी सूचना प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर उक्त (छ) के अंतर्गत प्रस्ताव अस्वीकार करने की सूचना प्रेपित नहीं करता है, तो अविशष्ट गैर-वैकिंग कंपनी अपने प्रस्ताव के संबंध में आगे की कार्रवाई कर सकती है।

शाखाए वंद करना

4ग. कोई भी अविषिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी तब तक अपनी जाखा/कार्यालय वंद नहीं करेगी, जब तक वह इस आशय की जानकारी बंद करने की प्रस्तावित तारीख 90 दिन पहले किसी एक राष्ट्रीय स्तर के समा । र पत्न में और संबंधित स्थान में परिचालित होने वाले एक स्थानीय भाषा के समाचार पत्न में प्रकाशित न कर द तथा बंद करने की प्रस्तावित तारीख से न्यूनतम 90 दिन पहले रिजर्व वैंक को सूचित न कर दे

वी० एस० एन० मूर्ति प्रभारी मुख्य महाफ्रबंधक

मं ० डीएनबीएस 137/सीजीएम (बीएसएनएम)-2000 -भारतीय रिज़र्व बैंक के अधिनियम, 1934 (1934 कः 2) की धारा 45 ड क की उप धारा (1क) द्वारा प्रकत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिजर्ब बैंक एतद्हारा यह निदेश देता है कि 2 जनवरी 1998 की अधिसूचना सं० हीएफसी/117/ही०जी (एसपीटी)/98 में निहित निदेश तत्काल प्रभाव से निम्नप्रकार संशोधित होंगे, अर्थात्—

पैराग्राफ 3 के उप पैराग्राफ (ख) में मद (viii) के बाद निम्नलिखित नयी मद जोड़ी जायेगी, अर्थात्—

"(ix) जमाराशियां प्राप्त करने के लिए नयी णाखाएं या कार्यालय खोलने या उनको बंद करने की स्थिति में और एजेंट नियुक्तक रने के मामल में, क्याय पनी ने दिनांक 31 जनवरी 1998 की अधिसूचना सं० डीएफसी: 118/डीजी (एसपीटी)/98 में निहित गैर-बेंकिंग वित्तीय कंपनी जनता से प्राप्त जनारागियों का स्वीकरण (रिजर्व बैंक) निद्यावली, मेंनि अपेक्षाओं का अनुपालन किया है।"

वी० एस० एन० म्ति प्रभारी मुख्य महा प्रबंधक

सं श्रीएनबीएस. 138/मीजीएम (वीएसएनएम) - 2000---भारतीय रिजर्व बैंक इस बात से संप्तुट होकर कि ऐसा करना आवश्यक है, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 ढग के अंतर्गत प्रदत्त शिंक्तयों का प्रयोग करने हुए एतद्दारा यह घोषित करता है कि---

- (1) भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45झक, 45झ ख और 45झग के प्रावधान ऐसी किसी गैर-वैंकिंग वित्तीय अंपनी परलागू नहीं होंगे।
 - (i) जो
- (क) किसी कारोबारी उद्यम के लिए अधिकतम रु० 50,000 का तथा किसी गरीब व्यक्ति को अपनी आय और जीवन स्तर को बढ़ाने में समर्थ बनाने के लिए किसी आवासीय इकाई की लागत की पूर्ति के लिए अधिकतम रु० 1,25,000 का ऋण प्रदान कर रही है;
- (ख) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त है; और
- (ग) 31 जनवरी 1998 की अधिसूचना सं 0118/डीजी (एसपीटी) 98 के पैराग्राफ 2(1) (Xii) मैं यथापरिभाषित जनता से जमाराशियां स्वीकार नहीं कर रहीं है।
- (ii) जो 31 जनवरी, 1998 की अधिसूचना सं० डीएफ सी. 118/डीजी (एसपीटी) - 98 में निहित गर-बैंकिंग कितीय कंपनी जनता से प्राप्त जमाराश्वियों का स्वीकरण (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1998 के पैराग्राफ 2 (1) (ixक) में यथापरिन् भाषित परस्पर लाभवाली कंपनी है।
- (2) भारतीय रिजर्व वैंक अधिनियम, 1934 (1934का
 2) की धारा 45 झ ख और 45 झ ग के प्रावधान भारतीय
 रिजर्व वैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा
 45 झ (च) में यथापरिभाषित किसी ऐसी गैर-वैंकिंग वित्तीय
 कंपनी पर लागू नहीं होंगे, जो कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा
 617 में स्थापरिभाषित सरकारी कंपनी है।

की**० एस० ए**नः० सूर्ति प्रभागी मख्य महा प्रबंधक सं उडीएनबीएस . 139/सीजीएम (बीएसएनएम) - 2000 - - भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 झ ख की उप धारा (1) के साथ पठित धारा 45 ढ ग के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 31 जनवरी, 1998 की अधिसूचना सं डीएफसी . 121/ईडी (जी) में आंशिक संशोधन करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक, इस बात में संतुष्ट होकर कि ऐसा करना आवश्यक है, एतद्धारा यह निदेश देता है कि उक्त निदेश तन्काल प्रभाव में निम्नप्रकार मंगोधित होंगे, अर्थात् ---

पैराग्राफ 1 में, मद (i) और (ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् ---

"उक्त निवेश की सीमा, दूसरी पूर्ववर्ती तिमाही के अंतिम कार्यदिवस के कारोबार की समाप्ति पर बकाया, गैर-वैंकिंग वित्तीय कंपनी जनता से प्राप्त जमाराशियों का स्वीकरण (रिज़र्व बैंक) निदेशावली, 1998 के पैराग्राफ 2 (1) (xii) में यथापरिभाषित ''जनता से प्राप्त जमाराशियों'' के निम्नानुसार होगी---

- (i) 1 अप्रैल 1998 की तथा 12.5 प्रतिशत से कमन हो;उक्त दिनांक में
- (ir) 1 अप्रैल 1999 को तथा 15 प्रतिशत से कम उक्त दिनांक से नहो, और
- (iii) 1 जनवरी 2000 को अनुमोदित प्रतिभूतियों तथा उक्त दिनांक से में 10 प्रतिशत से कम न हो और शेष किसी अनुसूचित वाणिज्य बैंक में भार रहित मावधि जमाराशियों में, जिनका कुल योग 15 प्रति- शत से कम नहीं होगा;

और''

वी० एस० एन० मूर्ति प्रभारी मुख्य महा प्रबंधक

सं डीएनबीएस. 140/सीजीएम (बीएसएनएम) -2000-भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की
धारा 45झ ख की उप धारा (2) के अतर्गत प्रदत्त शिवन्यों का
प्रयोग करते हुए और 30 अप्रल 1997 की अधिसूचना सं ०
डीएफसी. 108/(ईडी) (जेआरबी) -97 में आंशिक संशोधन
करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक इस बात से संतुष्ट होकर कि ऐसा
करना आधाश्यक है, एतद्हारा यह निदेश देता है कि उक्त निदेश
तत्काल प्रभाव में संशोधित होंगे, अर्थात्--

- तिमाही विवरणी 1 के फार्म मेमद 9 के बाद निम्नलिखित
 मद 10 जोड़ी जायेगी, अर्थात् :
- " +0. जमाराशियां प्राप्त करने वाली शाखाओं /कार्यालयों से संबंधित सूचना निम्नलिखित है

शाखाओ/कार्यालयों के नाम और पते	खुलने की तारीख	भारतीय रिजर्व बैक के माथ पत्नाचार की संदर्भ संख्या और तारीख	टिप्पणियां
(ख) शाखाएं/कार्यालय बंद करना			
शाखाओं कार्यालयों के नाम प्रचार की ता और पते	ारीख बंद करने की तारीख	भारतीय रिजर्व वैक के साथ पत्नाचार की संदर्भ संख्या और तारीख	ो टिप्पणियां
 तिमाही विवरणी-ii के फार्म में, मदः तिवित द्वारा प्रतिस्थापित होंगे, अर्थात्—— 		सावधि जमाराणियों में देनिक आधार पर अपेशि रखी हैं (नीचे नोट 1 देखें)	क्षेत आस्तियां
"6. उपर्युक्त मद 5 (सी)) जमाराशि व प्रतिशत रखी जाने वाली अर्थसुलभ आस्ति की (अनुमोदित प्रतिभृतियों के ब्योरे उनके	निर्धारित राशि	3. तिमाही विवरणी∹मं के फार्म में, मद 10 लिखित मद 11 जोड़ी जायेगी, अर्थात्) के बाद निम्न-
साथ तथा विवरणी की तारीख को अनुसूचित रखी गयी सावधिजमा के ब्योरे अलग अनुबंध	वाणिज्य बैंकों में में दिये जायें)	"11. जमाराशिया प्राप्त करने वाली शाखा संबंधित सूचना निम्नलिखित है.	ओ/कार्यालयों से
 क्या कंपनी ने तिमाही के दौ अनुमोदित प्रतिभूतियों और अनुसूचित व 	-	(क) नयी शाखाएं/कार्यालय खोलना	
शाखाओं/कार्यालयों के नाम और पते	खुलने की तारीख	भारतीय रिजर्व वैक के साथ पत्नाचार की संदर्भ संख्या और तारीख	टिप्प णियां
(ख) शाखाएं/कार्यालय बंद करना			
जाखाओं /कार्यालयों के नाम प्रचार की तारी और पते	ख बंद करने की तारीख	भारतीय रिजर्व बैक के साथ पत्नाचार की संदर्भ संख्या औरतारीख	टिप्पणियां

वी० एस० एन० मूर्ति प्रभारी मुख्य महा प्रबंधक

भारतीय रिजर्व बैक प्रशासन और कार्मिक प्रवंध विभाग केंद्रीय कार्यालय, मुंबई-400001

दितांक 11 सितंबर 1998 की अधिसूचना स० 1 के लिए शुद्धिपत्न संशोधन

शुद्धिपत्न

(1) 'प्रशासन और कार्मिक प्रबंध विभाग मुंबई-400 001, 11 सितंबर 1998' शब्दों के स्थान पर बैंक का नाम, विभाग और अधिसूचना सं० निम्नानुसार पढ़े जाएं ।

"भारतीय रिजर्व बैक प्रणासन और कार्मिक प्रबंध विभाग कद्रीय कार्यालय, मुंबई-400 001 अधिसूचना सं० 1 दिनाक 11 सितम्बर, 1998"

(2) पृष्ठ सं० 464 (मद सं० 1 पंक्ति 6) के हिंदी अनुवाद में विदेशी मुद्रा नियंत्रण परिचालन और विभाग बैंकिंग विकास विभाग छव गया है । उस सही रूप में "विदेशी मुद्रा निवाण वियंभाग, वैंकिंग परिचालन और विकास विभाग" पढ़ा जाए ।

संशोधन

क्षेत्रीय प्रमुखो का पदनाम परिवर्तित करते हुए क्षेत्रीय निर्देशक' कर दिया गया है और इस परिवर्तन को दिनांक 11 सितंबर, 1998 की हस्ताक्षर करने की अधिसूचना मं० 1 शामिल करने का बैंक की केन्द्रीय बोर्ड की मिनित द्वारा अनुमोदन किया गया। अधिसूचना में परिणामी संशोधन नीचे दशिये गये हैं।

मद सं०	पैरा/उप–पैरा स०	पंक्ति सं०	किये गये संशोधन
1	3	4	मुख्य महाप्रबंधक शब्द के स्थान पर क्षेतीय निदेशक' किया गया
5	(i)	3	मुख्य महाप्रवंधक गब्द के बाद 'क्षेत्रीय निदेशक' जो ड़ा गया
5	(i)	5	मुख्य महाप्रबंधक शब्द के स्थान पर 'क्षेत्रीय निदेशक' किया गया
5	(iii)	9	मुख्य महाप्रबंधक शब्द के स्थान पर 'क्षेत्रीय निदेशक' किया गया
5	(viii)	4	मुख्य महाप्रबंधक श ब्द के स्थान पर 'क्षेत्रीय नि देशक' किया गया
5	()	4	म _ु ख्य महाप्रबंधक गब्द के स्थान पर 'क्षेत्रीय निदेशक' किया गया
5	(xiii)	3-4	मुख्य महाप्रबंधक के स्थान पर 'क्षेतीय निदेशक' किया गया
5	(x v)	4	मुख्य महाप्रबंधक शब्द के स्थान पर 'क्षेत्रीय निदेशक' किया गया

एम० जी० विश्वेश्वरन सहायक महाप्रबंधक

माजारजंग संग्राहालय मंडल हैदराबाद, दिनांक 1999

सं०साल।रजंग सम्राहालय मंडल हैदराबाद ने सालार जंग सम्रहालय अधिनियम 1961 (1961 के 26) की धारा 28 प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाए जोसालार जंग संग्रहालय 1962 का संशोधित है जो इस प्रकार होगा :--

- 1. (1) ये विनियम सालार जंग संग्रहालय विनियम (संशोधित) 1999 कहलायेंगे ।
 - (2) ये केन्द्र सरकार के राजपत्र में प्रकाणित होने के तारीख से लागू होंगे।
- 2. (क) सालार जग संग्रहालय विनियम, 1962 में विनियम 8 में उप विनियम (1-क) उप धारा (ख) के लिए, निम्नलिखित, उप-धारा हारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है, जो ---
 - (ख) ''श्रेणी-III या श्रेणी-IV पद की रिक्ति के मामले, में रोजगार केन्द्र को अधिसूचित किया जाएगा। समाचार पत्नों में (रोजगार समाचार बुलेटिन को सम्मिलित कर) विज्ञापित किया जाएगा, सूचनापट्ट पर प्रदक्षित किया जाएगा और रेडियों तथा दूर दर्शन पर घोषणा की जाएगी।'

सिवंव '-- अध्यक्ष सालारजंग संग्रहालय मंडलः सालारजंग संग्रहालय मंडल सालारजंग संग्रहालय मंडलः सालारजंग संग्रहालय हैदराबाद । हैदराबाद ।

पाद	टिप्पणी
	भारत के राज्यत की धारा4, भाग-III में प्रमुख विनियम दिनाक 16 जुलाई. 1966 के अधिसूचना मख्या 29 के अनुसा
	प्रकाशित किया गया और तदृपरांत संशोधन के अनुसार
	1. दिनांक अधिसूचना सं० 16 जुलाई, 196

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी. 2000

मं० वी-33(13)2/95-स्था० 4 --क० रा० बी० (साधारण) विनियमावली, 1950 के विनियम 10 के साथ पठित क० रा० बी० अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 25 के अनुसरण में अध्यक्ष, क० रा० बी० निगम, असम क्षेत्र के क्षेत्रीय बोर्ड का एतद्द्वारा पुनर्गठन करते हैं। बोर्ड में निम्नलिखित को नामित किया गया है .----

- मंत्री अध्यक्ष
 श्रम एवं रोजगार विभाग
 असम संरक्षीर
- 2. राज्य मंत्री उपाध्यक्ष स्वास्थ्य तथा परिवार कह्याण विभाग, असम सरकार
- प्रशासनिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, फ॰ रा० बी० योजना, असम

5. श्री जे० एमं० गोस्वामी,

राज्य में क० रा० बी० योजना का प्रभारी अधिकारी -- पदेन सस्दय

उप-चिकित्सा आयुक्त
 क० रा० बी० निगम, पूर्वी जोन
 कलकत्ता।

नियोजक प्रतिनिधि सोसिगण्य

पदेन सदस्य

- संचिव असम, मैनुफक्चरसं एसोसिएशन बाई लेन नं० 5, इंडस्ट्रियल एस्टेट बामूनी मैदान, गुवाहाटी-21।
- 6. श्री ए० मी० दाम, नियोजक अतिरिक्त सचिव, असम प्लाइबुड मैनुफैक्चरसं प्रतिनिधि पी० ओ० तिनसुकिया, असम-786125।
- 7. श्री बी० पी० बक्शी --- क्ष ऑल इंडिया मनुफैक्चरमें ऑरगनाइजेशन असम स्टेट रोड़, तिनसुकिया-786125 असम।
- श्री एस० के० श्रीवास्तव ---वही--असम कॉटन मिल्स
 पी० ओ० चारोद्वार (मुनीतपुर)
 असम-784103 ।
- 9. श्री सुमेर सिंह गाँड, कर्मवारी प्रतिनिधि सिंबा, अंई० एन० टी० यू० सी० असम आखा, के० मी० नेत रोड, पलटन बाजार, गवाहाटी • 8 ।

10 श्री छी०पी०याँदय महासचिव, भा०म० न० वनीपारा, सिलचर--1 असम । क**मंचारी अतिरिक्**त प्रतिनिधि

प्रतिनिधि

---वही---

11. श्री अमोल घोष दस्तीदार अध्यक्ष, सी श्र औई श्टी० यू० असम राज्य समिति, आनन्द राम बरूह पथ, पलटन बाजार, ग्वाहाटी - 8।

12. श्री नसीरुहीन, ----वही--- सिवव, आई० एन० टी० यू० सी० ढ्वरी णाखा, असम--783301।

13. आयुक्त एवं सचिव असम सरकार, श्रम एवं रोजगार विभाग, दिसपूर, असम। सदस्य, राज्य में रहने वाले क० रा० बी० निगम के सदस्य~ पदेन सदस्य

14. क्षेत्रीय निदेशक, क० रा० बी० निगम, गुवाहाटी असम।

एल० एम० महता, महानिदेशक

सदस्य सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी, 2000

स० एन-15/13/1/11/98-यो एवं वि०--(2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम
95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948
(1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
के अनुसरग में महानिदेशक ने 01 फरवरी, 2000 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिसमें उक्त विनियम--95-के तथा
आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम--1955 में निद्धिट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों
में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे,
अर्थातु:--

आन्ध्र प्रदेश राज्य में प्रकाशम जिले के ओंगोल नगर पालिका सीमा,

ओंगोल मंडल के अन्तर्गत आने वाले कोप्पोल्लु, पेल्लूरू, चेर्वकोमनुपालेम वेंगिमुक्कपालेम, मामिडिपालेम तोवगुन्टा, मूक्तित्तूत्रवराडु, गुड़िगल्लपाडु, और एरराचेरेला राजस्व ग्राम की सीमा,

संतत्नलापाडु मंडल के अन्तर्गत आने वाले पेरनिमिट्टा, येन्द्रलूर और मंगन्र राजस्व ग्राम की मीमा ।"

> जी० एतः कपूर, निदेशक (यो० एवं वि०)

नई दिल्मी, दिनाक 14 जावरी 2000

सं० यू-16/53/पी० टी० एम० आर०/कर्ना०/99-चि० 2: कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) वितियम, 1950 के विनियम—105 के तहत महानिदेशक को निगम की शिक्तयां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024(जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शिक्तयां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित डाक्टर को मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर निम्नलिखित तिथि तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को उपचिकित्सा आयुक्त (दिक्षण क्षेत्र), बंगलौर द्वारा निर्धारित क्षेत्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण पत्न की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाणपत्न जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारीं के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हं।

ऋं० डाक्टरकानाम सं०	अवधि	केन्द्रकानाम
1. डा० एम० विजय	22-02-2000 से	मैसूर क्षेत्र
	21-02-2001	
	डा० (श्रीम चि	ाती) एस० सिंह, कित्सा आयुक्त ।

सं० एन०-15/13/10/2/98-यो० एं० वि०--(2) कर्मवारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 फरवरी, 2000 ऐसी तारीख के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 फरवरी, 2000 ऐसी तारीख के सप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा उड़ीसा कर्मचारी राज्य बीमा निमम-1951 में निद्टिट चिकित्सा हित-लाभ उड़ीसा राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लाग् किए जाएंगे, अर्थात्.--

''जिला कटक के चौद्धार, तहसील टाँगी के मंगूली, क**रापारी,** बोन्डल, बैन्चुआ, कोटसाही, गनरवा क्षेत्र के राजस्व गांव।'' जी० एल**० कपूर,** निदेशक (यो० एवं वि०)

कर्मचारी भविष्य िनिध संगठन

(कन्द्रीय कार्याक्य)

नई दिल्ली-110066, दिनांक 12 जनतरी 2000

सं. 2/1959/डी.एल.आइ. /एकजम/89/भाग-4/5302
—जहां अन्सची-1 में उिक पित कि कि विकास 1 कि कि उप कि कि विकास के प्रचात् उस्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिट प्र निधि और प्रकीण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 1 के) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छ्ट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें डाके एकचात् उद्या अधिनियम कहा गया है)।

चिक केन्द्रीय भीवष्य निधि आगस्त इस बात से संतष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए विना जीवन बीमा के एए में भारतीय जीवन बीमा निषम की साम्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रही हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप महबद्ध वीमा गक्षीम. 1976 के अंदर्गत खीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत ही (जिसे इसमें इसके द्वार स्कीण कहा गण हो)।

अत: उक्त अधिनियस की धारा 17 की ज्यधार ? (क) दतारा यहन उदिनमें का प्रमेप करने नाम क्या ध्या मंत्राहम भारत सरकार/डोन्द्रीय सरकार/डोन्द्रीय भविष्य विधि आगुक्त की अधि-सच्या सं. तथा विधि के प्रकृति ध्यापा के प्रमा के प्रमान नहीं गयी है के अनुसरण में प्रथा संवयन अनुस्ची-2 के निधिरित क्षती के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि अप्रकृत से तकन स्कीस के प्रभी न्यवंधी के संचानन में प्रकृति न्यान स्थापना को आगे 3 वर्ष की अविध के लिए छाट प्रवास पर की है गीप कि मंत्रम उन-सची-1 मो जनके सम के सामने दक्षीय है ।

ऋ० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई		छूट विस्तार की तिथि	के०भ० नि० आ० फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
ओ। रे कार्या बा ०	ान्ध्रा प्रदेश स्टेट कोप० टिव बैंक लि० मु० लिय टरूप बाजार नं० 142, हैदराबा	पो॰	2/1959/डीएल आई०/एन्ज् /89/पी टी/दि० 21-10-9		1-12-96 से 30-11-99	2/3767/91/ डीएलआई

1	2	3	4	5	6	7
2.	मै० बापाट्टा इंजीनियरिंग कालेज, वायाटूला-522101	ऐपी/16525	10-1-94	31-8-95	1-9-95 से 31-8-98 1-9-98 से 31-8-2001	2/4333/92
3.	मैं० स्पे∓ट्रा फ्र्इस एण्ड बॅविरेड प्रा० लि० टाडीगाडापा विजयबाडा–521137	ास ऐपी/जीटी/ 13987	8-1-93	31-12-94	1-1-95 से 31-12-97 1-1-98 से 31-12-2000	2/3202/90
4.	मैं ०ए० ए० एन० एम० एण्ड वी०वी०आर०एस०आर०ु पोलीटेक्निक, गुडलाव।येरू कृष्णा जिला–521356	ऐपी/जीटी/ 16537	29-1-93	28-2-94	1-3-94 से 28-2-97 1-3-97 से 28-2-2000	2/4392/92
5.	मै॰ श्री सत्यासाई इंस्टीटयूट आफ हायर लर्रानग प्रणासनी यलाय अनन्तपूर-जिला- 515134	• •	29-8-97	31-3-96	1-4-96 से 31-3-99 1-4-99 से 31-3-2002	2/4534/92
6	, मैं० भाइरत्न भाई जे० चेने पारसी हाई स्कूल 119, पार्कुलेन, सिकन्दराबाद ।	ऐपी/9271	22-12-92	31-8-92	1-9-92 से 31-8-95 1-9-95 से 31-8-98 1-9-98 से 31-8-2001	2/4282/92
7	. मै० सिबकर आटो पार्टस लि०, इन्डस्ट्रीयल स्टेट रानीगुटा मार्ग, तिरूपति— 517506	ऐपी/18114	10-11-98	31-3-99	1—4—99 से 31—3—2002	1/121/98
8	. मै० कनाका दुर्गा ग्रामीण बैंव 9/225, गौरीशंकारापुरम गुडीवाडा—521301	र ऐपी/1 670 4	5-5-93	31-3-95	1-4-95 से 31-3-98 1-4-98 से 31-3-2001	2/3205/90

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध म^न नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया हैं) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त को ऐसी विवरणियां भंजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निष्धि आयक्त समय-समय पर निरिद्ध करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोग जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय-समय प्रनिद्य करों।
- 3. साम्हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीक्रियम का मंदाय, लेलाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय कादि भी हैं, होने वाले सभी व्यानें का वहन नियोजक युधारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उम संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बह-संख्या की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पटट पर प्रदर्शित करगा।
- 5. यदि कोई कर्मनारी के भविष्य निधि या उक्त अधिकथम के अधीन छूट प्राप्ति निस्ती स्थापना की भिवष्य निधि का रहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाना है तो नियो-जक सामृहिङ बीमा स्कीस के मदस्य के रूप में अपना नाम त्रन्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा !

- 6. यदि उक्त स्कीम के आधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियां जक सामृहिक बीमा स्कीम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कोम के आयीन नाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जी उक्त स्कीम के अधीन अनुकूष हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के आधीन संदेष राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेष हो तो जब वह उबत स्कीम के आधीन होता है। निश्रीजक कर्मचारी की विधि बारिस/नाम निर्देशितों को भित्कार के रूप में दोनीं राशियों के बरावर राशि का संदाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संविधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमादन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमादन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस साम्हिक बीमा स्क्रीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है आधीन तही रह जाना या इस स्क्रीम के आधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाजी किसी राशि से कम हो जाए ती रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियांजक उस नियत तारौल के भीतर बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का संदाय करने में अस-फल रह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रहेंद की जा सकती हैं।
- 11. नियंजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए स्पितिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के गाम निदिशियों या विश्विक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उकत स्किमिको अंतर्गत होते, बीगा लाभों के संदाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजिक इम स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम-निद्धिकां विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त हाने के एक माह के भीतर सूनिश्चित् करेगा।

के. एत. तनेजा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त

सं. 2/1959/डी.एल.आई./भाग-1/एक प्रम/89/5321'
— जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियावताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिक्य दिधि और प्रकीर्ण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आयंदन किया हैं (जिसे इसमें इसके एश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं)।

चूकि केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ठ हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमि-यम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जिकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहवद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनृकृत हैं (जिसे इसमें इसके एक्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

जंतः, उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्यारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए एथा इसके साथ संलग्न अन्- सूची में उल्लिख सर्ती के अनुसार केन्द्रीय भिक्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उलिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिक्य निधि आयुक्त तिमलनाड ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचावन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची---1

ऋम संक	स्थापना का नाम और पता	कोड नं ०	छूट की प्रभावी तिथि	के॰भ०नि० आ०फा०नं०
<u>P</u>	2	3	4	5
1.	मै॰ साकेश एंड किम्स 10, सरदार पटेल मार्ग, अदियार, चेन्नई–600020	टीएन/9643ए	1−11−98 से 31−10−2001	1 4 65 7 9 9 डीएलआई
2.	मै॰ करपागम इन्डस्ट्रीज प्रा० लि॰, सिडको इन्डस्ट्रियल स्टेट कोयम्बटूर-21	टीएन/21260	1−12−98 से 30−11−2001	14/658/99
3.	मैं पोपुलर लेदर्स प्रा० लि०, 51-सी, सिडको इन्डस्ट्रियल कोम्पलैक्स, रानीपेट-3	टीएन/23686	1-8-96 से 31-7-99	14/659/99
4.	मै॰ कोम्निक कैमिकल्स लि॰, प्लाट नं॰ 6-ऐ, सिपकोट इन्डस्ट्रियल कोम्पलैक्स, रानीपेट-623403	टीएन/2646 5	1-2-96 से 31-1-99	14/660/99

1	2	3	4	5
5.	मै० कल्यानी कन्स्ट्रेबशन प्रा० लि०, नं० 9, बाजुला मार्ग, टी० नगर, चेन्नई-600017	टीएन/26841	1-1-99 से 31-12-2001	14/661/99
	मै० साप्ट नेयर सोतूशन इन्टैग्नेटिड लि०, नं० 54 थिकमलाई मार्ग्न, टी० नगर, चेन्नई-600	टीएन/31265 3017	1-11-98 ₹ 31-10-2001	14/662/99
7.	मै० इन्टरनैशनल बैंकिंग प्रोडक्टस लि०, एडजोनिंग अरोफूड कोम्पलैंक्स पोस्ट, टी० सी० पालम–605111	टीएन/32771	26-9-97 से 25-9-2000	14/663/99
3	मैं बालाजी इन्डस्ट्रियल कोपारिशन लि॰, नं॰ 9, बाजुलन मार्ग, चेन्नई-600017	टोएन/39233	1-1-99 से 31-12-2001	14/664/99
9.	मै॰ इन्डस प्लोवर, 19, चोथा मैन मार्ग, कस्तूरवा नगर, अदियार, चेन्नई-600020	टी॰एन/39993	1-12-98 से 30-11-2001	14/665/99
Ď,	मै० हरिता इन एंड सर्व लि०, नं० 8, हाडडोस मर्गा, चेन्नई-600006	टीएन/4015 5	1-11-98 ₹ 31-10-2001	14/666/99
1.	मै॰ जय प्रभाजर स्परिगस लि॰, प्लाट नं॰ 22-25, गांव सैनगुन्द्रम मेरीमलाई नगर सिगापरमोइल कोयल स्ट्रीट-60	टीएन/40168 3204	1-7-98 से 30-6-2001	14/667/99

- 1. उनह स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया हो) सम्बन्धि संनीय भनिष्य निनिध्न सायुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लखा रचेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी स्विवश्च प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निधित्य करें।
- 2. नियंजिक एसे निरंक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के खण्ड के अधीन समय समय पर निदंश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिष्यों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा कियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने याले सभी व्यवों का बहुत निर्णालक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमंदिश साम्हिक बीमा स्कीम के नियमों की एक शित और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की शित तथा कभैचारियों की बहु-संख्या की भाग में उसकी मंख्य वातीं का अनुवाद स्थापना के सचना-गटर पर श्वीकत करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी जी अविष्य निधि या जकत अधिनियम के अधित छाउ पाटा निधी स्थापना की भनित्य निधि का पहले ही सदस्य ही, उसको स्थापना में नियोजित

- किया जाता है ती नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नार्म तुरन्त दर्ज करना और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का सदत्त करना।
- 6. यवि उपत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपर व्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियंजिक ॥मृहिक बीमा स्कीमें के आधीन कर्म अधीन कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हुँ।, जो उनत स्कीम को अधीन अनुक्ष हैं।।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीमें के अधीन संदेय राणि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जैव बह उक्त स्कीम के आधीन होता तें नियोजक कर्मचारी को विभि वारिस/नाम निदंधितां को प्रतिकार के रूप में दोनों राषियां के वराबर राणि का संदाय करगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संबोधन सम्बन्धित के गूर्व अनुमीदन के विना नहीं किया जायंगा और जहां किसी संबोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो बहां क्षेत्रीय भिवाष्य निधि आयुक्त अपना अंगुमीदन देने के गूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थायना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए हो स्कीम रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणविश उस नियम तारीख के भीतर जी बीमा निगम दियत कर शिभियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियंजिक द्वारा प्रीमियम को संदाय में किए गयं व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्नेशितों या विधिक बारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभो के संदाय का उत्तरदायिस्तव नियंजिक पर होगा।
- 12. उदह स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हातदार नाम निविधिक वारिसों को बीमाकृत राश्चि का संदाय ततारता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निया से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीवर स्विनिश्चित करेगा।

की. एल. त**नीजा** क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-4/5336—जहां अनुस्ची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (िसें इसमें इसके पश्चात् उद्यत स्थापना कहा गया है) कमचारी भिष्टिय निधि और प्रकीर्ण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आयंदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूं कि केन्द्रीय भविष्य निधि वायुक्त इस बात सं संतृष्ट हैं के उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जोधन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जीकि एसे कर्मचारियों के लिए कमचारी निक्षेष सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

जतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदस्त किक्सों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त की अधि-स्वता सं. तथा ति थ वो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, औं अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्भारित शतीं के रहते हुए कंन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपवंधी के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में ठाके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची---1

क्रन सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के०भ०नि०आ० की फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
f •	ाँ० इन्डियम् आयल कोर० ले ०, ७, इन्डस्ट्रियल एरिया स्कोप काम्पलैक्स कोर–2 तोधी रोड़, नई दिल्ली-3	डीएल/1338	2/1959/डीएलआई/एवजम/ 89/पोटी/718 दिनाक 13–5–99	22-5-99	23-5-99 से 22-5-2002	2/131/80/ डीएल आई
:	ाँ० रैनब∓सी लैबोटरीस 25, नेहरू प्लेस नई दिल्ली–19 ।	डीएल/1546	5-7-99	28-2-99	1-3-99 से 28-2-2002	2/722/82
₹ इ	तै॰ इंजीनियरिंग प्रोजेक्टस (आई) लि॰,कोर–3, कोप काम्पलैक्स 7, डिस्ट्रियल एरिया, लोधी रोड़ नई दिल्ली–110003 ।	डीएल/2921 ;	एस-35014/218/83-11 एसएस-11 दि॰ 23-2-87		24-12-89 23-12-92 24-12-92 ₹ 23-12-95 24-12-95 ₹ 23-12-98	2/116/78
ह -	- ि कोनटिनेन्टल डिवाईस इंडिया लि०,सी–120, सारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, नई दि ० ली– 110028	डीएल/3141	2/1959/डोएलआई/एक्जम/ 89/पीटी/1431 दि० 10-6-99	30-6-97	1-7-97 ₹ 30-6-2000	3/76/99

1	2	3		4	5	6	7
5.	मैं० बसु एण्ड एसोसियेट प्रा० लि॰, पाकेट वी-2, जी ब्लाक मार्केट साकेत, नई दिल्ली-17	डीएल/6609	12-4-99		28-2-99	1-3-99 से 28-2-2002	3/25/98
6.	मै॰ सलोरा इन्टरनेशनल लि॰, डी/13/4 ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-25	डीएल/6935	28-4-97		31-7-95	1-8-95 से 31-7-98	2/1568/88
7.	मै० गर्बलर इंडिया लि०, 1, श्री अरबिन्दू मार्ग, नई दिल्ली—16.	डीएल/7433	24-1-99	-	31-7-99	1-8-99 से 31-7-2002	3/17/98
	मै० सोवर प्रा० लि०, सी०एस०सी०, सी-9, वसंत कुंज, नई दिल्ली-70	डीएल / 7736	3-11-98		31-5-99	1-6-99 से 31-5-2002	2/1683/87
9.	मै० कोशा डायनिमक्स प्रा० लि० सैंड नं०—11 ओखला इन्डस्ट्रियल स्टेट फैस नई दिल्ली—20	डोएल/9014 4,	21-6-99			1-12-98 से 30-11-2001	3/26/98
10.	मै॰ मोहन फूटस लि॰, 78/3 जनपथ दूसरा मंजिल, नई दिल्ली-110001	•	9-4-99		31-12-98	1-1-99 से 31-12-2001	3/10/96
11.	मैं० स्पन फैशनस लि॰, 149, ओलना इन्डस्ट्रियल इस्टेट, नई दिल्ली—11002	डीएल/15825 0	9-10-98		31-5-98	1-6-98 से 31-5-2001	3/11/98

- 1. उदत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियाजक कहा गया हो) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त का एसी विवरिणयां गेंजेगा और लेखा रह्या तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2. नियंजिक एंसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करंगा जी केन्द्रोय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयां का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।
- 4. नियाजक, कोन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीदित साम्हिक बीमा स्कीम के नियमां की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहा-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा ।

- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सम्मूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक साम्रीहक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभें में साम्रीहक रूप से वृद्धि किए जाने को व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए साम्रीहक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकृष हैं।
- 7. सामहिक बीमा स्कीम में किनी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जी कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निद्गिश्तों को प्रतिकार के रूप में दोने राशियों के बराबर राशि का मदाय करेगा।

- 8. साम् हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुभोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना द्दिक्तीण स्पष्ट करने का युक्तियक्त अवसर देगा !
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्सनारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उसी सामहिक बीमा स्कीम के, जिस्से स्थापना, पहले ही अपना चकी है, अधीन नहीं यह जाता है या इस स्कीप के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रहद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियस गारीक के भीतर जीवन बीमा निगम नियस कर प्रीमियम का संवाय करने में असफल रह जाता है और गालिसी को ध्यगत होने दिया जाता है तो छट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक दबारा प्रीमियम के संवाय में किया गए हातिकम की दशा में उन मन सदस्यों के नाम निक्रितिकों या विधिक वारिसों को यदि यह छ्ट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निर्माणक इस स्कीम के क्षीन बाने वाली किती सदस्य की सहय नेने पर उसके हकत र नाम निद्गितों/विधिक वारिसीं की बीमाकृत राश्वि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीका निरम से बीमाकृत राशि तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन

बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सिगिश्चित करेगा ।

के. एल. वर्नेपा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त

नई दिल्ली-66. दिगांक 12 जनवरी 2000

सं . 2/1959/डी. एल आई. /भाग-1/एकजम/89/5382 जहां अनुस्की-1 में उल्लिखित नियंक्ताओं ने (जिसे इसमें टसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया हुं) कर्मचारी शिवष्य विभि और प्रकीण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधार २ (क) के अन्तर्गत छाट के लि आवेदन किया है । जिसे इसमें इसके पश्चार उन्त अधिनियम कहा गया है ।

चंकि केन्द्रीय भेकिय रिशि आयत्त इस बान में संतष्ट है कि तकत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंग्रदान या प्रीमियम की अदायगी किए दिला जीवन बीमा कि रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामहिक बीगा स्क्रीम का लाभ उठा रहें है जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्चेष सहबद्ध बीमा स्क्रीम, 1976 के अल्लाई स्वीकार्य लाभी से अधिक अनकाल है। जिसे इसमें इसके पञ्चात स्क्रीम कहा गया है।

अतः जकत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वार प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मंलग्न अनस्वी से जिल्लिखत शर्ती के अनसार केन्द्रीय भी प्रण निश्चि आययत में प्रत्येक के सामने जिल्लिखत पिछली निर्माणि में प्राप्त स्थापना को भीत्रीय भिष्ठिय निर्माणि आययत कलकत्ता में स्कीम की धारा 28(7) के उन्तर्गत ढील पदान की हो 3 वर्ष की अशिक के लिए जकत स्कीम के संचालन की छुट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

ऋ०सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की भावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा ० नं०
	मैं॰ टी॰ एण्ड आई॰ लि॰, 19, आर॰ एन॰ मुखर्जी मार्ग, कलकत्ता-700001	डब्लू बी 14855	1-3-98 社 28-2-2001	1 6/85/99/इडी एलमाई
	मै॰ होटल हिमालप, 134/1, एम॰ जी॰ मार्ग, कलकत्ता–700007	डब्ल्बी/27852	1-11-97 से 31-10-2000	16/86/99

अन्स्ची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में निरोजक (जिमे इसके ण्डचात् नियाजक कहा गया है) सम्योन्धत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकत को एरेसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रह्नेगा तथा निर्शक्षण को निए एरेसी सुविधाएं प्रदान करेगा जी केन्द्रीय श्विष्य निधि

आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करें।

2. नियांजक एंसे निरीक्षण प्रभारी का त्रत्यंक सार की समाधित के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त किय-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवारिणयों का प्रस्त्त किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लंखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने बाजे सभी व्ययों का बहन नियोजक द्यारा किया जायेगा।
- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रिः और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सृषना पट्ट पर प्रदर्शित करगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भिवष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिवष्य गिधि का
 पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजिन किया जाता
 है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना
 नाम त्रन्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम
 भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के उधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढार्य जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभी में मामृहिक रूप से बदिध किए जाने की व्यवस्था करोगा. जिस्सा कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभी से उधिक अनकाल हों जो उक्त स्कीम के अधीन उनजेंग हैं।
- 7 सामिदिक तीमा स्कीम में किसी नान के होते हाए भी अदि किसी कर्मचारी की मत्य पर इस स्कीम के अधीन गंदरे राश्चि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जन वह उक्ट स्कीम के अधीन होटा तो नियंजक कर्मचारी के निर्धक करियों/सोस निद्धिशों के प्रितिकार के हर में दोने राशियों के बंदर के बरावर राशि का संदेश करेगा।
- 8. सामितिक वीमा स्कीम के उपवंधों में कोई भी संशोधन मंतिन श्रेतीम शिक्षण किया किया कार्य मार्गाटन के जिला हार्या किया जार्या और उसमें किया मंत्रीभार में कर्मचारियों के हिन एर पविकास प्रधान पदने की उपधानमा जो उद्यों श्रेतीम भीवाय निष्य कार्यका अपना अनुमीदन दोने के पूर्व कर्मचारियों की रचना सीवायभी मार्ग करने का मिलायक अध्या दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन हीमा निगम की जम सामिक बीमा स्टीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चकी है, अधीन नहीं यह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाली किसी राशि सं कम ही जाए ती यह रहट की ा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणभइ उस निगत तारीख के भीतर जी बीमा निगम नियम करो ग्रीमियक का संदाय करते में समाजन

रहता है और पालिसी को व्यप्त होने दिया जाता है तो छूट रद्द की का सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदंशियों या विधिक शारिसों को यदि यह छुटू दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते बीमा लाशों के संदाय का उत्तरदाियस्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निदिश्यतीं/विधिक बारिसीं की बीमाकृत राशि का संदाय हामाकृत राशि का रंदाय हामाकृत राशि तत्यरा से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त हों। के एक शह के भीतर स्निश्चित करेगा।

के. एल तनेजा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं. 2/1959/डी. एत. आई./एक्जम/89/भाग-2/5358—जहां अन्सूची-1 में उल्लिखित नियोदताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उदत स्थापना कहा गया है) कमीचारी भिवष्य निधि और प्रकीण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पञ्चात् उत्तर अधिनियम कहा गया है।

चंकि केवीय श्विष्ण निधि आयक्त इस बात से संतष्ट है कि उत्तर स्थाएना के कर्मचारी दोर्ड उत्तम अंशदान या प्रीमियम की उदायमी किए दिना जीवन दीमा के क्य में भारतीय जीवन दीमा किए में की सामित्रक दीमा स्कीम का लाभ उठा रही है जो कि एमें कभीवारी के लिए कर्मचारी निर्देश सहद्वाम हीमा स्कीम, 1076 के उन्हर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनकाल है। जिम्मे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है।

क्षतः प्रकल अधिनियम की धारा 17 की लण्धारा 2(क) दबारा प्रदल्प सिक्तारों का प्रयोग करने हांग तथा थम मंत्रालय, भारत सरकार/केदोर अरकार/केदोर अरिक्तार की सिध आयक्त की अधिक्रमचना मं हथा हिथि जो प्रहोत स्थापना के नाम के सामने दशीमी गयी हैं, के अनसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निधिनिय जानि के सभी करने नाम केदीम भित्रका निधि आयब्द ने प्रकर सतीय को सभी ज्यानि के संचालार से प्रहोत जलन स्थापना को लग्न प्रवाद ने प्रकर सतीय को सभी अपनिय के दिया काम प्रवाद कर ही हैं जैना कि जनकारी-1 में उनके नाम के सामने दर्शिया गया हैं।

ऋ० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छ्ट प्रदान/विस्तार की गई	छुट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की निथि	के० भा० नि० आ०की फ़ाईल सं०
1.	मै॰ इन्ह्टिट्यूट आफ नेच्योपैथी एंड योगिक साइंस, जिन्दल नगर, बंगलीर— 560073	केएन/7381	2/1959/डीएलआई/एक्जम/ दिनांक 9-5-94	31-3-93	1-4-93 से 31-3-96 1-4-96 से 31-3-99 1-4-99 से 31-3-2002	2 2479 89 डीएलआई

अनुसूची-2

- 1. ज़ब्द स्थापना के सम्बन्ध में नियांजक (जिसे इसके एडचात् नियोजक कहा तथा है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के एति विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा रखें। तथा निरीक्षण के जिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भीवण्य विवध आयुक्त समय-समय पर निविष्ट करों।
- 2. नियोजक एसे निरक्षिण प्रभारों का प्रत्येक शास की समाधि। को 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो कोन्द्रीय सरकार उकर अधि-नियम की भारा 17 की उपभारा (2-क) के खण्ड को अधीन समय-सम्यादि निवर्षक करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवर णियों को प्रस्तित किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का यहन नियोजक द्वारा किया जाटगर।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार ध्वारा अनुसादित सामिकिक वीमा स्क्रीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमों संबोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहा-संख्या की भाषा में उसकी मूख्य वातों का उन्ताद स्थापना के सुधना पट्ट पर प्रदक्षित करोगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भिष्य निष्य गाउवत अिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भीवष्य निषि का पहले ही अधस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियो-जक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम त्रत्य दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदत्त करोगा ।
- 6. यित उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभ गताये जाते हैं तो नियांजक सामृहिक दीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध साभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनकाल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकंष हैं।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किमी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधि बारिस/नाम निदिशियों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के दशवर गीश का संदाय करगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोर्ड भी लंगोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और रहां कियी गंगोधन में का जाएगा और रहां कियी गंगोधन में का जाएगा और रहां कियी गंगोधन में का जाएगा और रहां की से प्राविक्त पर प्रतिकृत प्रभाव पढ़ने की संभावना हो, वहां की बीय भिष्ठ निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों की अन्य हिएकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा ।
 3—459 GI/99

- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मधारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना खुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के जिमीन कर्मधारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जा में रहा की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीच के भीता के भागती किया जीवन बीचा नियम नियम करो, प्रीमियम का गंदाय शरून मो अस्पत्त रह जाता है और पालिसी को अपपात होने दिया जाता है सो बाट रदद की पा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिका को दया में उन मून मदस्यों के नाम निद्विधाती या विजिदा वारिसों को यदि यह छूट दी गई है से उपन स्कीम के अवर्षत होते बीमा लाओं के संदाय का उत्तरदावित्व निमोजक के लोगा।
- 1?. जनत स्थापना के सम्बन्ध मों नियोजिक इस स्कीम के आधीन भार वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर असके हमारा नाम नियां किसी विधिक वारिसों को बीमाकर राजि का सदाब सत्यरा में और प्रत्येक तथा में भारतीय जीवन भीमा नियम से बीमाक्स मिल धापन तोने के एक माह के भींसर सुनिश्चित करोगा।

के. एल. तनेगा क्षेत्रीय भीवार कि

दिनांक 13 जनवरी 2000

स. 2/1959/डी. एल. आहं./एक्क्म/89/भाग4/5363—जहां अन्सूची-! में उल्लिखित नियोक्ताओं ने कि तसमें इसके रहचान लक्ष्म स्थापना कहा रात में) हमीमारे भित्रकार किया में इसके पहचान उन्निम्मार के लिए आवेदन किया में । (जिसे इसमें इसके पहचान उन्निम्मार के लिए आवेदन किया में । (जिसे इसमें इसके पहचान उन्निम्मार के लिए आवेदन किया में)।

श्रीत कोदीय भीगाय निर्मिश आयक्त हर बार से संस्कृत है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोड़ अलग अंशदार या प्रीमियम की बदायमी किए बिरा जीवन बीमा के क्या में भारतीय जीवन बीमा निर्मंत की सामित्रक बीमा स्कृपि का लाभ उठा रहें है जो कि एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निर्शंत सहस्वत्य बीमा स्कृपि 1976 को अन्तर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकर्ण है। (निर्मं इसके प्रचात स्कृपि कड़ा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा । उन इणिह्यों का प्रयंग करते हुए तथा श्रम प्रशानक भारत सरकार/केद्रीय सरकार/भिष्य निधि आयुक्त की अधिस्**ष्या धं**. हथा निधि को प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शियों एसे हैं ते अपस्यप में तथा मंत्रक अनुमची-2 के निभिष्टित कर्णी के रखने एए केन्द्रीय भिरूष निधि तायास्त ने उक्त स्कीम है गयी ज्याचं के संज्ञानन में प्रत्येक उत्तर स्थापना को सार्य ३ वर्ग भी उद्योग के संज्ञानन में प्रत्येक उत्तर स्थापना को सार्य ३ वर्ग भी उद्योग के संज्ञानन में प्रत्येक उत्तर स्थापना को सार्य ३ वर्ग भी उद्योग के संज्ञानन में प्रत्येक उत्तर स्थापना को सार्य ३ वर्ग भी उद्योग के संज्ञान कर दो है जैसा कि संलग्न अनुमुखी-1 में उद्योग के सामने दर्शिया है ।

अनुसूची---1

			4.2%			
末 。 ヸ。	म्थापना का नाम औड पता	को। नं०	सरकारी अधिसूचना की स० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	ळूट समािित की तिथि	छ्ट विस्तार की निधि	के०भ० निः आ० की फाईल यंश
1	2	3	4	5	e e e e e e e e e e e e e e e e e e e	7
1.	मै० कोयम्बटूर जिला कौप० मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन, कालामपलायम, कोयम्बट्र–10	टीएन/2614-ए	2/1959/डीएलआई/ एक्जम/89/पीटी-1 दि० 10-5-94	31-3-93	14-93 中 31-396 1-4-96 中 31-399	2/864/82/ डीएलआई
2.	मै० श्री विलिपुट्र कौप० स्पिनिंग मिल्म लि०, मदुर मार्ग, श्री विलिपुट्र- 626125	टीएन 3115	23-1-92	31-7-94	1-8-94 中 31-7-97 1-8-97 社。 31-7-2000	2 2 4 6 2 9 0
3.	मै० दि थान्जुवर कन्सुमर्स कौप० हो लमेल स्टोर्स लि०, 2964 ी, साउथ रामपार्ट, थान्जावुर∽613001	टीएन/341।	1 G·-2-99	28-2-99	1-3-99 में 28-2-2002	14/226/97
4	मै० जय एंड कम्पनी, 30, पी० एन० आरटीएन आर० लेआउट, कोयम्बट्र∼18.	आरटीएन/3543	1-9-92	31-3-94	1-4-94 में 31-3-97 1-4-97 में 31-3-2000	2 4 0 4 3 9 2
5.	मैं० लायड इन्सलटेशन (इंडिया) लि०, 5, हाडोस लंन आफ हाडोसमार्ग, नन्गामवाकम, चेन्नई600006.	टीएन 4711	15-12-97	29-2-96	1-3-96 में 28-2-99	14/191/96
6.	म० काल्लाकुरिचि कौप० लेगर मिल्स लि०, मुनगिलथुरायपाट्टूप-605792 जंकरापूर्म, टी० के० विल्पूर्म जिला ।	टीएन 6139	19-3-99	27-1-99	28-1-99 में 27-1-2002	2 969 83
7.	मै० एम० आई० एल० इन्डस्ट्रीज लि०, 25ए, इंडस्ट्रियल स्टेट, अम्बाट्टर, चेन्नई600098.	टीएन/6993	26-8-98	30-7-97	31-7-97 से 30-72000	14/184/96
8	मैं ० सुराजमगलम मिन्क प्रोड्सर्स कौप ० सोसायटी, जेड348, सुरामंगलम (पी० ओ०) कचानम610201, वेदारान्याम, (टी० के०), नागापट्टी (जिला)।	टीएन 1 7858	19-3-99		8 11298 म 30112001	2/4915/93

1	2	F 3	4	5	6	7 tard and bred bred are dark of bred band bred band
-	मैं ० एक्सप्रेस पब्लिकेशनस (मदुरै) लि ०, 137, एक्सप्रेस गार्डन, कामराज मार्ग, मदुरै-9.	टीएन/8486	gart gare	28-2-93	1-3-93 中 29-2-96 1-3-96 中 28-2-99	2/1314/85
10.	मैं ० टी−1431, माडुक्कुर मिल्क प्रोड्यूससे कौप० सोसायटी, माडुक्कुर⊷614903 थान्जाबूर (जिला)।	टीएन∤8999	1-4-99	28-2-99	1-3-99 स 28-2-2002	14/464/98
11.	मैं० ट्रान्सकोर फॅक्टरी , टाईप−Iा/4, वी० एस० आई०स्टेट थिरुवनमयूर, चेन्नई−600041.	टीएन/10173 ;	18997	31~8 95	21-9-95 से 31-8-98 1-9-98 से 31-8-2001	2 5079 93
12.	मैं० सी० आर० पी० इंडिया प्रा० लि० 4/129, माउन्ट पूनमाल्ली मार्ग, चेन्नई-600089	टीएन 11922	1-11-95	31396	1-4-96 से 31-3-99 2-4-99 से 31-3-2002	2 5367 93
13.	मैं० श्री जगन्नाथ टैक्सटाइल्स लि० 1493, सत्यमंगलम मार्ग, गणपति (पी० ओ०) कोयम्बेट्र-641006.	टीएन/12420	12-3-99	31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	ı 4 / 53 / 95
14.	मैं ः, डिजाइन्स एंड प्रोटोटाइपस, एल ~24, डा० वी० एस० आई० स्टेट, थि रुवेनमियर, चन्नई ~600041.	टीएन/16023	18-1-96	31~3~96	1-4-96 में 31-3-99 1-4-99 से 31-3-2002	2/1398/86
15.	मैं० तिजरलेण्ड ऐपालिकेटर्स प्रा० लि०, 25ए, सिडको इन्डस्ट्रियल स्टेट, अम्बाट्र, चेन्नई⊶600098.	टीएन/19917	26-8-98	31-8-88	1-9-98 स 31-8-2001	2/4815/93
16.	म ० वोसनस ऐनर्जी सिस्टम्स प्रा० लि ०, सी-14/2, इन्डस्ट्रियल स्टेट, थुवाकुडी, न्निचि-600015 तथा शाखाएं।	टीएन 19918	19~3~99	28-2-98	1-3-98 年 28-2-2001	2/3614/91
17.	मै ० कमला सोलवेन्ट, 1, करुर मार्ग, धिन्दीगुल (टी० एन०) ।	टींएन/20053	19898	30-4-98	1-5-98 से 30-4-2001	2/1849/68
18.	मैं काथि रवेल टैक्सटाइल्स प्रा० लिं करायकुडी निथुपाटूर मार्ग, नाक्चीपूर्म – 630207	टीएन/20113	and burn		1-3-96 से 28-2-99 1-3-99 से 28-2-2002	2-32-92/90
19.	मं० आर० एम० ट्रेडिंग क० 156, थाम्बूर्चेंट्टी, चेन्नई-600451.	टीएन/22300	19-1-94		1-3-93 से 29-2-96	2/2737/90

1	2	3	4	5	6	7
20.	मैं > तफर्तंक्स रोबाटिक्स कम्बता, प्लाट नं ० 54, इन्डस्ट्रियल स्टेट, अम्बाटूर चेन्नई-600058 तथा शाखाएं।	टॉएन 22820	21296	31-10-97	1-11-97 से 3110-2000	2/5290/93
21.	मैं० बैविन्गटन्स इंडिया, 55, राजामुथई मार्ग, परियामेट, चेन्नई∽600003.	टोएन 31243	11-3-99	30-6-98	1-7-98 社 30-6-2001	14/494/98
	मै० एम० वी० पिल्ले मरियामल भद्रीकुलेशन हायर संकण्डरा स्कूल, धिन्दीगुल ।	टीएन 20802	11-3-99	31-3-93	1-4-93 से 31-3-96 1-4-96 स 31-3-99	2/3001/93

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निर्याजक (जिसे इसके पश्चात प्राचीपक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्य निष्ध आयुक्त का एका प्रवाचनराष्ट्री भजगा आर लखा रखना तथा निरक्षण का क्षिए एसा सुग्वधाए प्रवान करगा जा कन्द्राय भावष्य निष्ध आयुक्त समय-समय पर निष्टिष्ट कर्र।
- 2. नियांजक एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्यंक मास की समाध्यि के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जा कोद्रीय सरकार उक्त अधि-नियम का धारा 17 की उपथारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय-रुम्य ५० विद्या करें।
- 3. सामुहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसकी अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना निवरणियों का प्रस्तृत किया जाना बीम. प्रीमियम का संदाय, लंखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. तियाजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा बनुमी दल सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु सख्या को भाषा में उसकी मृख्य बातों का बनुवाद स्थापना के स्वना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कांई कर्मचारी जो भिष्य निधि या उन्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्ति किसी स्थापना की भिष्य निधि का पहले ही सदम्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामूहिक शीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमिय्म भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम कं कथीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाये जाते हैं तो नियोजक सामितिक दीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामितिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामितिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलस्थ लाभों से बिधक बन् कुल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुत्रंथ हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्क्रीम मो जिली सान के डाने हाए औ यदि किसी कर्मवारों की मृत्यु पर इस स्क्रीम के अधीन संबंध

राशि से कम हैं को कर्मचारी को उस दशा में संदंय हो हो जब बह उदत स्कीम के अधीन हाता तो नियोजक कर्मचारो को विधि यारिस/नाम निवाधितों को प्रतिकार के रूप में दोनां राशियां के बराबर राशि का संदाय करगा।

- 8. साम्हिक बीमा स्काम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविषय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमीदन को बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़न की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमीदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जामें है रहद की जा सकती हैं।
- 10. साँद किसी कारणवश उस नियस तारी के भीतर जीवन बीमा नियस किसते करों प्रीक्षियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हांने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियाजिक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को गाँट यह छुट दी गई हो हा उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियाजिक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के गम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन बाने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निवासितीं/विधिक वारिसी को बीयाकृत राशि का संदाय तत्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन दीना नियम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

ए के उँग क्षेत्रीय भीवष्य निर्मित असावा सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/एकजम/89/5389—जहा अनुसूची-1 मं उल्लिखित नियोकताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) को अंतर्गत छूट के लिए आवंदन किया है, जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भिक्य निधि आयुक्त इस बात सं संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीस्थिम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे है जीकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्लेष सहबद्ध बीमा स्कीम,

1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अगुसूची में उल्लिखित श्रतों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित श्रिक्त विधि से उक्त स्थापना को क्षंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, आ. प्र. ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

त्रम संब	मा स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1	2	3	4	5
1.	मै॰ भाकडा ऐग्रो कैमिकल्स लि॰, 6-3-1109/1 तिसरी मंजिल, राजभवन मार्ग, हैदराबाद-500482	ऐपी/20019	1-3-93 से 29-2-96 1-3-96 से 28-2-99 1-3-99 से	1/106/99¦डीएलआई
2.	मै० इंडिया र ब ड़ प्रोडक्टस, 7वी मजित, डी—ज्लाक, सुर्या टावर्स, एस० पी० मार्ग, सिकन्दराबाट	ऐपी/4845	28-2-2002 1-4-90 से 31-3-93 1-4-93 से 31-3-96 1-4-96 से	1/107/99
3.	मै० टिबरेवाला इलैक्ट्रानिक्स लि०, प्लाट नं० 17, श्रो वेकेश्वारा कौप० इन्डस्ट्रीयल स्टेर कुडाटपल्ली, हैदराबाद—500057	ऐपी/26389 ट,	31-3-99 1-4-99 崔 31-3-2002 1-10-96 崔 30-9-99 1-10-99 崔 30-9-2002	1/108/99
4.	म० इनकटेश इनटरप्राइजेस लि०, अमीरपेट हुडडा कम्पलैक्स 608, वयीवायम. हैदराबाद–500038	^ऐ पी/28034	1-7-97 से 30-6-2000	1/109/99
5.	मैं० संजय रूरल इलैंक्ट्रीक कोप० सोसायटी लि०, जोगीपेट, मेंडक जिला—502270 एं० पी०	ऐपी/14259	1-12-92 से 30-11-95 1-12-95 से 30-11-98 1-12-98 से 30-11-2001	1/110/99
6.	र्मं० लोकेश मंगीनस लि०. वी-29, ई० ई० आई० स्टीज्-2, वालानगर, हैदराबाद-500037	ऐपी/ 19525	1-3-95 से 28-2-98 1-3-98 से 28-2-2001	1/111/99

1	2	3	4	5
7.	मै० हाइंटेच प्रिन्टर्स सिसटमस लि०, प्रनाट न० ७, इन्डास्ट्रयल स्टेट, पंडा, अजतापल्ली-521286 (ऐ०पी०)	ऐपीं/19414	1-1-97 1-12-99	1/112/99
8.	मै० हदराजाद इत्जातिकारण इत्हल्लाज टाडनासेष, हैदराबाद (ऐ०पी०)	ऐपी/1953	1-6-90 स 31-5-93 1-6-93 से 31-5-96	1/113/99

- 1. उनत स्थापना के सम्बन्ध में नियंजिक (जिसे इसके पश्चात् नियोजिक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भीविष् निधि आयुक्त को एसी विवरिणयां भंजेंगा और लेखा-जोखा रखंगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाए पदान करोगा जो केन्द्रीय भीविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करों।
- 2. नियोजक एसं निरक्षिण प्रभार। का प्रत्येक मास की समाष्ट्रि के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधिन समय-समय पर नियोश करें।
- 3. सामूर्गहक बीमा स्काम के प्रशासन मां जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सवाय, लेखाओं का जतरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययं का वहन नियोजक द्वारा किया जायंगा।
- 4. नियाजक, कंन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमीवित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उनमें संजीवन किया जाए, तय उस संबोधन की प्रीत तथा कर्मचारिकों को यह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य वार्ती का अनुबाद स्थापना के सुनना-पट्ट पर प्रदिश्त करेगा ।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक वीमा के सदस्य के रूप में उसका नामृतुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बादत आवर्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उकत स्कीम के अधीन कमंचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जार्त हैं तो नियंजक सामूहिक शीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से शृद्धि किए जाने की व्यवस्था करगा, जिलमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहित हैं बीमा स्कीम के अधीन लाग उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकाल हैं जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजीय हैं।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में किसी बाल के हुने हुए भी अधि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस रक्षीम के अभीन संदोय राजि

सं कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियाबक कर्मचारी के विधिक वारिसो/नाम निद्रिश्तों को प्रतिकर के रूप में दोनों राकियों के बराबर राधि का संदाय करेगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संक्षेधन गविधत क्षेत्रीय भविष्य निधि आधुक्त के पूर्व अनुभोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संबोधन से कर्मचारियों के हिंद पर प्रीतक्रूल प्रभाव पड़ने की सभावना हो वहा क्षेत्रीय भविष्य किथ आयुक्त अपना अनुमादन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना एष्टिकोण सक्ट करने का युवितयुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारो भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना जुकी हैं अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी रुधि स कम हो जाए तो स्कीम रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीक के भीतर जो बीमा निगम नियत करो प्रीमियम का संदाय करने में अस्फल रह जाता है और पालिसी की अपगत होने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियांजक द्वारा प्रीमियम को संवाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की वहा में उन मृत संवस्थों के नीम निविधितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दो गई हो हो उक्त स्कीम हा अन्तर्गत होते जीमा लाभों के सदाय का उत्तर राणिक नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजिक इस स्कीम के वित का वाल किसी सदस्य को मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निद्धिकार्ता/विधिक बारिसों को गीमाकृत राश्चि का संदाय सत्यारता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से वीमाकृत राश्चि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करोगा ।

के. एल. तर्नणा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 14 जनवरी 2000

गं. 2/1959/डी.एल.आई. /एवजम/89/भाग-2/5401 - जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोधना में ने किसी इससे इससे पठकान उपसा आपना कहा गया है। कर्मचारी भिगाय निधि और पठकान उपसा आपना कहा गया है। कर्मचारी भिगाय निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छाट के निस्तार के लिए आदिक किया है। (जमें इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम धटा गया है)।

न्कि केन्द्रीय भीवष्य निधि आयुक्त इस बात से संतष्ट है कि अकत स्थापना के कर्मनारी कोई अलग अंशदान या प्रीमिथम की अवायगी किए विना जीवन बीमा के रूप में भाग्तीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक कीमा स्कोम का लाभ उठा रहें हैं जैकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकाल हैं (जिसे इसके परचा। स्कीम कहा गया हैं)।

अतः, उकतं अधिनियमं की धारा 17 की उपधारा 2(क) मुवारा अवसं कि विकास का प्रयोग करने हुए तथा श्रम मंत्रानयः, भारत सरकार कि वीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिमूचना
अ निशा निधि से प्रतीक स्थापना के नाम के नाम दिश्यों गयी है, के अनुगरण में तथा मंत्रीय अन्ति निधि ने रहते हैं।
के अनुगरण में तथा मंत्रीय अनुस्ची-2 के निधिरित क्सी के रहते हैं।
के मंत्रीय अविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपविधी के मंत्रीन में प्रतीक उसस स्थापना की आगे 3 वर्षी की उसिध के निमा का प्रयोग कर दी हैं। जैमा कि मंत्रिय अनस्ची-1 में अनके नाम के मामने दर्शाया हैं।

अन्सृची⊢1

					والمسور المديد الديد مرسا فيريا ويروا ليريا والوارسية ديير ادر	
क • मं∘ ·	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्ना की गई	की तिभि	छ्ट विस्तार की तिथि की	के०भ०नि०आ० [े] कीफाईल सं०
1.	मैं० मैंकिन्स एको प्राडक्टस प्रा० लि०, 6→3⊶866/ए, श्रेगमपेट, ग्रीनसेन्डस, हैदराबाद-500016 (ऐ०पी०)।	ऐपी / 12964	2/1959/डीएलआई/ एक्जम/89/रीटी~II दि० 127-91	29-2-92	1-3-92 28-2-95 1-3-95 28-2-98 1-3-98 28-2-2001	2/3673/91/ डीए लआई
2.	मैं ० इलप्रो इंटरनेजनल लि ०, स्विचित्रयर मैनुफेक्चिरिंग सैंटर (पह्ला नाम स्विच गियर लि ०) प्लाट नं ० 89 तथा 90, आई ० डी ० ए० गांधी नगर, पो ० बालानगर, हैदराबाद – 37.	ऐपी 1826	24-8-95	31-12-96	1-1-97 से 31-12-99	2 3374
3.	मैं० इंडियन एक्सप्रेस (मक्षुराई) प्रा० लि०, 39-21-40, माध्वाधारा, विशाखापटनम530007 आ० प्र०।	ऐपी / 5 4 5 6 - ए	22-12-92	9-3-95	10-3-95 से 9-3-98 10-3-98 से 9-3-2001	2/1314/88
4	मैं > क्रांति रोड ट्रांमपोर्ट (प्रा०), लि०, मुख्य कार्यालय, 100 कीट रोड, जवाहर आटो नगर, विजयवाडा~520007	ऐंबी ∤1 6 5 8 5	18-10-92	28-2-95	1-3-95 में 28-2-98 1-3-98 से 28-2-2001	2/3204/90
5.	मैं ० ऐक्सन उन्डन्ट्रोज नि ०, एच∽6की, पहली मंजिल, मिनवी काम्पलैक्स, 94. एस० डी० मार्ग, सिकन्दराबाद∽500003.	ऐवी 5 8 2 7	25-10-96	31-7-97	1-8-97 में 31-7-2000	2/4213/92

- उक्त स्थापना के सबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निर्ध आयुक्त को ऐसी विवर्णायां भेजेगा और ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एमें निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समास्ति के 15 सिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार, उबत अधिनियम की धारा 17 की उपभारा (2-क) के इण्ड के अधीन स्मान्य पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, दिवरिणयों का प्रमत्त किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है होने वाले सभी व्यथें का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।
- 4. नियंजक, केन्द्रीय मरकार द्वारा अन्मोदित माम्द्रिक धीमा स्कीम के नियमों की एक पति और जब कभी उनमें मंश्रीधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रीत तथा कर्मचारियों की वहा-संस्था को भाषा में उसकी मह्य होगी का अन्वाय स्थापना के सचना-पटट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधि-नियम के अधीन छाट प्राप्ति किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में निरोजित किया जाला है तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदरा के हा में अजना नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी यावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामहिक रूप से दिद्ध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनकार हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनकार हों।
- 7. सामिहिक बीमा स्कीम में किसी वास के हाने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेख राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेख हो तो जब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो विशेषक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में तथी राशिशों के बराइर राशि का संदोध करेगा।
- 8. मामिहक बीमा स्कीम के उपवंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आय्क्त के पूर्व अनुमोदन के बिना तमीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के

- हित पर प्रतिक्रूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्टकांण स्पष्ट करने का स्वित्यक्त अयसर दोगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी शारतीय कीवन तीमा दिगम की उस माम्हिक बीमा स्कीम के जिसकी स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्वीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए ती रखद की जा सकती हैं।
- 10) यदि किसी कारणवश उस नियत तारीक के भीतर जीवन धीमा निगम नियत करे, श्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी के व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मत सदानें के ताम निवंशिक्तों या विधिय वारिसों को यदि यह छूट दो गर्ज हो तो उक्त स्कीम के अंदर्गत होते, बीमा लाभो के संदाय का उत्तरदायिस्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापना के संबंध से नियोजक इस रकीय के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू हीने पर उसके हकदार नाम निविद्यालिंगि। विधिक वारियों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से अरेर प्रतीक दशा में, भारतीय जीवन बीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करोगा।

के. <mark>एल. तन</mark>्जा क्षेत्रीय प**ि**यम निश्वि आगयस

स. 2/1959/डी. एक. डाइ./एङ्जम/89/भाग-2/5410—जहां अनुसूची-1' में उत्तिलिसत नियोद्धताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उद्धत स्थापा कहा गया है) कर्मचारी, भिवष्य निष्धि और प्रकीण उपवन्थ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधार 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आहेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात अधिनियम कहा गया है)।

च्ंकि केन्द्रीय भिष्ण निधि आगक्त इस बात से संतृष्ट हों कि एक्त स्थापना के कर्मनारी होड़ी अलग अंशदार था शिक्ष्य को अदावनी किए विना जीवन वीमा के रूप को भारतीय जीवन वीमा के रूप को भारतीय जीवन वीमा किएम की सामहिक बीमा स्कीम का लाभ उता रहे हो में कि एमे कर्मचारियों के लिए व्यर्भचारी निक्षेप सहद्वस दीमा न्कीय. 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभें से अधिक अन्कार है (जिसे इसके पश्चान स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धार को उपभार १ (क) दवारा प्रवत्त शिक्त्यों का प्रथम करते हुए तथा थम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त की अधि-मचना मं तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दशिये गयी है के अन्तरण में तथा संवयन अनुस्की-२ के निधिरित शर्मी के रहते हुए केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त ने प्रकृत स्कीम के सभी उपवंभी के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना के आर्थ 3 वर्ष की अविध के लिए छाट प्रवान कर दी है जैसा कि अंक्ष्म करमची। में उनके नाम के सामने दशिया है।

			अ नुसूची —1			
क्रम मं०	स्थापना का नाम और पना	कोड नं ०	मरकारी अधिसूचना व मं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्त की गई	तिथि	ि छट विस्तार की तिथि	के०भ०नि०आ० की फाइल संब
1	2	3	4	5	6	7
	पिनवाल एण्ड कम्पनी ० नं० 2, कोचीन∽6820		057 2/1959/डी॰ एल आई/एक्जम/89/पो -11 दि 1-9-91		1-1-92 मे 31-12-94 1-1-95 मे 31-12-97 1-1-98 मे	2/3777/91/ হী एল आई
पं० बैंक	व्वनन्तपुरम जिलाको० जिल्, पो० बा० नं० तिरुवनन्तपुरम-23	के आर/1896	26-12-97	30-6-94	1-7-94 中 30-6-97 1-7-97 中 30-6-2000	8/11/96
पोरेशन	रला एग्रो मशीनरी कार- लि०, पो० ओ० अथानी ग अरुणाकुलमकेरल∽ 683	केआर/केके 3375 586	1-9-91	31-11-90	1-12-90 中 30-11-93 1-12-93 中 30-11-96 1-12-96 中 30-11-99	2/3738/91
की० अ 4227	ख्यन काफी बोर्ड वक्से 19 सोसायटी लि०, नं० , मुख्य कार्यालय, एम० जी 1० बा० नं० 184, जिल् 0001			30-9-90	1~10~90 計 31~3~93	2/3720/90

- 1. उक्त स्थान्न के मंत्रंथ में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयृहत का एरेनी दिवरणियां भेजेंगा और लंखा रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाएं प्रदान करेंगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क्र) के खण्ड के आधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके उन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण पभारी का संदाय आदि भी हैं. होने वाले सभी व्ययों हा वच्य निर्देशक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियंजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मंदित सामहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीत और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रीत तथा कर्मचीरियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य वातों का अनुवाद स्थापना के मुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भिवष्य निधि या उक्ते अधिनियम के अधीन छूट प्राप्ति किसी स्थापना की भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उस्की स्थापना में नियंतिक किया जाता है तो नियंजिक सामृहिक बीगा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरन्त दर्ज करोगा और उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन धीमर निगम को संदत्त करोगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ वढ़ाथं जाते हैं तो नियोजक सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों की उपलब्ध लाभी में सामृहिक रूप सं वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों ने लिए सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों से अधिक अनुकृत हो जी उक्त स्कीम के अधीन अनुजीय हैं।
- 7. स्पाहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी रिंद किसी कर्मचारी की मत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो नियोजक कर्मचारी को विधिक धारिश/नाम निद्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करगा।
- 8 सामहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संबोधन मंबंधित क्षेत्रीय भविष्य निध्न आयक्त के पर्व अनमादेन के जिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संबोधन में कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त अपना अन्मोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना डिप्ट-कोण मण्ड करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन शीमा निगम को उस सामृहिक दीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना मुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राजि ये कम हो जाग ते रदर की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणंदश उस नियत तारील के भीतर जी बीमा निगम निगत कर प्रीमिगम का गंदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवसन होने दिया जाता है तो छ्ट रदद की जा सकती है ।
- 11. नियोजक दवारा प्रीमियम के संदाय में िकए गा व्यक्तिक्रम की दशा में उन मत सदस्यों के त्राम निर्देशितों या निधिक वारिसों को यदि यह छट दी गई होती तो उपता

स्कीम के अंसर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदाियत्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निदंक्तितां/विधिक वारियों को बीमाकृत राशि का संबाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिस्वित करोगा।

के. **एल. तन्**जा क्षेत्रीय भविष्य नि**धि आस्क**त

मं. 2/1959/ डी. एल. आई /एकजम/89/भाग-1/5418—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छट के विस्तार के लिए आंदिन किया है। जिसे इसमें इसके परचात् उक्त वीगा निगम की उस सामृहिक वीमा स्कीम के जिमे स्थापना अिशीनयम कहा गया है।

संकि केन्द्रीय भविष्य निधि आगुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उलग अंग्रदान सा ग्रीमियम की अटाएगी कि चिना जीवन दीमा के रूप में भारतीय जीवन दीमा किएमें कर्मचारियों के जिए कर्मचारी निर्णंप सहवद्ध दीमा क्वीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनकाल हैं (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत:, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ रिसंत्रक अनस्ती में उल्लिखित शक्षों के अनमार केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारींख से प्रभावी जिस विधि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त, तिमलनाड़ ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के गंचालन की छाट प्रदान कर दी गई है:—

ऋ० सं०	म्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छ्ट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ फा० नं०
1	2	3	4	5
1	मै० न्योसाइड (इंडिया)प्रा० लि०, 144, शिवाराम विलेज पैंच्णगुडी; चेन्नई–600096	टीएन/10510	1-2-97	1 4/ 67 3 / 9 9 / ভী টল না গ্ৰ

1	2	3	4	5	6
2.	मैं दि किलपोक बैनिफिक्स सिक्योरिटी लि ०, नं ० ६१, न्यू आवादी मार्ग, किलपोका, चेन्नई-600010 तथा शाखाएं	टीएन/11744	1-9-97 से 31-8-2000	6/674/99	
3.	मै० लेदर क्राप्टस (इंडिया) प्रा० लि०, किलकालावाई, चेन्नई–600117	टीएन/16582	1-9-92 社 31-8-95 1-9-95 社 31-8-98 1-9-98 社 31-8-2001	14/675/99	
4.	मै० ब्रिलियन्ट ऋाटिगंस (प्रा०) लि०, 3/11-ए, सेंचाचाल्ला, जर्मनी स्ट्रीट, चेन्नई–600019 तथा शाखाएं	टीए न /23464	1-5-98 से 30-4-2001	14/677/99	
5.	मै० शिवांन्ति आदितानार, कालेज आफफिजिकल एजुकेशन तिरूनेलवली मार्ग, तिरूचैन्दुर–628215	टीएन/24344ए	1-3-97 礼 2 9-2- 2000	14/678/99	
6.	मै० धरानी शुगर्स एण्ड कैमिकल्स लि०, काराईपोण्डी विलेज चेतपाटूट मार्ग, पोलुर–606803	टीएन/वीएल/24810ई	1-3-99 से 28-2-2002	14/679/00	
7.	मैं० नागप्पा मोटर्स, नं० 13, बलफोर मार्ग, किलपोक, चेन्नई 600010	टीएन/26220	1-4-99 से 31-3-2002	14/680/99	
8,	मै० फलोरा फूटवियर प्रा० लि०, किलाचूर विलेज, पाल्लीकोण्डा बैल्लूर–632802	टीएन/वीएल/26546	1-8-97 से 31-7-2000	14/681/99	
9.	मै० यूनिको शू एसेसरीस प्रा० लि०, गांव, कालीचूर, पाल्लीकोण्डा–535809	टीएन/वीएल/26818	1−8−97 से 31−7−2000	14/682/99	
10.	मै० श्रीराम कार्वन्स नं० 47ए, पिल्यार कोयल स्ट्रीट, जफरकानपेट, चेन्नई∽600095	टीएन/30125	1-11-94 社 31-10-97 1-11-97 社 31-10-2000	14/683/99	
11.	मै० सियेरा ट्रेडिंग लि०, 96/2, अन्ना सलाई, नगलकेनी, चेरोमपेट, चेन्नई∽600044	टीएन/30433	1−10−66 से 30 ∽9 −99	14/684/99	
12.	मं ० ओरियन्ट एक्सप्रेसस, नं ० 26बी, जवाहरलाल नेहरू सलाई थिरूविका इन्डस्ट्रीयल इस्टेट इक्काडुथान्गुल, चेन्नई-600097	टीएन/30928	1-2-99 से 31-1-2002		
13.	मैं॰ मैंट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (चेन्नई डिविजन-II) लि॰, नं॰ 4, अन्देशन स्ट्रीट अएनावरम, चेन्नई-60002 तथा शाखाए		19-1-94 से 18-1-97 19-1-97 से 18-1-2000	14/686/99	
14.	मै० श्रीमुनि पच्चाइयाषान टैक्सटाइल्स प्रा० लि०, इपेडू विलेज, सोनिगुर-631102	टीएन/31552	1-3-95 से 28-2-98	14/687/99	

1	2	3 مىلىلىدا دارى دارى دارى دارى دارى دارى دارى د	4	5
5.	मै० लाइट एको प्रोडक्टस लि०, गाव पुलीवालम, पानावारम पोस्ट–632505 सौलिगुर	टीएन/35959	1-10-96 में 30-9-99	14 688 99
16.	मै० एबीआई स्विच (इंडिया) लि०, पृलिवालम, वानावारम–632505	टीएन 31573	1-10-96 से 30-9-99	14/689/99
7.	मै० ब्लक स्टोन माकिट फैक्टस इंडिया प्रा० लि०, डी-109, एल वी आर काम्पलैक्स, पहली मंजिल पहला मैन मार्ग, अन्ना नगर, चेन्नई- 600102 तथा णाखाएं	टीएन∤40583	1-11-98 से 31-10-2001	14/692/99
18	मै० तमिलनाडु इन्डस्ट्रियल डिवलपमेंट कार्पोरेशन लि०, नं० 19ए, रुकमनि लक्ष्मीपती मार्ग, (मार्शनस मार्ग) इगमीर, चेन्नई-600008	टीएन 16853	1-1-79 से 31-12-1981 1-1-1982 से	14/693/99
			31-12-84	
			1 -1 -85 सं	
			31-12-87	
			1-1-88 से	
			31-12-90	
			1−1∽91 में	
			31-12-93 1-1-94 से	
			31-12-96	
			1 -1 -97 से	
			31-12-99	
9.	म० अवोन ल्लयोड चिलिज आँषा सोरे लि०, नं० 96, पैन्थोन मार्ग, डगमोर, चेन्नई-600008	टीएन/30483	1-10-93 से 30-9-96 1-10-96 में	14/694/99
	·		3 0-9- 99	
20.	मै०टी० आई० साइक्लस ऑफ इण्डिया, अम्बाट्र,	टीएन/307	1-1-89 स	14/695/99
٠ ل ي	चन्नई-600053	• •	31-12-91	-1 -0 01 0 0
			1-1-92 से	
			31-12-94	
			1-1-95 से	
			31-12-97	
			1-1-98 से	
			31-12-2000	
21.	मै० प्रिमियम ग्रेनिटिस लि०,	टीएन/26777	1-3-93 से	14/697/99
	पंबटरी 73/77 सिपकोट इन्डस्ट्रियल इस्टेट, फेस -2		29-2-96	, , . .
	रानीपेट, चेन्नई		1-3-96 से	
			28-2-99	
			1-3-99 社	
			28-2-2002	

- 1. उक्त स्थापना के नवंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया हैं) संबंधित अंशीय अधिक विधि आयक्त, को एसी विवरणिया शंजीय और एसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण को लिए एसी स्विशाए प्रदान करेगा जो कोन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर सिविष्ट करें।
- 2. नियंत्रिक गुर्भ भिरोक्षय ग्रासारी का प्राचैक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करांगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की जगधारा (2-क) के लण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दोश करों।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिनके अन्तर्गत नेशाओं का रसा जाना, विवरिणयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले मभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।
- 4. नियांजक. कोन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमा की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मृस्य बातों का अनुबाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एमा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तूरला दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन भीगा नियम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उन्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ निष्यं जाते हैं तो निर्याणक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मबारियों को उपलब्ध लाभों में सामहिक रूप से बृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों को उक्त स्कीम के अधीन अनजीय हैं।
- 7. साम्हिक बीमा स्कीक में किसी नात के होते हुए भी विदि किसी कर्मचारी को मृत्य पर इस स्कीम के अधीन संदोय राशि से कम है का कमेचारी को उस दशा में संदोय होती जब बह उद्धा स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक तारिसी/नाम निक्रिक्तों को प्रतिकार के रूप में दोनी राशियों के बन्तर के बरावर साथ करोगा।
- 8. सामुहिक बीना नकिंध की उपनंधी मी कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भे विषय निश्चि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा जीन जहां िकिंग संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकास प्रभाव एकने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय क्षिक निश्चि कार्यका करेंचे हैं की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय क्षिक निश्चि कार्यका करके सम्मान का युक्तियुक्त कवसर देगा ।

- 9. यदि किसी कारणवश रथापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीस के भीतर बोमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में बसफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गर्थ किसी ब्हिन्कम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशियों वा विभिन्न वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा नामी के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उकत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इत स्कीन के बधीन बाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निद्गितां/विधिक वारिसों को बीमाकृत राधि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राधि प्राप्त हाने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. एल. तनेजा अत्रीय भविष्य निधि आ**ग्व**स

नर्झ दिल्ली-110066, दिनांक 14 जनवरी 2000

सं० सम्मेलन 5/15/95—तामिलताड्/5440—कर्मचारी भविष्य तिश्चि योजना, 1952 के पैराग्राफ 5 के साथ पठित पैराग्राफ 4 के उप-पैराग्राफ (1) के अनुसरण में अध्यक्ष, केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि एक नियोक्ता प्रतिनिधि श्री एम० एस० रगेण के स्थान पर श्री पी० णक्तिवेल को क्षेत्रीय समिति तामिलनाडु (नियोक्ता प्रतिनिधि) के सदस्य के स्थ में नामित करते हैं और भारत के राजपत्न के भाग III खण्ड 4 में दिनांक 30-8-1997 में प्रकाणित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, नई दिल्ली की अधिसूचना सं० सम्मेलन 5/(15) 95/टी० एन०/1293 दिनांक 2-7-1997 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

उक्त अधिसूचना में क्रम में 7 के समक्ष दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखिन प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात् ---

''श्री पी० शक्तिवेल, महाप्रबन्धक (कार्मिक), मैसर्स ई० आई० डी० पेरी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा दक्षिण भारतीय चीनी मिल्स एसोसियेशन, करमुद्द् मेन्टर (द्वित्तीय नल), 498 अन्नासलई, चेन्नई-600035।"

अजय सिंह, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 15 अनवरी 2000

सं. 2/1959/डी. एल. /आई. /एक्जम/89/भाग-4/5456
— जहां अनुसूची-। में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिक्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) को अन्तर्गत इंद्र के विस्तार के लिए आदेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक दीमा स्कीम का नाभ उठा रहें हैं जो कि एंसे

कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमे इसके पश्चाल स्कीम कहा गया है)।

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिव्यां का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयहत की अधि-स्वाम सं. तथा तिथि जा प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूत्ती-2 के निधंरित शर्ता के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपवंधों के मंचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आएं 3 वर्ष की अविध के लिए छुट प्रदान कर दी हैं जैसा कि मंलग्न अनुस्वी-। में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची -1

ऋम स	ं० स्थापनाकानाम और पता	कोड नं ०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके ढ़ारा छ्ट प्रदान/विस्तार की गई	की तिथि	छूट विस्तार की की तिथि	के० भ० नि० आ० की फाइल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	म० ज्योति लि०, इण्डस्ट्रीयल एरिया, बड़ोदरा—390003	जीजे 74	2/1959/डी० एल० आई/एक्जम/दिनांक 1−1 ∽9 0	31-12-90	1-1-91 中 31-12-93 1-1-94 中 31-12-96 1-1-97 中 31-12-99	2/2035/88/ ভী০ एল০ সাई০
2.	मे० सीमा टैक्सटाईल्स ए०ड इ ०डस्ट्रीज लि० , रखिल रोड अहमदाबाद	जीजे 288	18-1-94	30-6-96	1-7-96 मे 30-6-99	2 2774 90
3.	मैं विराला वी एक्स एल एल किं किं सीराष्ट्र केमिकल्स, विरला सामर, पोरवन्दर-360576	जीजे/1367	26-10-97	20-1-96	21-1-96 म 20-1-99	2/17/79
4.	मै॰ टोरैन्ट केबल्स लि॰, चागक्या 7 मंजिल, टोरेन्ट हाउस के पाम, आश्रम रोड, अहमदाबाद— 380009	जीजे 4367	14-11-97	31-1-98	1-2-98 से 31-1-2001	2 4789 92
-	मै० दि सब्रकान्था डिस्ट्रिक्ट सेन्ट्रल को० आप० बैंक लि०, हिस्कत नगर, गुजरात	জীज [†] /4665	29-8-97	4-2-98	5-2-98 社 4-2-2001	2/1327/85

1	2	ce artandardamani kirlindari amai	e and and are first and such time time time gand such time 4	-thortonbords-spinish-spinish-ade-spi 5	i misidambuta sangbutbutah kerkeraman G	T
	मैं० कैडमैंच मशीनरी कम्पनी प्रा० लि०, 3604, 3605, जी० आई० डी० सी० इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, फेस -4 वटवा, अहमदावाद।	जीजें/6087	18-194	29-2-96	1 -3 -96 से 28-299 1-3 -99 से 28 -2-2002	2/710/82
7.	मै॰ अमीन मशीनरी, मी1/12, बिठ्ठल उद्यीग नगर, वल्लभ विद्या- नगर, गुजरात ।		18-1-94	29-2-96	1 -3-96 中 28-2-99 1-3-99 中 28-2-2002	2/4823 /9 3
	मै० के० बो० मैहता एण्ड कम्पनी इन हाउस, भदरा, अहमदाबाद ।	जीजे/11784	27-1-94	28-2-95	1-3-95 मे 28-2-98	2/3327/90
9.	म० नीला भारत इंजीनियरिंग ज लि, फर्टीलाइजर नगर गेट के सामने, पी० ओ० फर्टीलाइजर, नगर, बड़ौदा-390005	िजे∤11879	26-10-97	31 -3-98	1-4-98 मे 31-3-2001	2/13/95
10.	मैं० सुलेमानी को० आप० बैंक लि०, मोगलवाड़ा, बड़ोदरां⊷17	जीजे/11952	5-9-92	31-12-94	1-1-95 से 31-12-97 1-1-98 स 31-12-2000	2/4115/92
11.	मै॰ प्रशान्त इंजीनियरिंग कं॰ 4/1 -ए, जी॰ आई॰ डी॰ सी॰ एस्टेट, फेस -1, वटवा अहमदाबाद-382445	जीजें/12257	17-1-74	3011-95	1-12-95 से 30-11-98	2/4104/92
12.	मैं । गुजरात प्रिपेक लि ।, दसवीं ज मंजिल नेपचन, टावर, अल्कापुरी बड़ौदा - 5	गिजें/16077	27-1-99	31-12-98	1-1-99 से	2/402 7/ 92
13.	मै० वलकम ग्रुप, बड़ोदरा, आर० सी० दत्त रोड, बड़ौदा -39000		10-1-94	31-5-96	31-12-2001 1-6-96 से 315-99	2/5332/93
14.	मै० प्रशान्त स्टील बाल्स क० लि०, सरदार इण्डस्ट्रीयल एस्टेट रोड, नं० 4, अजवा रोड, बडौदा- 390019।	जीजे /2 00 1 7 -	26-10-97	28-2-98	13 -98 म 28 -2 -2001	2/2/95
15.	मैं ० युनिफैंबस इंजीनियर्स 107, जी० आई० डी० मी०, मकरपुरा, बडौदा -10	जीजे /17389	23-8-91	313-94	1-4-94 मे 31-3-97 1-4-97 मे 31-3-2000	2/3710/91

- 1. उक्त स्थापना के सम्दन्ध में नियंजक (जिसं इसके पश्चात नियंजक कहा गया हैं) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की एसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसा लेखा-जिसा रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुविधाएं प्रदान करेंगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजिक एमें निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की ममास्ति के 15 दिन के भी र संदाय करोगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निद्या करों।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विकरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरक्षिण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक दवारा किया जायेगा।
- 4. नियंजक, केन्द्रीय सरकार दवारा अनमीदित सामितिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जट कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुं-संख्या की भाषा में उसकी मख्य बार्त का अनुवाद स्थापना के स्चनापन्ट पर प्रदर्शित करोगा।
- 5. यित कोई ऐसा कर्मचारी जी भिवष्य निधि या उक्त अधिनयम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भिवष्य निधि का पहले हो हो सदम्य है. उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है हो गियोजिक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम त्रक्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा निगम को संदत्त करोगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ हताए जाते हैं तो नियोजक सामिहक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामिहक रूप से विदिध किए जाने की व्यवस्था करेगा. जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामिहक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर्ल हों जो उकत स्कीम के अधीन अनजीय हैं।
- 7. सामिहिल बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए किमी पिट किमी कर्मचारी की मत्य पर इक्किम के अधीन संदर्भ राशिक में कम है जि कर्मचारी को उम दशा में संदर्भ होती जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/ गाम क्यिंशिकों को पिटकार के रूप में दोनी राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- श. साम्रहिक वीमा स्कीम के नएडएशों मों कोई भी मंद्राधिन संबंधित क्षेत्रीय भिट्टिय निधि आयक्त के एवं अमारिक के विमा नहीं किया जायेगा और जहां किसी संसोधन से कर्मचिरियों के दिन एर प्रिकल प्रभाव एडने की स्थापना हो नहां क्षेत्रीय भिव्य निधि जायक्त अपना अमस्देन दोने के पूर्व कर्णचारियों को अपना डिप्टिन केण स्पष्ट करने हा यिकत्ययत अवस्य देगा ।
- यदि किसी कारणवक स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस गाम्हिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले

- अपना चुकी हैं अभीन नहीं गए जार है या इस स्कीमें के अभीन कर्मचारियों को प्राप्त होने राजी किसी नहीं में कम हो जामें हो स्टीम रदद की जा गुजानी हो ।
- 10 रिंद किसी कारणवंश उस नियत तारीख के भीतर जो बीमा निगम नियत करों प्रीक्षियम का संवाय करने में असफल रह जाता है और पाण्यिमी का अपण्य होने विया जाता है तो छ्ट रदद की जा सकती हैं।
- 11. नियाजक द्वारा प्रीमियस के गंदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन भृत सदस्यों के नाम निविधितों था विधिक वारियों को यदि यह हाए ती नहीं शेली जो उच्त स्कीम के अंतर्गत होती, बीमा नाभी के पंताय का उत्तरदायित्व निर्णायक पर होगा।
- 12. सकत स्थापना के सम्प्रन्थ में निर्मालक इस स्कीम के अधीर आने वाले किमी सदस्य की मन्य होने एर उसके हकदार नाम निविधिक्तं/विधिक विरिक्षं को वीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दला में भारतीय जीवन बीमा निर्मा में प्राप्त होने के एक गाह के भीतर मनिश्चित करेगा।

के. एतः तनं**जाः** क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-4/एब्जम/89/5475
— जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने
(जिसे इसमें इसके प्रचात् उकत म्यापना कहा गया है) क्रमीचारी
भीवष्य निधि और प्रकीण उपवंध अधिनयम, 1952 (1952
का 19) की धारा 17 की उपधार 2 (क) के अन्तर्गत छट के
विस्तार के लिए आवंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात्
उत्रत अधिनियम कहा गया है)।

चृंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त इस बात से संतष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई को अलग अंशदान या प्रीमियम की अवागगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा दिगम की सामदिक दीमा स्कीम का लाभ उस रहाँ हो जो कि एमें अर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेष सहयत्त्व बीगा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाशी से अधिक अर्मचार को । (जिसे इसमें इसके पञ्चाद स्कीम कहा गया है) ।

अतः उद्दार अधिनियम की भागा 17 के जागाण ? (क) ददारा गदम किलामों का प्रयोग नामते गए हथा वर के गाम मंत्रका अनमकी में उत्तिविक्षण कार्ती के अगमान केन्द्रीय भीकाण निष्धि आयदत ने प्रतीक को सामने उत्तिकिक निष्योग गिया ने गणाकी जिस निष्धि में उद्दान स्थापना को क्षेत्रीय भीक्ष्य निष्धि अगका चंद्रीयत/अमतसर ने स्त्रीम की धारा ११ (७) के अंतर्यक नीत गणाक की है, 3 वर्ष की अवस्ति के निष्णा गणाकों जाता है हो, 3 वर्ष की अवस्ति के निष्णा गणाकों जाता है हो, 3 वर्ष मुझे हो।

अनुसूक्षी;—1				
क्रम सं० स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छ्टकी प्रभावी के०भ नि० आ०फा० नं० तिथि		
 मैं० एस० जी० जी० एस० कालेज आफ फार्मेसी, सेक्टर~26, चण्डीगढ़ 	पी० एन 14718	18-97. 12/54/98 डी० एल० आई० से		
2. मैं० अग्रवाल एण्ड ब्रदर्स, कश्मीर रोड, अमृतसर	पी० एन 17423	31 -7 -2000. 1-3-97 12/25/99 से		
		29-2-2000		

अन्सूची- II

- 1 उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक (जिस इसमें इसके पश्चात वियोजक कहा गया हैं) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरिषणां भेजेगा अ,र एसा लेखा-जोबा रक्षेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी स्विधाएं प्रदान करेका जी कोन्द्रीय भविष्य निरीक्ष आयुक्त समय-समय पर निर्मिक्ट करें।
- 2. नियंजिक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रस्थेक मास की तमारित की 15 दिन की भीतर संदाब करेगा जा कैन्द्रीय तरकार उकत अधिनयम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के सण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक कीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवर्णियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का मंदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी न्ययों का बहुन निर्माणक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियंजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित सामहिक तीमा कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें मंद्रोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहा-पंच्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भीबच्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना को भीबच्य निधि का
 पहले ही सदस्य हैं. उसको स्थापना में निगोजित किया जाता
 है तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका
 नाम तरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम
 भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के क्यीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के क्यीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए चाने की ब्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक हीमा स्कीम के क्यीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक क्रमकृत हों जो उक्त स्कीम के क्यीन अमृज्ञीय हैं।

- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होतं हुए भी यदि किमी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जी कर्मचारी को उस दशा में संदेय ही जब वह उच्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निद्िशतों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवंधीं में कोई भी संशीधन निर्मात क्षेत्रीय भिवष्य निर्मेध आयुक्त के पूर्व अन्मादन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी मंशोधन में कर्मचारियों के हिता पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हों, वहां क्षेत्रीय प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हों, वहां क्षेत्रीय प्रतिकृत प्रभाव अपना अनमोदन होने के वर्ष कर्मचारियों को आता द्विष्टकीण स्पष्ट करने का पृविदायुक्त आसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवंद्य स्थापना के कमेचारी भारतीय जीवन बौमा निगम की उस सामिहक बौमा स्कीम के जिसे स्थापता पहले ही अपना चकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारील के भीता जो जीवन बीमा निगम नियत करो प्रीमियम का संदाय करने में अस्फल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छट रवद की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधितों या विधिक बारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाओं के संदाय का उन्रदाियत्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीश के अधीन बाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवाधित धारिसों को बीमाकृत राशि का संवाय हस्परता से और अन्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा नियम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिध्यत करेगा।

के. एलः जैन क्षेत्रीय अधिक निधि वायुक्त मं 2/1959/डी. एल आई /भाग-1/89/5481—जहीं अनुसूची-1 में उल्लिखित नियांकताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है ।)

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस वात में सत्त्र है कि उद्यत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीनियम की अद्योधिन किए दिना जीवन दीमा के रूप में भारतीय जीवन दीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहदद्द वीमा स्कीम.

1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकार है। (जिसे इसमें इसके रश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयां का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्ती के अनुसार केन्द्रीय भितष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना की प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भितष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) की अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छट प्रदान कर दी गई है।

	अनुसूची-1					
क्रम सं	े स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० ५७० नं०		
1	2	3	4	5		
	ि आयंगर पहला नाम इक्य्पमैन्ट कोण्डामाडुगु, ोबी नगर, जिला नालगोडां – 508126, आ० प्र०	ए०पी० 182	30-11-91 1-12-91 30-11-94 1-12-94 30-11-97			
2. मं	ै० ओडिन रिटिडर्स प्रा० लि०;	ए० पी०∤	1-12-97 है 30-11-2000 1-3-96 से			
5	55-6-10, प्लाट नं० 226/227, पांचवां मार्ग, आटो नगर, विययवाडा, आ० प्र०	23137	28-2-99 1-3-99 ₹ 28-2-2002	डी० एल० आई०		
	ैं० जय टैक्सटाइल प्रा० लि०, मेकाला वारी स्ट्रीट, पाचवांा राईट, जन्डोचेट्टी मार्ग, विजयवाड़ा−520001	ए० पी०/30091	1 -3 -99 से 2 8-2 -2	1/115/99 3002		
' रे	र्म ०डी० ई० सा० इण्डिया प्रा० लि०, तीसरी मंजिल गपुल्ला डी बिल्डिंग, 6–3∽879 तथा 879 बी बेगमपेट, हैदराबाद 00026 ।	ए पी/32184	1-11-97 से 31-10-2000	1/116/99		
5. ¥	ैं० स्टेट बैंक आफ इण्डिया स्टाफ कोप क्रेडिट सोसायटी, एस बी०आई० बिल्डिंग बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद∽500095	० ए० पी० 379	,	1/117/99		
	ै० टाटा कोमुनिकेशन्स 5-9-621, खामलेट आफ खाम न्टेट, पत्ह मैदान मार्ग, हैदराबाद-500001	ए० पी०/3237		1/118/99		
f	ै० नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन (एपीके० के० एण्ड एम०) ले०, 159, गनफाऊडरी मार्ग, स्टेट बैंक के सामने, हैदराबाद- 00001			1/119/99		
J			1-9-92 से 31-8-95 1-9-95 से			
			31-8-96 1-9-98 31-8-2001	से		

बन्स्यी-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियंजिक (जिसे इसमें इसके पश्यात् नियंजिक कहा गया है) संबंधित अंत्रीय अविध्य निधि अंत्रीय तो एसी विवरणियां अंजेगा और एसा संखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सृविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय अविध्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विद्य करें।
 - 2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दोश करें।
 - 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में , जिसके जंधर्गत लेखाजों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाजों का अन्तरण, जिरीक्षण प्रजारी का संदाय, जादि भी है, क्षेत्रे बाचे सभी न्यवर्गे का बहुन नियोचक द्वारा किया जाएना ।
 - 4. नियंजक, केन्द्रीय सरकार व्यारा अनुमंदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मधारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मृख्य बालों को अमृबाद स्थापना के नृजना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
 - 5 यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निष्य या उकत जिन्न निवम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निष्यि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बावत बावश्यक प्रीविषय भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करोगा :
 - 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध बाभ बढ़ाए जाते हैं तो निर्माणक बाम्हिक बीमा स्कीम के बभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपवंभ लाभों से अधिक कर्म करून हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुत्रेष हैं।
 - 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बाल के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्स स्कीम के अधीन होता तो नियंजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निद्धितों को प्रतिकर के रूप में दोनां राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करोगा।
 - 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमदिन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इंटिक्नेण स्पष्ट कुरने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।

- 9 यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना गहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता था इस स्कीम के अधीन कर्मचारियां को प्राप्त होने वाली किसी राश्चि से कम हो जाए तो रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन वीमा निगम नियत कर प्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए भए व्यतिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्मितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभी के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के बधीन बाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाब तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करेगा।

के एक तनंजा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई. भाग-1/एकजम/89/5492 —अनुसूची-1 में उल्लिखित नियाकताओं नं (जिस इसमें इसके एक्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भिषण्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्लेष सहबद्द्रभ बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकर्य लाभों से विषक अनुकृत हैं (जिस इसके पश्चात् स्कीम कहा ग्या हैं) :

अतः उनत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साम संकान अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने भत्यक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उनत स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, चैन्नई, मदुराई, कथ्यक्तूर ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढील भ्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उम्नत स्कीम के संचालन ही छूट भ्रदान कर दी गई है।

		अनुसूची-1		•
क ्सं ०	स्थापना का नाम और पंता	कीड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०`भे० नि० आ० फा० नं०
1.	मैं वर्घालक्ष्मी मिल्स लि॰, राजाकाम्बीराम जिला, शिवगरों तथा-623609 तथा शाखाएं	टीएन/4187	1-10-91 से 30-9-94 1-10-94 से 30-9-97	14/668/99/डीएलआई
2.	मैं रामालक्ष्मी मिल्स 439, काटन मिल्स मार्ग, पिलामेंडु कोयम्बट्र-641004	टीएन 6348	1-8-88 से 31-7-91 1-8-91 से 31-7-94 1-8-94 से 31-7-97 1-8-97 से 31-7-2000	14/669/99
3.	मैं उटी विश्व के व्यवस्ताइत्स लिव, 6, काथेडूल मार्ग, चेन्तई600086 तथा शाखाएं	टीएन /6839 ए	1-8-89 से 31-7-92 1-8-92 से 31-7-95 1-8-95 से 31-7-98 से 31-7-2001	14/646/99
4.	नैं∘िमहत्रा इन्जोितिरिंग इक्यूनमेंट प्रा० लि०, नं० 33 दसवा एवेन्यू, अशोक नगर, चेन्नई-600083	टीएत/31700	1-9-98 से 31-8-2001	.14 671 99

वन्सूची-2

- 1 जनत स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेंगा और ऐसा लंबा-अंबा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविध्य करें।
- 2: नियंजिक एसे निरंतिक्षण प्रभारी का प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदेशिय करोग जो केन्द्रीय सरकार, टक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बण्ड के अधीन समय-समय पर निवस्त करें।
- 3. सामृहित बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके बंदगीय लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, जिरीक्षण प्रभारी का संदाय अदि भी हो, होने वाले सभी व्यवों का बहुन नियाजक द्वारा किया जाएंगा।

.

- 4. नियोक्क, केन्द्रीय सरकार व्यास वनुमोदित साँमृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशा-धन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्चना पट्ट पर प्रवर्षित करेगा ।
- 5 यदि कोई कर्मनारी जो भीवण्य निर्धि या उक्त विधिनयम के बधीन छुट प्रास्त किसी स्थापना की भीवण्य निर्धि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में निर्याणित किया जाता है तो निर्याणक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम हुएला वर्ज कुरोना और उसकी बाबत बानश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करना।
- 6. यदि उनित स्काम के अधीन वर्मचारियां को उपलब्ध साभ व्हार्य जात है तो नियंजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाभों में गामृहिक रूप से तृद्धि किए जाने की व्यवस्था करना, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन ताभ उपबन्ध साभों से अधिक अनुकृत हों जो उन्त स्कीम के अधीन कर्मन हों।

- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारों की मृत्यु पर इस स्कीम के वधीन संबेध राशि से कम हैं जो कर्मचारी को उस दशा में मंद्रेथ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियाजक कर्मचारी के विधिक वारिसी/नाम निवैधितों को प्रतिकार के रूप में दोनी राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8 साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धें में कोई भी संशोधन सर्वाधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो जहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना टीष्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देणा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो रदद की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवश नियंजिक उस नियत हारीस के भीतर जा बीमा निगम नियत करो प्रीमियम का संदाय करने भी असफल एहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है ता छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों को नाम निद्धिकों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उकत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होना।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध म³ नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निव^{**}शितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय

तत्परता सं और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा दिगम सं बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिहिचन करेगा।

> के. एल. सनेजा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-2/5500—जहां अनुसूची-1 में जिल्लिखित नियाकताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् जकत स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध विधिनयम, 1952 (1952 का 19) की भारा 17 की जपभारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् अकत अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि बायूक्त इस बात से सन्ष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मकारी कोई अलग बंशदान या प्रीमियम की बबायमी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें है जो कि एसे कर्मकारी के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के बन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकाल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अशः उनत अभिनियम की धारा के उपधारा 2 (क) द्वास प्रवन्त शिक्तवाँ का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, शास्त तरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि वायुक्त की अधिमूचना मं लथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के मामने दर्जाण गरी हैं के अनुसरण में तथा संबन्ध अनुसूची-2 के निधारित कर्ती के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त में उक्त स्कीम के सभी उधवंधें के संचासन से प्रत्येक उद्यक्त स्थापना को वागे 3 वर्ष की व्यथि के लिए छूट प्रदान कर दी हैं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शीया हैं।

	अनुसूची 1		
क्रम सं० स्थापना का नाम और पता कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की छूट समाप्ति की सं० व दिनांक जिसके तिथि द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई		के॰ भ० नि० आ की फाइल सं०
 मै० रपटेक्सब्रेटटस कं० लि०, एम० एच०/1067 डा० एक्षी बसन्त मार्ग, बोरली, मुम्बई-3 	2/1959/डी० एल० 11-2-95 आई./एक्जम/89/दिनांक 11-7-97	12-2-95 中 11-2-98 12-2-98 中 11-2-2001	2/833/82/ डी॰ एल॰ आई॰
2. मैं० दी अकोला जिला सन्द्रल को एम० एन्व०/6934 आप० बैंक लि०,पो० बा० नं० 8 सिविल लाईन, अकोला-444001 तथा शाखाएं	7-4-93 6-2-92	7-2-92 〒 6-2-95 7-2-95 〒 6-2-98 7-2-28 〒 8-2-2001	2/41 9 /80

अनुसुची-

- 1. उक्स स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2 नियंजिक एसे निरक्षिण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जी केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभारा (2—क) के वण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों को प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरक्षिण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन निर्माजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. निक्षेचक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदिक सामृह्यिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति अरे जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहा संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जं भिवष्य निधि या उक्त अधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना मं नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा ।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपनब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपवब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपवंध लाभों से अधिक अनुकृष हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।
- 7. बाम्मूहिक बीमा स्कीम में किसी करत के होते हुए भी यिद किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अभीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दवा में तंदेय होती अब वह उक्त स्कीम के अभीन होता तो नियोष्ट्रक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम नियोधितों को प्रतिकार के स्व में दोनों राशिकों के क्सवर राशि का संकाष करना।
- 8. सामूहिक बीबा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संबोधन संबंधित क्षेत्रीय भीषया निधि बाबुक्त के पूर्व बनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और बहां किसी संबोधन में कमीपाल्यों के हिल पर प्रतिकृत प्रमान पढ़ने की सम्भावना हो वहां संतीय मिवन्य विधि जायुक्त अपना कनुमोदन दोने के पूर्व कर्णवाहियों को समना सीध-नक्षेत्र स्मन्ट करके का यूधितकृष्यत अकसर दोगा ।

- 9. यदि किसी कारणवश्च स्थापना के कर्मचारो भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए से रब्द की जा सकती है ।
- 10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारोश के भीतर जी बीवन बीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को न्यगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की आ सकती है।
- 11 नियंजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवंधित्तों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने वाल वीमा नाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंत्रजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्िंचितां/विधिक बारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राक्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करेगा।

के. एल. तनेजा क्षेत्रीय भविष्य निधि वायुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आइ./एक्जम/89/भाग-2/5506 जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा ग्या है।

चृक्ति केन्द्रीय भविष्य निश्चि बायुक्त इस बात से संतृष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई बलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 को बन्दर्य स्वीकार्य लाभों से बीधक बनुकृत हैं (चिर्ष सुवर्ष स्कीम कहा गया है), 1

बतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपभारा 2(क) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए सथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/किन्द्रीय सरकार भिवच्य निधि आयुक्त की अधिसृषना सं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी हैं के अनुसरण में तथा संजग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भिवच्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपवंधों के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अधीध के लिए इट प्रदान कर दी है जैसा कि संधन्त कन्नुन्त्री-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

			अनुसूची—1			
ऋम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	ळूट समाप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तथि	के० भ० नि० आ० की फाइल सं०
1	2	3	4	5	6	7
	~~~~~~~~~~~~ े आगरा इंजीनियरिंग इण्ड- ट्रीज पी० ओ० अरतोनी आगरा– 7		2/1959/डी० एल आई एक्जम/दिनांक ∶22–11–8		22-11-86 就 21-11-89 22-11-89 就 21-11-92 22-11-92 就 21-11-95 22-11-95	डी० एलं०आई
क 2	मै० अल्मोरा मेगन्साईट लि०, मुख गर्यालय मेडला पी० ओ० बिलोरी 63630 जिला अल्मोरा (यू० ो०)		4-12-97	30-4-97	1-5-97 से 30-4-2000	15/20/96

## अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविषय निधि काय्क्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा कथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृविधाएं प्रदान करेगा जे केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निधिष्ट करें।
- 2. नियंजिक एसं निरीक्षण प्रभारी का प्रस्थित मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेंगा।
- 4 नियोजक, कोन्द्रीय सरकार दारा अनुमीदित सामृहिक बीमा स्कीम को नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियां की वहां संख्या की भाषा में उसकी मख्य बारों का अनुवाद स्थापक्य के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करोगा।

- 5. यि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के बधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोंजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों जो उक्त स्कीम के अधीन बनुद्रोय हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यिद किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संदेय राणि से कम है जो कर्मचारी को उस दक्षा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिसों/नाम निदंखितों को प्रतिकर के रूप में बंनों राषियों के बराबर राणि का मंदाय करगा।

- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संविधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमादन के दिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमदिन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिष्टकांण स्पष्ट करने का यक्तियक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवच स्थापना के कर्मचारी आरदीय वीयन वीमा निगम की उन सामृहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणबन्ध उस नियत तारींस के भीतर जी बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यगत होने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. निरोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किए प्र व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वेशितों या विधिक वारिसीं को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्स स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उसरदायिक नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने नाली किसी सदस्य की मृत्य होने पर उसके हकदार नाम निविधित निर्मिश्व का मेदाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निर्मा भें बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. एल. तनेजा अंत्रीय भविष्य निधि आय्वत मं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/एक्जम/89/5512 जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं न (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भीवष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चुंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायनी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की साम्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जंकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहबद्ध दीमा स्कीम, 1976 के अंसर्गत स्वीकार्य लाभी से अधिक अनुकर् हैं जिसे इसमें इसके एक्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

जतः उन्नतं अधिनियमं की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्त्यों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संनग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्ती के अनुसार केन्द्रीय भीवष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक को सामने उल्लिखित पिछली नारीख सं प्रधानी जिस तिथि सं उक्त स्थापना को क्षंत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त सूरस/बंडाँदा ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रवान की छट प्रदान कर दी गई है।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोडनं० इ	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि० आ० <b>फा०नं</b> ~
بسر مدر محر استراسه محر هد	and the first control and and and the brailest and and brailest brailest brailest from the translated from the brail bra	3	4	5
	्डण्डस्ट्रीयल आक्सीजन कम्पनी लि॰, विलेज जुनी जिथा- त, पोस्ट एण्ड तल, कर्जन डिस्ट॰ बड़ौदा—391240	जी जे/10017-सी	1-2-96 社	4/153/99/डी एल आई
	पंचमहल डाईस्टफ इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं० 736, जी० आई० • सी० स्टेट अंकलेश्वर∽393002, जिला भ रुच	जीजें/सूरत 18636	31-1 -99 1-10-98 से	4/154/99
••	<del></del>		30-9-2001	

# अनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पहचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी दिवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भ्रिक्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्देष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार

उयह अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बंद के स्थीन समय-समय पर निर्देश करें।

3 मामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिण थें को प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीभियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यथं का बहन नियंवक द्वारा किया जायेगा।

- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमीं की एक प्रति और पन कभी उसमें संशोधन किया जाए, तन उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मस्य वातीं का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करोगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निष्य वा उच्च अधिनियस के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निष्य का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजिक साम्हिक बीमा स्कीम के स्दस्य के रूप में अपना नाम नुरन्त दर्ज करेगा और उसकी जाता आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारिकें को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों से माशृहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा. जिसमों कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों के उक्ष्म स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हों के उक्षम स्कीम के अधीन उपनिक्ष हों के
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हाए भी यिद किसी कर्मचारी की मह्य पर इस स्कीम के अधीन संदोध राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में मंदोध हो तो जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता के नियोजक कर्मचारी के विशिक्ष बारिसी/नाम निदीशितीं की प्रतिकार के रूप में दोनें राशियों के बराबर राशि का मंदाय करेगा।
- 8. सामहिक बीमा भकीम के उपनिधी में कोई भी मंत्रोधन संबंधित धोत्रीय भविष्य निधि आण्यत के पर्य अनमोदन के बिना नहीं किया जारोगा और जहां किसी संबोधन रो कर्मचारियों के हित पर प्रतिकास प्रधाद पड़ने की मंत्राहना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आण्यत अपना उनमोदन दोने के पर्य कर्मचारियों को अपना दिस्तकोण स्पष्ट करने का यकित्युवन अयगर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के वर्गचारी भारतीय तीवर हींगा निगम को उस साम्हिक वीमा रक्षीम के जिसे स्थापना पहले अपना चकी हैं। अधीन नहीं रह जाता हा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी रहीश में कम हो जाए। तो रदद की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणतय उस नियह तारील के मौतर जीवन दीमा निगम नियत करों, प्रीमियभ का संदाय करने में अस्फल रह जाता है और पालिसी को खपागत होने दिया जाता है कि सह छट रदद की जा सकती है।

- 11 नियाजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गर्ट व्यक्तिकम की दशा में उन मृस सदस्यों के नाम निदिश्कित वारितों को यदि यह छूट दी गई हो सी उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वीमा लाभों के संदाय का उस्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्क्रीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निदिष्टितों/विधिक वारिसों को वीमाकृत राक्ति का संदाद तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन दीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के मीतर सुनिध्यिक करोगा ।

की. एसः सनीजा कोत्रीय भविष्य सिक्षि आयक्त

मं 2/1959/डो एल जाई /एक्जम/89/भाग-2/5518 जहां अन्स्ची-1 में उल्लिखित निरोक्तओं ने (जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छट के लिए ब्रावेदन किया है जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है।

रांकि केन्द्रीय भविष्य निधि जायक्त इस बात से संसुष्ट हों कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंकताल या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन तीमा के रूप में भारतीय नीवन हीमा निगम की सामित्रक हीमा स्कीम का लाभ उठा रही है जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्ष्य सम्मद्ध्य वीमा स्कीम, 1976 के उन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकृत ही जिसे इसमें इसके एक्चान स्कीम कहा गया ही।

शतः तकत उधिनियम को धारा 17 की तण्धारा ? किं। दहारा प्रदान शिनतर्थों का गर्थण करते दाए मण श्राम मंद्राक्रण भारत सरकार/केन्द्रीय गरकार/केन्द्रीय भिवर्ण निष्य बागर्यक केंग्रें अधिमादना सं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थाणना के नाम के संसम्भ दर्शाणी गई हैं. के अनसरण में तथा मंत्रान अनमची-? के निर्धारिक शतीं के रवते हाए केन्द्रीय भिवरण निष्य ने तक्त स्क्रीय के ग्री तण्डंभी के संजालन में प्रतीक तक्त रथणाना को आगे द्वार्य की अविभ के लिए छट प्रदान कर दी दी जैमा कि मंत्राय श्रीमानी-१ में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

, ,,	,		जनसंची 1		•••	Anna de Communidado de Calabrida de Calabrid
<b>港</b> 耳。	तं० स्थापना का ताम और पना	कोड नं०	मरकारी अधिप्चना की मं० व दिनांक जिसके दारा छूट प्रदान/विस्ता की गई	की तिथि	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	के० भ० नि० आ की फाइल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैं०दी आ प्रदेश स्टेट फेडरेशन आफ की जो अंगुर फक्टरीज लि०		2/1959/डी एल आई एक्जम/89/पी टी/दि०	30-11-98	1-12-98 से	2/3370/90— डी एस आई
	5-9-194, विराग अली लेन		21-2-97		30-11-200	1

हैदराबाद-500001

1 2	2	3	4	5	6	7
2. मै० एंक वी० आरe ड	ांग इत	ए पी/18576	21-2-97	31-12-98	1-1-99	2/4246/92
ग्रेनाइट कं० चित्तीरकेलाप	भ्	·			से	•
विलेज नैगरी-चिसौर जिल	ग [े] आ० प्र	i o			31-12-200	1
3. मै॰ मार्गदर्शी चिटफण्ड वि	ल०,	ए पी/3527	3-3-87	16-3-90	17-3-90	2/1007/84/
मार्गदर्शी हाउस, अबाईड	सेन्टर,				से	
<b>हैदराबा</b> द		-			16-3-93	
•					17-3-93	डी एल आई
G 10					से	
meg.					16-3-96	i
· ·					17-3-96	
•					से	
					16-3-99	
1					17-3-99	
•					से	
		,			16-3-200	2

## अनसची-1

- 1. उन्त स्थापना के सम्बन्ध म² नियरेजक (जिसे इसके पश्चान् नियांजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भीवष्य निधि आयक्त की ऐसी विवरणियां भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त समय-समय पर निविध्ट कर² :
- 2. नियांजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाण्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जा केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के रूण्ड के आधीन समय-समय पर निद्रोंक करें।
- 3. सम्महिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीम्थिम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय जादि भी है, होने वाले सभी व्यथों का वहन निर्योजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियांजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामहिक दीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब लभी उसमें संशोधन किया जाये, सब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहा-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य वातों का अनवाद स्थापना के मुचना पट्ट पर प्रदक्षित करेगा ।
- 5. यदि कोई कर्मचारी जे भीवष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना को भीवष्य निधि का एहलें ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है ते नियोजिक सामहिक बीभे के सदस्य के रूप में अपना नाम तरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा ।
- 6 यदि उक्त स्कोम के अधीन कर्मचरियों के उपलब्ध लाभ सक्ताय जाने हैं तो नियोजक सामहिक दीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में सामहिक रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा. जिसमें कि कर्मचरियों के लिए सामहिक सीमा स्कीम के अधीन लाभ उरलब्ध लाभों में अधिक अनक ल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुमें हैं।

- 7. साम्हिक बीमा स्कीम में िकसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्य पर इस स्कीय के अधीन संदेय राशि में कम हैं जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय ही तो जब वह उसत स्कीम के आधीन होता लो नियं जक कर्मचारी को विधि वारिस/शम निर्देशिती की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करोगा।
- 8. साम्हिक बीमा रकीम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन रांबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमादन के बिना गहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के दित पर भितक्त प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भीवष्य निधि अध्यक्त अपना अनुमादन दोने के पूर्व कान्यिरियों को अपना डिप्टिन कोण मण्ड करने का युक्तियुक्त अवस्य दोगा।
- 9 थिद किसी कारणवश रथापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामृहिक वीमा स्क्रीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्क्रीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राजि से कम हो जाए को रदट की जा सकती है।
- 10. यद किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर बींमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तियम की संदाय में किए गए व्यक्तियम की निवास निविध्यानों रा विशिष्ट वारिसों को यादि यह छाट दी गुर्छ हो है। उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभां के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक एर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजिक इस स्कीम के अधीत अपने वाली किसी सदस्य की मण्य होने पर समके हक्दार नाम िटिंकिनो/विधिक वारिमी की बीमाकन राजि मंदार तत्यरता में और प्रत्यंक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से राजि अस्य होने के एक माह के भीवर सिर्ण्युत करेगा।

ने. एत. तनेता विशेष भीतम निष्य राणक

## 14, भीकाजी कामा प्लेस

सं. 2/1959/डी. एल. आई. /भाग-4/एकजम/89/5525 — जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोकताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहां गया हैं) कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के दिस्तार के लिए बादिन किया हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् उद्भत अधिनियम कहां च्या हैं)।

बूंकि केन्द्रीय भविष्य निष्धि आयुक्त इस बात से संत्ष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय बीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं वा कि एर्ड कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षंप सहस्रक्ष बीमा स्थीम 11976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकर्ल हैं (जिसे इसके पश्चाह स्कीम कहा गया हैं)।

कतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तरों का प्रयंभ करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारील से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त विक्सा न स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की हैं. 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त के संचालन की छूट प्रशान कर दी गई हैं।

अनुसूची-1

कम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा. सं०
1	6	3	4	5
	मैं ० होलटेक कनसलॉटंग प्रा० लि०, 45/49, युनिटि सेन्टर, नारायणा फेस−1, नई दिल्ली-28	डी एल/5385	1-12-89 से 30-11-92 1-12-92 से 30-11-95 1-12-95 से 30-11-98	3/110/99/डी एल० आई०
	ि दि० हिमालय ड्रॅंग कं० 20, नजकगढ़ रोड, दिल्सी−15	डी० एल०/7710	1-12-92 就 30-11-95 1-12-95 就 30-11-98	3/119/99
3. मैं	के व एण्ड क्षम्पनी, पथ्य घोष एनक्लेव,न ई दिल्ली-48	डी एल०/7815	1119-7 से 31102000	31/120/99
	, एम० सी० एस० लि०, श्री वेंकटेश भवन, 212-ए, क्षुपुरज्ञट नई दिस्ती~110049	डी एल/8041	1-7-88 前 30-6-91 1-7-91 前 30-6-94 1-7-94 前	3 121 99

<u>——</u> 约月:	· · · 2	3	4	5
, 17 <b>5</b> 7	भै बस्झैर होटल्स, लि अ, 11, सुरेन्द्र नगर, नई दिल्ली3	डीएल/8087	1 -1088 स	3/122/99
			1-10-91	
			1-10-91	
	;		स्रे	
		trije i s	30-9-94	
			1-10-94	
	٠,		से 20.00-	
4"	<ol> <li>मै० अरावली सक्युरिटीज एण्ड फाइनांस लि०, युको बैंक,</li> </ol>	डी एल/8370	30-9-97 1-1-90	3 123 /99
	ि विल्डिंग तीसरी मंजिल, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली⊷1	41 4419210	1 - 130 से	3  123   99
			31-12-92	•
			1-1-93	
	•		से	
			31-12-95	
			1-1-96	•
				• •
_			31-12-98	als a slaa
	मैं० स्कोपिओ इन्टरनेशनल बी-126, ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया फेज-1. नई दिल्ली-20	डी एल/10969	् 1 <b>∽4∽90</b> से	3/124/99
			31-3-93	
			1-4-93	<del>*</del>
			31-3-96 1-4-96	<del>à</del>
			31-3-99	4
6.	मैं । ए । के । मरवाह एण्ड एसोसियेट्स प्रा० लि ।, सी । - 30,	डी एल/11764	_	3/125/99
	अमेखना इच्ड० एरिया, फेस्-1, नई दिल्ली-20		₹	
		:	31-3-93	•
			1-4-93 स	<b>A</b>
			31 <b>~3~9</b> 6	
			1-4-96	
			से	
			31-3-99	
9.	मैं॰ कारोनोर कारोनोरेशन जाफ इण्डिया नातिषका व्याला के सामने, जीमी मेजिन, जमोना शेड, नई दिल्ली-110001	डी एल 14380	1~7~92 से	3/126/99
			30-6-95	
	;;		1-7-95	बे
			30,56,598	· ·
10.	मैं बी एच पी इं किनीहन इंग्डिया प्रा० लि ए प-30	2. डी एस्र/19200	1-2-98	3/127/99
• ••	ऋषि अवार्टमेंट्स, अन्नजनन्दरं, केंत्रिका जी, नई दिल्ली-18	, <b>4</b> , 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1,	<b>से</b>	0,227,00
	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		31-1-2001	
11.	मै॰ एस्को सेनीटेशस्स सीर्÷ई औं 1, वजीरपुर इण्डस्ट्रीयल एरि	या, डी एस/1646	1~12~96	3/115/99
-	दिस्सी 62		. से	-11 • •
			30-11-99	
-				

## वनुसूची-1

- 1. डक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्य निधि बायुक्त की एसी विधरिणयां भेजंगा और लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाए अदान करोगा जो केन्द्रीय भीवष्य निधि बायुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक ऐसे निर्दाक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करगा जा केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय-समय पर निद्देश करों।
- 3. सार्शहरू बीमा स्काम के अशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरिष्यों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम के संदाय लंखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायां।
- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमौदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संधोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संस्था-की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पहुट पर प्रविश्वत करेगा ।
- क अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि या उक्त अधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य हो, उसकी स्थापना मो नियोचित किया जाता हो तो नियोच जक सामृहिक वीमे के सदस्य के रूप मो उसका नाम तुरन्त वर्ष करेगा और उसकी बाबस आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निर्मा संदत्त करेगा ।
- 6 यदि उन्त स्क्रम के अधीन कर्मचारियों के उमल्ब्स ताम वदायं जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बोमा स्क्रीम के बधीन कर्म- पारियों के उपलब्ध लाओं में सामृहिक रूप से वृद्धि किए जाने को व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचाहियों के सिए सामृहिक विमा स्क्रीम के अधीन साम उमान्ध साभा में अधिक बनुकृत हों. क उपल स्क्रीम के अधीन अमृह्य हैं।
- 7 सामृहिक वीमा स्कीम में फिसी बात के होते हुए भी यदि किसी व्यक्तिर किसी मृत्यु भर इस स्कीम के व्यक्ति संबंध राशि से वज्र हुई को क्षित्र स्वाध स्वाध स्वाध के व्यक्ति के वाधीन होता वा नियानक कर्मचारी को विधि व्यक्ति नाम निविध की प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के वदावर राशि की प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के वदावर राशि की प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के वदावर राशि की प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के वदावर राशि की प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के वदावर राशि की प्रतिकार के रूप में बोनों राशियों के वदावर राशिय की प्रतिकार स्व
- 9 सिंह किसी कारणवा स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन विका निराम को जब नास्तिक वीका स्क्रीम के पिसे स्थापना पान क्रिक का कर्मचारी के पिसे स्थापना पान क्रिक का कर्मचारियों को प्राप्त होने वासी विका क्रिक के क्रिक क्रिक

والم المنافقة ع

- 10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीह के भीतर बीमा निगम नियत करों प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहसा हैं और पालिसी को व्यगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती हैं।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय मा किए गए व्यक्तिकम की दशा मा उन मृत सदस्यों की नाम निविधाता था विधिक वारिसों को यदि यह छुट दी गृहीं हो उक्त स्कीम के अन्तर्यत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उथत स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक इस स्कीम के अधीन जाने वाली किसी सदस्य की मृष्यु होने पर उसके हकदार नाम निवाजितो/विधिक वारिसी की बीमाकृत राशि मंदाय तत्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि तत्परता से बीमाकृत राशि विषय त्रापर होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

कं. एल. तनेजा क्षेत्रीय भविष्य निधि बायक्त

स. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जय/89/भाग-4/5540 —जहां अनुसूची-1 में उल्लिश्चित निश्तिताओं ने (शिष्ठें इसमें इसके पश्चाद् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भिक्छा निजि और प्रकीर्ण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 कि 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आबंदन फिला हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त किय-नियम कहा नया हैं)।

चंकि केन्द्रीय भिष्ण निधि वायुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उसत स्थापना के कर्मचारी काई वनग अंग्रदान या प्रीमियम की वदायनी किए विना जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा कि रूप में भारतीय जीवन वीमा किए में भारतीय जीवन वीमा किए में भारतीय की किए कर्मचारी निक्षंप सहन्त्र की किए कर्मचारी निक्षंप सहन्त्र की किए कर्मचारी निक्षंप सहन्त्र की किए स्थापना की मानक मानक की स्थापना की मानक मानक की स्थापना की स्थापना की मानक मानक की स्थापना की स्थापना की मानक मानक मानक की स्थापना स्थापना स्थापना की स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन स्था

वतः उद्धतं अधिनियमं की धारा 17 की उपकारा 2(वा)
दूसरा प्रवसं विन्तर्वो का प्रयोग करते हुए तथा वन नंबान्ता,
भावत अध्याद/केनीत सरकार भिष्य निष्य वावृष्य की
विभिन्नवा वं तथा विभि को प्रयोक स्वायना के नाम के सावने
वर्जाती गरी हो, के अनुसरण में तथा संस्था अनुमूची-2 के
निभित्ति सर्थों के रहते हुए केनिय अधिक्य विभि वायुक्त ने
उद्धा अभीन के सभी अभीनिय के संवायन से अपीक उनता स्वायना
को बाने 3 वर्ष की अभीनिय के सिंग कुट प्रवास कर वी है जैवर

	अनुसूची-1			
क्रम सं० स्थापना का नाम और पता कोडर	सं∘ सरकारी अधिसूचना की ा सं∘ व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई		•	के० भ०नि० आ की फाइल सं
<ol> <li>मैं० इण्डियन एल्यू मिनियम कम्पनी ओ आ ित्र, पो० आ० हिराकुड जिला सम्बलपुर, उडीसा</li> </ol>	ार/332 2/1959/डी एल आई एक्जम/89/दिनांक 29−1−96	31-3-96	1-4-96 से 31-3-99 1-4-99 से 31-3-2002	2 28 76  डी॰ए त॰ आ <b>ई</b> ॰

## अनुस्ची-1

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध म नियाजक (जिस इसके पश्चात् नियाजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भावष्य निधि आयुक्त को एसी दिवरणियां भंजेगा और रखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाए प्रदान करेगा जा केन्द्राय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निदिष्ट करों।
- 2. नियोजक एसं निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जा केंद्रीय सरकार उक्त अधि-नियम को धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय-समय पर निदास करों।
- 3. सामृहिक वीमा स्काम क प्रशासन मा जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवार एउंचों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरक्षिण प्रभारों का संदाय जादि भी है, हाने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियांजक, केन्द्रीय भरकार द्वारा अनुमांदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और एक कभी उसमें संशोधन किया जाये, हव उसे संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों को बहा-संस्था की भाषा में उसकी मृख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सुचना पट्ट पर प्रविशित करेगा।
- 5. यदि कोई कर्मचारी ज. भिवष्य निधि या उक्त अधिनयम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भिवष्य निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना मां नियोपित किया जाता हो तो नियोपित करा गां किया के सदस्य के स्थाप मां उसका नाम तूरन्त दर्ज करा गां उसका बाबत जावस्थक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम संदत्त करा गां।
- 6. यदि उक्त स्क्रंम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभ बढ़ाये जातं हैं तो नियोजक सामूहिक शीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभी में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कमेचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपान्ध लाभों से अधिक जनकर्ज हों जो उक्त स्कीम के अधीन जनकेय हैं।

- 8. सामृहिक जीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संविध्य भनिष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमीदन के दिवा नहीं किया जायंगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिल पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भनिष्य निधि आयुक्त अपना अनुमीदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिन्दकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय वीवन् वीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहने अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राश्चिस कम्मुही जाने किसी स्थापना स्थापन होने वाली किसी राश्चिस कम्मुही जाने किसी स्थापन होने वाली है।
- 10 यदि किसी कारणवश्च उस नियस हारीय के भीईर जिस बीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में वस्त्रक्ष रह जाता है और पालिसी का व्ययवत होने दिया जाता है तो क्रूब रख्द की जा सकती है।
- 11 निर्याणक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यक्तिकम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वेशिक्षों आ विधिक बारिसों को मिद यह छुट दी गई हो को स्काम स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का क्रकाबक्षिय प्रियोध बक्क पर होगा।
- 12 उन्ह स्थापना के संबंध में नियंत्रक दूस स्कीय के अधीन वाने बाने किसी सदस्य की मृत्यु होने पुर उपके हम्बाह्य नाम निर्देशियतों/विधिक वर्तियों को वीमाकृत राश्चि का संबंध तत्परता से और प्रत्येक दक्षा में भारतीय जीवन वीमा निगम से वीमाकृत राश्चि प्राप्त होने के एक मह के मौत्तर सुनिश्चित करेगा ।

कें. एक. वर्गना संबीय भविष्य विशेष वास्त्रव

सं 2/1959/डो एल नाइं/भान-4/एककम/89/5525
नहां अनुसूची-1 से उल्लिखित निर्योक्ताओं ने (विश्वे इसमें
इसके परवाल उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भीवक निर्धि और प्रकीण उपवंध अभिनियम, 1952 (1952 का 19) को धारा 17 की उपवारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के निर्धिक्ति है। जिसे इसमें इसके प्रवाद खेलत अधिकार के निर्धिकार है। णूंकि, केन्द्रीय भविष्य निधि बायुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उदत स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारी के जिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया हैं)

अतः उनत अधिनयम जी धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा दशके साथ संलग्न अनु-सूची में उन्लिखित यतों के उनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सागन उन्लिखित रिष्ठली तारीख से प्रभावी जिस विधि से उच्छत स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मंगलीर ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी गई है।

## अनसूची-1

क्रम	सं० स्थापनाकानाम और पता	को <b>ड</b> नं०	छ्ट की प्रभावी तिथि	कें <b>० ५० नि० आ<b>० फा० न</b></b>
I .	मै० दि कीमशियत कार्वीरेशन आफ इंडिया टाइल फैक्टरी मार्ग मनिपाल-576119	के एन/12810	1 -3-99 से 28-2-2002	6/ 6 4/ 9 9/डीएलझाई
2.	मै॰ मोटको एजेन्सी टाइल फैक्टरी मार्ग, मनिपाल -576119	के एन/12811	1-3-99 से 28-2-2002	6 66 99
3.	मैं प्यत इन्टरप्राइजेज टाइल फैक्टरी मार्गे, मित्रपाल-57611	.9 के एन   2015	6 1∽3~99 से 28~2~2002	6   65   99

# जनुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकत की ऐसी विवरिणयां भेजेगा और लेखा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयकत समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय-समय एर निर्देश करें।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिणयों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय, बादि भी है, होने वाल सभी व्ययों का वहन नियोजक दवारा किया जायेगा।
- 4:- नियांज्यः, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामहिल बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उस कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मवारियों को बहुँ-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचना एट्ट पर प्रदक्षित करेगा ।
- 5. दि कोई कर्मचारी जो भीवष्य निधि या जकत अधि-नियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना करे भीवष्य निर्मात का पहले ही संदर्भ हैं, उसकी स्थापना में निर्माणित किया चाता है तो नियोणक सामहिक बीमा स्कीम के सदस्य-के रूप में उपना नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आधश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदत्त करेगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ायें जाते हैं तो नियोजक साम्महिक वीमा स्कीद के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में साम्बिक रूप से बद्धि किए जाने की व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हीं जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकेय हैं।
- 7. सामृहिक भीमा स्क्रीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्क्रीस के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश है तो जब वह उक्ट स्क्रीम के आधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधि शारिश/गाम निद्धिशों की प्रित्यकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामहिक बीमा स्क्रीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन मंबीधा क्षेत्रीय भविष्य निमि जारूका के एवं अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और उन्में किसी गंशीधन के कर्मबारियों के बिन पर प्रतिकाल प्रभाव पत्रों को संशोधन हो बच्चे क्षेत्रीय भविष्य निधि उपबन्ध व्यक्त वपना अनुमोदन दोने के पर्व कर्मबारियों को अपना दिस्कोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर दोगा।
- 9 यदि किसी कारणतः स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम को लग स्प्याहिक वीसा स्कीम के जिसे स्थापना एडले अपना चकी है उसी- नहीं रह जाता या इस स्क्रीम के अधी। कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम ही उपम तो रहत की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवय उस नियम जारील के भौतर हीमा नियम नियत कर प्रीमिटर का संत्राट रायमें में असफल रहसा है और पालिसी को उस्मत होते विया जाता है सो छट रहद की जा सकती है।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के लिए किए कए व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निविधिकों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते शीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आने वाली किसी सदस्य की मृष्यू होने पर उसके हकदार नाम निद्विधातीं/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता हो और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के० एल० तनेजा क्षंत्रीय भविष्य निधि आयवत

# भारतीय यूनिट ट्रस्ट मुंबई

07 जनवरी, 2000

सं ० यूटी/डीबीडीएम/आर-225 एसपीडी-3/99-2200-भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 21 के अन्तर्गत निर्मित निम्नलिखित योजनाओं :

- (1) प्राइमरी इक्किटी फंड
- (2) ग्रैण्डमास्टर यूनिट योजना 1993
- (3) पूंजीवृद्धि यूनिट योजना 1992
- (4) मास्टर शेयर प्लस यूनिट योजना 1991
- (5) इक्विटी अपर्च्युनिटी फंड 1996
- (6) यूनिट वृद्धि योजना 2000
- (7) यूनिट वृद्धि योजना 5000
- (8) यूगिट योजना 1992

तथा भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 19(1) (8) (ग) के अन्तर्गत निर्मित निम्नलिखित प्लानों :

- (1) चिल्ड्रन्स कॉलेज एंड कैरियर फंड यूनिट प्लान 1993
- (2) यूनिट संबद्ध बचत प्लान 1971

जो उक्त अधिनियम की धारा 21 के अन्तर्गत निर्मित यूनिट योजना के संबंध में हैं, के प्रावधानों में किए गए संशोधन, जिन्हें 1 मई, 1999 को संपन्न कार्यकारी समिति की बठक में अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किए जाते हैं।

> ए० जी० जोशी, मुख्य महाप्रबन्धक, व्यवसाय विकास एवं विपणन

## अन्बंध

प्राइपरी इक्विटी फंड (पीईएफ) के प्रावधानों में संशोधन

(1) 'भुगतान विधि' शीर्षक युक्त खण्ड IX के उपखंड 2 के दूसरे पैरा के पहले वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

यदि भुगतान ड्राफ्ट द्वारा किया जाता है, तो स्वीकृति तिथि, ऐसे ड्राफ्टकी वसूली के अधीन, वह तिथि होगी जिस तिथि को ट्रस्ट के आखा कार्यालय अथवा प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र द्वारा आवेदन प्राप्त किया जाता है।

(2) 'मुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का निर्धारण' शीर्षक युत्त खण्ड XIII के तीसरे वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

एनएवी का प्रकाशन प्रतिदिन कम से कम दो दैनिक समाचार पत्नों में किया जाएगा ।

(3) 'बिकी एवं पुनर्धरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खण्ड के उप-खण्ड (1) के पहले पैरा के आखिरी बाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

विक्री मूल्य की घोषणा दैनिक आधार परकी जाएगी।

(4) 'बिकी एवं पुनर्खरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खंड XIX के उप खंड (1) के दूसरे परा के दूसरे वाक्य की निम्ना-नुसार संशोधित किया जाता है:

पुनर्खंरीद मूल्य की घोषणा दैनिक आधार पर की जाएगी।

## अनुबंध

ग्रैंडमास्टर यूनिट योजना-1993 (ग्रैंडमास्टर-93) के प्रावधानों में संशोधन

(1) 'खर्ची पर सीमा' शीर्षक युक्त खण्ड 5 के प्रथम वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

निम्नलिखित व्ययों को आवर्ती आधार पर योजना पर प्रभारित किया जाएगा, जो किसी भी लेखा वर्ष के दौरान औसत दैनिक सुद्ध आस्ति मूल्य के 3 % से अधिक नहीं होंगे।

(2) आवर्ती व्ययों का प्रतिशत देने याली सारणी के बाद पहले पैरा के 2रे और 3रे वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

तथापि, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1993 के अनुसार कुल व्यय किसी भी लेखा वर्ष के दौरान दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य के 3% की सीमा के भीतर होंगे। इसके अति-रिक्त, प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान, लेखा वर्ष के दौरान योजना के दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मल्य के 1.25% से अधिक नहीं होगा।

(3) 'यूनिटों की बिकी' शीर्षक युक्त खण्ड VI के उपखण्ड (इ) के तीसरे वाक्य को निम्नानुसार सशोधित किया जाता है: यदि भुगतान ड्रापट ढांरा किया जाता है, तो स्वीकृति तिथि, ऐमे ड्रापट की वसूली के अधीन, वह तिथि होगी जिस तिथि को ट्रस्ट के शाखा कार्यालय अथवा प्राधिकृत संग्रहण

केन्द्र द्वांरा आवेदन प्राप्त किया जाता है :

(4) 'दिनांक 01/08/1996 से योजना को सतत खुला कर दिया गया' गीर्षक युक्त खण्ड XIV की आखिरी पंक्ति को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है

बिक्री मूल्य दैनिक आधार पर निर्धारित तथा घोषित किए जाने वाले एनएवी पर होगा।

5. 'बिकी और पुनर्खरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खण्ड XIX के उप-खण्ड (1) को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

वह मूल्य जिस पर यूनिट ट्रस्ट ढारा युनिटें बेची जाएंगी (जिसे इसके बाद "बिकी मूल्य" कहा गया है) और वह मूल्य, जिस पर यूनिट ढारा यूनिटों की पुनर्खरीद की जाएंगी (जिसे इसके बाद "पुनर्खरीद मूल्य" कहा गया है) की घोषणा दैनिक आधार पर की जाएगी। एनएवी (पूर्ववर्ती) ही बिकी मूल्य होगा। पुनर्खरीद म्ल्य एनएवी (पूर्ववर्ती) के 50% के बट्टे पर होगा।

6. 'शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का परिकलन और प्रकटन' शीर्षक युक्त खण्ड XXIII के पहले पैरा के अंतिम वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

एनएवी (पूर्ववर्ती आधार पर) प्रेम को प्रकाशन हेतु प्रति-दिन जारी किया जाएगा ।

7. 'यूनिटों का कारोबार' शीर्षक युक्त खण्ड XXIV के उप-खण्ड के दूसरे वाक्य को निम्नानुसार मंशोधित किया जाता है:

ट्रस्ट निर्धारित शुद्ध आस्ति मूल्य की घोषणा प्रतिदिन करेगा और मूल्य की मूचना भाव उद्धृत करने के उद्देश्य मे सभी स्टाक एक्सचेंजों को दी जाएगी:

8. 'विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान(डी आरएफ)' शीर्षक युक्त खण्ड XXX को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

प्रत्येक वर्ष दैनिक औसतं शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का 0.10% ट्रस्ट के डीआरएफ में अंगदान के रूप में अलग रखा जाएगा।

9. 'कर्मचारी कल्याण निधि में अंशदान' शोर्षक शीयुक्त खण्डं XXXI को निम्नानुसार मंशोधित किया जाता है : प्रत्येक वर्ष दिनक औसत णुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) का 0.10% ट्रस्ट के कर्मचारी कल्याण निधि में अंगदान के रूप में अलग रखा जाएगा।

#### अन्दंध

पूजी वृद्धि यूनिट योजना 1992 (मास्टरगेन--92) के प्रावधानों में संशोधन

- (1) 'यूनिटों के लिए आवेदन' शीर्षक युक्त खण्ड 5 के उप-खण्ड (6) की मद (ख) के दूसरे वाक्य 'यदि भुगतान इापट द्वारा किया जाता है, तो स्वीकृति तिथि, ऐसे ड्रापट को जारी करने की तिथि होगी वशर्ते आवेदन, ट्रस्ट अथवा प्राधिकृत बैंक की नामित शाखा अथवा प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र द्वारा ड्रापट के जारी किए जाने की तिथि से 15 दिन के भीतर प्राप्त किया जाता हो।' को हटाया जाना है।
- (2) 'खर्चों पर सीमा' शीर्षक युक्त खण्ड 7क के पहले पैरा के पहले वाक्य की निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

निम्नलिखित व्ययो को आवर्ती आधार पर योजना पर प्रभारित किया जाएगा, जो किसी भी लेखा वर्ष के दौरान औसत दैनिक शृद्ध आम्ति मृल्य के 3% मे अधिक नहीं होंगे:

(3) आवर्ती व्ययो का प्रतिशत देने वाली सारणी के बाद आने वाले पहले परा के 2रे और 3रे वाक्य की निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

त्यापि, सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1993 के अनुसार, कुल व्यय किसी भी लेखा वर्ष के दौरान दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मूल्य के 3% की सीमा के भीतर होगा। इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान, लेखा वर्ष के दौरान योजना के दैनिक औसत शह आस्ति मृत्य के 1.25% में अधिक नहीं होगा।

4. 'शुद्ध आस्ति मृत्य (एनएवी) का परिकलन और प्रकटन' शीर्षक युक्त खण्ड १ के अंतिम वाक्य को निम्ना-न्मार मंशोधित किया जाता है:

एनएवी (पूर्ववर्ती आधारपर) प्रेमको प्रकाणन[े]तुप्रति-दिन जारी किया जाएगा ।

5. 'युनिटों का कारोबार' शीर्षक युक्त खण्ड 10 के उप-खण्ड (क) के दूसरे वाक्य की निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

ट्रस्ट शुद्ध आस्ति मूल्य की घोषणा प्रतिदिन करेगा और मूल्य सभी स्टाक एक्सचेंजों को भाव उद्धृत करने के उद्देश्य मे मृचित करेगा।

(6) 'बिकी और पुनर्खरीद मृत्य' शिर्षक युक्त खण्ड 15 के उप-खण्ड (1) को तिम्पानुमार संशोधित क्षिया जाता है:

वह मूल्य जिम पर यूनिट ट्रस्ट हारा यूनिटें वेची जाएंगी (जिसे इसके वाद "वित्री मृत्य" कहा गया है) और वह मूल्य, जिस पर यूनिट ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की पुनर्खरीद की जाएंगी (जिसे इसके वाद "पुनर्खरीद मृत्य" कहा गया है) का नोपणा दैनिक आधार पर की जाएंगी। एनएवी (पूर्ववर्ती) ही विकी मूल्य होगा। पुनर्खरीद मल्य एनएवी (पूर्ववर्ती) के 5% के बटटे पर होगा।

(7) 'विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में अंगदान' शीर्षक युक्त खण्ड 29क को निम्नानुसार मंशोधित किया जाता है:

प्रत्येक वर्ष दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मृत्य (एनएवी) का 0.10% ट्रस्ट के विकास प्रारक्षित निधि में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा।

(8) 'कर्मचारी कल्याण न्यास में अंगदान' शीर्षक युक्त खण्ड 29ख को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है

प्रत्येक वर्ष दैनिक औसन गृद्ध आस्ति मृत्य (एनएवी) का 0.10% ट्रस्ट के कर्मचारी कल्याण न्यास में अंगदान के रूप में अलग रखा जाएगा।

## अन्बंध

मास्टरभेयर प्लस यूनिट योजना-1991 (मास्टर प्लस-91) के प्रावधानों में संशोधन

(1) 'युनिटों की बिकी' शीर्षक युक्त खण्ड VI के उपखण्ड (2) (ii) के दूसरे बाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है ।

यदि भुगतान ड्राफ्ट के जरिए किया जाता है तो स्वीकृति तिथि, ऐसे ड्राफ्ट की वसूली की शर्न के अधीन, शाखा या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र द्वारा ऐसे आवेदन की प्राप्ति की तिथि होगी।

## परिणिष्ट

य्टीआई डिविबटी ऑगरच्य्निटी फड--96 (ईओएफ-96) के प्रावधानी में संशोधन

(1) 'व्यय की सीमा' शीर्षक युवत खड VII के अंतर्गत पहली तालिका के बाद द्मरे बाक्य की निम्नानुसार मशोधित किया जाता है

प्रारिभक निर्गम व्ययो के अतिरिक्त निम्नलिखित व्ययो को आवर्ती आधार पर योजना पर प्रभारित किया जाएगा, जो किसी भी लेखा वर्ष के दोरान औसत दौति । गृद्ध आस्ति मृत्य के 2.55 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। (2) 'व्यय की सीमा' शीर्षक युक्त खंड  $\mathbf{V}^{I}$  के अंतर्गत दूसरी तालिका के बाद पहले अनुच्छेद को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

उपरोक्त व्यय अनुमानित है और किए गए वास्तविक व्ययों के अनुरूप परिवर्तन के अधीन हैं। तथापि, सेवी (स्यूचुअल फंड) विनियम, 1993 के अनुसार कुल व्यय, प्रारम्भिक निर्मम व्ययों के लिए संग्रहीत निधि की 6 प्रतिशत सीमा के भीतर होंगे और आवर्ती व्यय किमी भी लेखा वर्ष के दौरान औसत दैनिक शुद्ध आस्ति मूल्य के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान, लेखा वर्ष के दौरान योजना के दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मृत्य के 1.25 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(3) 'यूनिटों की पुनर्खरीद' शीर्षक युक्त खंड XV के उप-खंड (1) के तीमरे अनुच्छेद की निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

पुनर्खरीद मूल्य पूर्ववर्ती एनएवी के 5 प्रतिशत से अनिधक बट्टे पर होगा । पुनर्खरीद मूल्य की घोषणा दैनिक आधार पर की जाएगी ।

(4) 'शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) की गणना और प्रकटी: करण' शीर्षक युक्त खंड XXI के पहले अनुच्छेद के अंतिम बाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

एनएवी (पूर्ववर्ती आधार पर) प्रेस को प्रकाशन हेतु प्रतिदिन जारी किया जाएगा। ट्रस्ट प्रेस विज्ञाप्ति के जरिए एक उपयुक्त सूचना जारी करके भावी एनएवी पर स्विचओवर करने का निर्णय भी ले सकता है।

(5) 'शुद्ध आस्ति मूल्य की गणना और प्रकटीकरण' शोर्षक युक्त खड XXा के दूसरे अनुच्छेद को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

पुनर्खरीद म्ल्य पूर्ववर्ती एनएवी के 5 प्रतिशत से अनिधक बट्टे पर होगा । पुनर्खरीद म्ल्य की घोषणा दैनिक आधार पर की जाएगी ।

(6) 'विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में अंशदान' णोर्षक युक्त खड XXX को निम्तातृसार संशोधित किया जाता है.

प्रत्येक वर्ष दैतिक औसत शुद्ध मुख्य का 0.10 प्रतिगतः टुस्ट के डीआरएफ में अंगदान के रूप में अलग रखा जाएगा।

(7) 'स्टाफ कल्याण न्यास में अणदान' णीर्पक युक्त खड XXXI को निम्नानुसार संजोधित किया जाता है

प्रत्येक वर्ष दैनिक औसत शुद्ध आस्ति मृत्य का 0.10 प्रतिशत कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशदान के रूप में अलग रखा जाएगा। अन्बंध

यूनिट वृद्धि योजना 2000 (यूजीएस-2000) के प्रावधानों में संशोधन

 'पेणकश एव पुनर्खरीद म्ल्य' शीर्षक युक्त खड IX के उपखण्ड (2) में निम्नानुमार संशोधन किया जाता है

वह मूल्य, जिम पर ट्रम्ट द्वारा यूनिटो की पुनर्खरीद की जाएगी, (जिसे इसके वाद 'पुनर्खरीद मूल्य' कहा गया है) का ट्रस्ट द्वारा दैनिक आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

- 2. 'पेशकश एवं पुनर्खरीद म् $\alpha$ ' शीर्षक युक्त खण्ड  $I_{\mathbf{X}}$  के उपखण्ड (6) को निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :
- (6) उपखण्ड (2) के किसी तथ्य के विपरीत न होते हुए, ट्रस्ट दैनिक आधार के अलवा अन्य आधार पर भी पुनर्खरीद मूल्य का निर्धारण कर सकता है और ऐसी अविध के लिए, जिसे वह उचित समझे, इसे लाग कर सकता है।
- 3. 'शुद्ध अस्ति मूल्य का प्रकाशन' शोर्षक युक्त खण्ड XXIII (क) के उनखण्ड (क) के पहले वाक्य में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:

योजना के णुढ़ अस्ति मूल्य की गणना मुंबई में दैनिक आधार पर उक्त मकल भूल्य में से उक्त योजना पर खर्च की गई देयताएं एवं अन्य व्यय समानुपातिक आधार पर, जो कि योजना की राय में निवेण की मान्य वसूली पर देय स्टांप शुल्क एवं अन्य व्यय की पूर्ति के लिए पर्याप्त है, घटाने के बाद परिकलिन किया जाएगा और इसे भारत के अग्रणी दैनिक ममाचार पत्नों में प्रकाशित किया जाएगा।

4. 'शुद्ध अस्ति मुल्य का प्रकाणन' शीर्पक युक्त खण्ड XXIII (क) के उपखण्ड (ख) मे निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:

अप्रत्याशित परिस्थितियों में, यदि किसी खास दिन या एक से अधिक दिनों के लिए मूल्याकन प्रकाशित नहीं किया जाता है, ट्रस्ट द्वारा उसके प्रावधानों का किसी प्रकार का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

## अनुबंध

य्निट बृद्धि योजना (यूजीएस-5000) के प्रावधानी में मंशोधन (1) 'पेणकश और पुनर्खरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खण्ड 1X के उप-खण्ड (2) को निम्नानुसार संगोधित किया जाता है :

ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीदे जाने वाले प्रत्येक युनिट के मूल्य (जिसे इसके आगे "पुनर्खरीट मूल्य" कहा जाएगा) का निर्धारण ट्रस्ट द्वारा दैनिक आधार पर किया जाएगा।

(2) 'पंशकण और पुनर्खरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खण्ड IX के उप-ज्वण्ड (6) की निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

उप-खण्ड (2) मे किसी प्रतिकूल बात के होने के बाबजूद, ट्रस्ट, जैमा वह उचित समझे, उतनी अविध हेतु दैनिक के अति-रिक्त किसी अन्य आधार पर पुनर्खरीद मूल्य का निर्धारण कर सकता है।

(3) 'शुद्ध, आस्ति मूल्य का प्रकाशन का में खण्ड XXIII (ए) के उप खण्ड (क) के पहले वाक्य को निम्नुसार संशोधित किया जाता है:

योजना के शुद्ध आस्ति प्लय का परिकलन मुंबई में प्रति-दिन किया जाएगा तथा यह उक्त समग्र म्लय से उक्त योजना हेतु होने वाली देयताओं और ममानुपातिक आधार पर अन्य व्ययों, जो योजना के अनुसार स्टाम्प शुल्क तथा निवेश की मानी गई वसूली पर देय अन्य व्ययों हेतु पर्याप्त हों, को घटाकर किया जाएगा तथा इसे भारत मे प्रमुख, दैनिक समाचार पत्नो मे प्रकाशित किया जाएगा।

(4) 'शुद्ध आस्ति मूथ्य का प्रकाशन' में खण्ड XXIII (ए) के उप खण्ड (ख) को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

अप्रत्याणित परिस्थितियों में, यदि मूल्यांकन बताए गए दिन को अथवा एक अथवा अधिक दिनों तक प्रकाणित नहीं किया जाता है, तो यह नहीं समझा जाएगा कि ट्रस्ट ने इसके किसी प्रावधान का उल्लंघन किया है।

#### अनुबध

यूनिट योजना-92 (युएस-92) के प्रावधानों में संशोधन

 'पेशकश एव पुनुर्खरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खण्ड IX के उपखण्ड (2) में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:

वह मूल्य, जिस पर ट्रस्ट द्वारा यूनि<mark>टो की पुनर्खरीद की</mark> जाएगी, (जिसे इसके बाद 'पुनर्खरीद मूल्य' कहा गया है) का ट्रस्ट द्वारा दैनिक आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

- 2 'पेशकश एवं पुनर्खरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खण्ड 9 उपखण्ड (6) को निम्नानुसार संशोधन किथा जाता है.
- (6) उपखण्ड (2) के किसी तथ्य के विपरीत न होते हुए, ट्रस्ट दैनिक आधार के अलावा अन्य आधार पर भी पुनर्खरीद मूल्य का निर्धारण कर सकता है और ऐसी अविध के लिए, जिसे वह उचित समझे, इसे लागू कर सकता है।

चित्र्ड्रन्स कालेज एण्ड कॅरियर फड यूनिट योजना-93 और चित्र्ड्रन्स कालेज एण्ड कैरियर फड यूनिट प्लान 1993 (सोमीएफ--93)

चित्र्रुन्स कालेज एण्ड कॅरियर फड यूनिट योजना--93 के <mark>प्रावधानो</mark> में संशोधन

(1) 'बिकी एवं पुनर्खरीद' शीर्षक युक्त खंड 3(क) के 3रे वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है .

छात्रवृत्ति के भुगतान के उद्देश्य से पुनर्खरीद शुद्ध आस्ति मृत्य पर होगी। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में अपरिषक्व पुनर्खरीद ट्रस्ट के विवेकानुसार एनएवी में से एनएवी के 5 प्रतिशत तक कटौती करके होगी।

(2) 'बोनम यनिटों का संचय' शीर्षक युक्त खंड 13 की निम्नानुसार मशोधित किया जाता है.

बोनस यूनिटो का आविधिक मंचय फड के मूल्य मे वृद्धि के माथ-माण आवेदन किए जाने की तिथि/बोनस यूनिटों के पिछले आवंटन की तिथि पर निर्भर होगा। अंतिम आहरण एनएवी पर होगा।

(3) आहरण' णीषंक युक्त खंड 14 के 2रे अनुच्छेद के 1ले बाक्य को निम्नानुसार संगोधित किया जाता है.

18 वर्ष की आयु पूरा करने के बाद और 23 वर्ष की आयु पूरा करने में पूर्व आहरण, नीचे दी गई तालिका में दर्णाई गई सीमाओं के अनुरूप सदस्य के 18 वें जन्म दिन से पूर्ववर्ती 30 जून को सदस्य के खाते में वकाया यूनिटों के शुद्ध आस्ति मून्य पर अनुमत होगा।

(4) 'अपरिषक्व|सूचीइतर आहरण' शीर्षक युक्तखंड 15 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है।

अपरिषक्व/सूचीइतर आहरण के मामले मे आंशिक आहरण को अनुमति नहीं होगी। सदस्य के 18 वर्ष की आयु का होने से पूर्व पूर्ण आहरण केवल विशेष परिस्थितियों में (उदाहरण के लिए बच्चे के गंभीर रूप से बीमार होने पर) केवल ट्रस्ट के विवेकानुसार एनएवी में से एनएवी के 5 प्रतिशत

तक कटौती करके अनुमत होगा। 18 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद पूर्ण आहरण की अनुमित होगी जो अनुमत उच्चतम सीमा और 18 वर्ष की आय पूरा होने के बाद आइंटित अतिरिक्त बोनस यूनिटों से अधिक आहरण पर एनएवी में से एनएबी के 5 प्रतिशत तक कटौती करके अनुमत होगा। उदाहरण के लिए, यदि 22 वर्ष की आयु पूरी होने से पूर्व उपरोक्त वर्णित विशेष परिस्थितियों के कारण किसी मदस्य की पूर्ण आहरण (अर्थात् उसके खाते में बकाया कुल सचित यूनिट) की अनुमित दी जाती है तो अतिरिक्त बोनम यूनिटों के 20 प्रतिशत को सदस्य के 18 वर्ष की आयु पूरा करने के बाद जारी किए गए अतिरिक्त यूनिटों में जोड़कर उसकी पुनर्खरीद एनएवी में से एनएवी के 5 प्रतिशत तक की कटौती करके की जाएगी (चूंकि तालिका अहरण करने का पात होगा)।

(5) 'पुतर्खरीद' शीर्षक युक्त खंड 15 क को निम्नानुमार मंशोधित किया जाता है.

योजना के छात्रवृत्ति विकल्प के अतर्गत विशेष परि-स्थितियों में ट्रस्ट के विवेक पर आहरण के अतिरिक्त किसी प्रकार के आहरण को अनुमति नहीं होगी । पुनर्खरीद, एनएवी में से एनएवी के 5 प्रतिशन की कटौती करके की जाएगी और सदस्य को राशि अदा की जाएगी ।

(6) 'उम बच्चे को मृत्यु जिसके पक्ष में यूनिट जारी किए गए' गीर्षक युक्त खंड (16) के उप खंड (ङ) को निम्ना-नुसार संशोधित किया जाता है।

वब्दे की मृथ्युहोते पर कियो व्यक्ति के यूनिटो का हक-दार बन जाने पर उसके द्वारा अपनी हकदारी का ऐसा प्रमाण प्रस्तुत किए जाने पर जिसे ट्रस्ट द्वारा पर्याप्त समझा जाए, दावे-दार द्वारा दावे के संबंध में सभी औपचारिकताएं पूरा किए जाने के बाद दिवंगत वच्चे के खाते मे बकाया यूनिटों की एनएवी के बराबर राणि अदा की जाएगी।

(7) 'उस बच्चे की मृत्यु जिसके पक्ष में यूनिट जारी किए गए हैं' शीर्षक युक्त खंड (16) के उपखंड (ज) की निम्नानुसार संशोधित किया जाता है.

सदस्य की मृत्यु होने पर किसी व्यक्ति के यूनिटों का हकदार वन जाने पर उसके द्वारा अपनी हकदारी का ऐसा प्रमाण प्रस्तृत किए जाने पर जिसे ट्रस्ट द्वारा पर्याप्त समझा जाए, दावेदार द्वारा दावे के संबंध मे सभी औपचारिकताएं पूरा किए जाने के बाद दिवंगत सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों की एनएबी के वराबर राणि अदा कर दी जाएगी। चित्र्ज्ञ्स कॉलेज एण्ड कैरियर फण्ड यूनिट प्लान--93 के प्रावधानों में संशोधन

(1) 'विकी एव पुनर्खरीद म्ल्य' शीर्पक युक्त खड 1(क) के 3रे बाक्य को निम्नान्सार संशोधित किया जाता है:

छातवृत्ति के भुगतान के उद्देश्य से पुनर्खरीद एनएवी पर होगी। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में ट्रस्ट के विवेक पर अपरिपक्ष्य पुनर्खरीद एनएवी में से एनएवी के 5 प्रतिशत की कटौती करके की जाएगी।

(2) 'बोतन प्तिटो का सयंत्र शीर्पक युक्त खण्ड 6 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है

बोनस यूनिटो का आवधिक सचय निधि के मूल्य में बृद्धि के साथ साथ आवेदन किए जाने की तिथि बोनस यूनिटों का पिछला आवंटन किए जाने की तिथि पर निर्भर होगा। अंतिम आहरण एनएवी पर होगा।

(3) 'आहरण' भोषेक युक्त खंड 7 के 2रे अनुच्छेद के 1 ले बाक्य को निम्तानुसार संशोधित किया जाता है :

18 वर्ष की आयु पूरा करने के बाद और 23 वर्ष की आयु पूरा करने से पूर्व आहरण, नीचे दी गई तालिका में दर्शाई गई सीमाओं के अनुरुप सदस्य के 18वे जन्म दिन से पूर्ववर्ती 30 जून को सदस्य के खाते में बकाया यूनिटों के गुद्ध आस्ति मृत्य पर अनुमृत होगा।

(4) 'पुनखंरीद' शीषंक युक्त खंड 7 क की निम्नानुसार संशोधित किया जीता है

योजना के छात्रवृति विकल्प के अंतर्गत विशेष परिस्थितियों में ट्रस्ट के विवेक पर आहरण के अतिरिक्त किसी प्रकार के आहरण की अनुमात नहीं होगी। पुनर्वरोद, एन-एवी में संएनएवी के 5 प्रतिगत को कटौती करके की जाएगी और सदस्य को रागि अदा की जाएगी।

(5) अपरिपक्त/सूचीइतर आहरण' शीर्षक युक्तखंड 8 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

अपरिपक्व/सूचीइतर आहरण के मामले में आंशिक आहरण की अनुमित नहीं दी जाएगी। सदस्य के 18 वर्ष की आयु का होने से पूर्व पूर्ण आहरण केवल विशेष परिस्थितियों में (उदाहरण के लिए बच्चे के गंभीर रूप से बीमार होने पर) केवल ट्रस्ट के विशेकानुसार एनएवी में से एनएवी के 5 प्रतिगत तक कड़ोनी करके अनुमत किया जाएगा 18 वर्ष की अनु पूरी होने के बाद पूर्ण आहरण की अनुमति

होगी जो अनुमत उच्चतम सीमा और 18 वर्ष की आयु पूराहोने के बाद आबंटित अतिरिक्त बानस युनिटां पर एनएकी में से एनएकी के 5 प्रतिगत तक कटोती करके अनुमत होगा। उदाहरण के लिए ,यदि 22 वर्ष की पूरी होने से पूर्व उपरोक्त विणत विशेष परिस्थितियों के कारण किसी सदस्य को पूर्ण आहरण (अर्थात् उसके खाते मे बकाया कुल संचित यूनिट) की अनुमति दी जाती है तो अतिरिक्त यूनिटों के 20 प्रतिशत को सदस्य के 18 वर्ष की आयु पूरा करने के बाद जारी किए गए अतिरिक्त बोनस यूनिटों में जोड़कर उसकी पुनर्खरीद एनएकी में से एनएकी के 5 प्रतिशत तक की कटौतों करके की जाएग़ी (चूकि तालिका 11) के अनुसार वह कुल यूनिटों में से केवल 80 प्रतिशत का आहरण करने का पाव होगा)।

(6) 'उस बच्चे की मृत्यु जिसके पक्ष में यूनिट जारी किए गए हैं' शीर्षक युक्तखंड (9) के उपखंड (ड०) को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है

वच्चे की मृत्यु होने पर किसी व्यक्ति के यूनिटो का हकदार बन जाने पर उसके द्वारा अपनी हकदारी का ऐसा प्रमाण प्रस्तुत किए जाने पर जिसे ट्रस्ट द्वारा पर्याप्त समझा जाए, दावेदार द्वारा दावे के संबंध मे सभी औपचारिकताएं पुरा किए जाने के बाद दिवंगत वच्चे के खाते में बकाया यूनिटों की एनएवी के बराबर राशि अदा कर की जाएगी।

(7) 'उस बच्चे की मृत्यु जिसके पक्ष मे पूनिट जारी किए गए हैं' शीर्षक युक्तखंड (4) के उपखंड (ज) को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

सदस्य को मृत्यु होने पर किसी व्यक्ति के यूनिटो का हकदार बन जाने पर उसके हारा अपनी हकदारी का ऐसा प्रमाण प्रस्तुत किए जाने पर जिसे ट्रस्ट हारा पर्याप्त समझा जाए, दावेदार हारा दावे के संबंध मे सभी औपचा-रिकताएं पुरा किए जाने के बाद दिवगत सदस्य के खाते में बकाया यूनिटो की एनएवी के बरावर राशि अदा कर दी जाएगी।

# यूटी|डीबीडीएम|आर-226|एसपीडी-102|99-2000

भारतीय यूनिट ट्रस्ट, अधिनियम. 1963 (1963 का 52) की धारा 19(1) (8) (मी) के अंतर्गत बनाए गए यूटीआई बॉड फड, जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अंन्तर्गत बनाई गई यूनिट योजना, जो यूटीआई वॉड फंड से संबंधित है, के प्रावधानों में संशोधन, जिसे

01/05/99 के कार्यालय नोट द्वारा अध्यक्ष द्वारा अनुमीदित किया गया इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

> एस० चटर्जी उप महाप्रबंधक व्यवसाय विकास एवं विपणन

युटीआई बाड फंड के प्रावधानो में संणोधन

## अनुबध

(1) 'विशेषताए' के अंतर्गत छठे अनुच्छेद को इस प्रकार संशोधित किया जाता है:

भारहोन फंड/फंड के प्रारम्भिक निर्गम व्यय को दृस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) द्वारा वहनं किया जाएगा। इसमें कोई भी विकी प्रभार या निर्गमन भार नहीं होगा। बिकी व पुनर्खरीद एनएवी पर होगी। तथापि, निवेश के प्रथम छ महीनों के भीतर हुई पुनर्खरीद के लिए 1.5 प्रतिगत का आस्थागत बिकी प्रभार लगेगा।

(2) 'यिनटों की पुनर्खरीद' शीर्षक युक्त खंड (ix) के उप-खंड (2) (1) के दूसरे अनुच्छेद को इस प्रकार संशोधित किया जाता है

तथापि नियेग की तिथि से प्रथम छः महीनों के भीतर हुई पुनर्जरीद के लिए एनएको पर 1 5 प्रतिगत की आस्थ-गित बिको प्रभार लगेगा, जैसा कि सेबी (एमएफ) विनियम 1996 की दसवी सूची के खंड (इ) के अतर्गत अनुप्रति दी गई है। इस अस्थिगित बिकी प्रभार को ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीअस्ट्रफ) में जना किया जाएगा।

(3) 'विकी एव पुनर्खरीद मूल्य' शीर्षक युक्त खड X को इस प्रकार संशोधित किया जाता है:

चूकि यह भारहीन फड है, बिक्री एव पुनर्बरीद मूल्य, बिना किसी भार या वहे के, लागू होने वाला एनएवी (भार्जा) होगा जिसकी गणना दैनिक आधार पर की जाएगी। तथापि निवेश की तिथि से प्रथम छः महीनों के भीतर हुई पुनर्बरीद के लिए एनएवी पर 1.5 प्रतिगत का आस्थिगित बिक्री प्रभार लगेगा। किसी विशिष्ट दिन को दोपहर 2.00 वजे तक प्राप्त होने वाले सभी बिक्री एवं पुनर्खरीद आवेदनों के संबंध में लागू होने वाला एनएवी उसी दिन का एनएवी होगा। दोपहर 2.00 बजे के बाद प्राप्त सभी बिक्री एवं पुनर्खरीद आवेदन अगले दिन के एनएवी द्वारा निर्यंतित होंगे।

#### अन्बंध

यूनिट लिक्ड इन्ज्योरेस प्लान 1971 के प्रावधानों में संजोधन ।

प्रावधान के पैरा 2 के उप-पैरा (ij) की हिटाया जाता है। यूटी/डीबीडीएम/आर-226/एसपीडी-102/99-2000

भारतीय पूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 19 (1) (8) (मी) के अंतर्गत बनाए गए यूटीआई बांड फंड, जो कथित अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत बनाई गई यूनिट योजना, जो यूटीआई बाण्ड फंड से संबंधित है, के प्रावधानों में संशोधन, जिसे 01/05/99 के कार्यालय नोट द्वारा अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया, इसके नीचे प्रकाणित किया जाता है।

एस**० चटर्जी** उप महाप्रबंधक व्यवसाय विकास एवं विपणन

युटीआई बॉण्ड फंड के प्रावधानों में संशोधन अनुबंध

(1) विशेषताएं के अतर्गत छठे अनुच्छेद को इस प्रकार संगोधित किया जाता हे

भारहीत फड/फड के आरम्पिक निर्गम व्यय को ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) द्वारा वहन किया जाएगा इसमें कोई भी जिकी प्रभार या निर्गमन भार नहीं होगा। विकी व पुतर्खरीद एनएवी पर होगा। तथापि, निवेश के प्रथम छ. महीनों के भीतर हुई पुतर्खरीद के लिए 1.5 प्रतिगत का आस्थिगित बिकी प्रभार लगेगा।

(2) 'यूनिटो की पुनर्वरीद' णीर्षक युक्त खंड (ix) के उप-खंड (2) (i) के दूसरे अनुच्छेद को इस प्रकार संशोधित किया जाता है

तथापि निवेश की तिथि से प्रथम छः महीनों के भीतर हुई पुनर्खरीद के लिए एनएवी पर 1.5 प्रतिशत की आस्थिगित बिक्री प्रभार लगेगा, जैसा कि सेबी (एमएफ) विनियम 1996 की दसवी सूची के खंड (इ) के अंतर्गत अनुमित दी गई है। इस अस्थिगित विकी प्रभार को ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित निधि (डीआरएफ) में जमा किया जाएगा।

(3) 'विको एव पुनर्खरीद भूट्रा' शीर्पक युक्त खंड X को इस प्रकार सशोधित किया जाता है :

चूंकि यह भारहीन फड है, बिकी एवं पुनर्खरीद मूल्य, बिना किसी भार या बट्टे के, लागू होने वाला एनएवी (भावी) होगा जिसकी गणना दैनिक आधार पर की जाएगी। तथापि निवेश की तिथि से प्रथम छः महीनो के भीतर हुई पुनर्खरीद के लिए एनएवी पर 1 5 प्रतिशत का आस्थिगित बिकी प्रभार लगेगा। किसी विशिष्ट दिन को दोपहर 2.00 बजे तक प्राप्त होने वाला एनएवी उसी दिन का एनएवी होगा। दोपहर 2.00 बजे के बाद प्राप्त सभी बिकी एवं पुनर्खरीद आवेदना होगा। दोपहर 2.00 बजे के बाद प्राप्त सभी बिकी एवं पुनर्खरीद आवेदन अगले दिन के एनएवी हारा नियंवित होंगे।

# RESERVE BANK OF INDIA DEPARTMENT OF NON-BANKING SUPERVISION

## CENTRAL OFFICE

## CENTRE I. WORLD TRADE CENTRE CUFFE PARADE, COLABA

Mumbai-400 005, the 15th November 1999

No. DNBS. 133/CGM (OPA)-99.—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest and being satisfied that for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, to amend the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposit (Reserve Bank) Directions. 1998, in exercise of the powers conferred by sections 451, 45K, 45L and 45MA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, hereby directs that the said directions contained in Notification No. DFC, 118/DG (SPT)/98 dated January 31, 1998 shall stand amended with immediate effect, as follows, namely—

In paragraph 2, in sub-paragraph (1), in clause (xii), after sub-clause (g), the following sub-clause shall be added, namely:—

"th) any amount received from a Mutual Fund which is governed by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996".

O. P. AGARWAL Chief General Manager

## Mumbai-400005, the 13th January 2000

No. DNBS. 134/CGM (VSNM)-2000.—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the nublic interest and being satisfied that for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposit (Reserve Bank) Directtion, 1998. in exercise of the powers conferred by sections 451, 45K, 45L and 45MA of the Reserve Bank of India Act. 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, hereby directs that the said directions contained in Notification No. DFC, 118/DG (SPT)/98 dated January 31, 1998 shall stand amended with immediate effect, as follows, namely.—

- 1. In paragraph 2, in sub-paragraph (1), after clause (ix) the following clause (ix-a), shall be inserted, namely:—
- "(ixa) "mutual benefit company" means a company not notified under section 620A of the Companies Act. 1956 (1 of 1956) and carrying on the business of a non-banking financial institution.—
  - (a) on 9th January 1997; and
  - (b) having the aggregate of net owned funds and preferential share capital of not less than ten lakhs of rupees; and
  - (c) has applied for issue of certificate of registration to the bank on or before 9th July 1997; and
  - (d) is connlying with the requirements contained in the relevant provisions of the Directions issued under Section 637A of the Companies Act. 1956 to Nidhi Companies by the Central Government".
- 2 In paragraph 2, in sub-paragraph (1), in clause (xii), after proviso to sub-clause (e) the following further proviso shall be inserted namely.—

"provided further, that in the case of joint shareholders of a private company, mones received from or in the name of the joint shareholders excent the first named shareholder shall not be eligible to be treated as the receipt of money from the shareholder of the company".

- 3. In paragraph 2 in sub-paragraph (1), after clause (xii) after clause (c), the following new sub-clause shall be inserted namely—
  - (h) "any amount received as hybrid debt or subordinated debt the minimum materity period of which is not less than sixty months"

4. In paragraph 3, in sub-paragraph (1), after the words, "mutual benefit financial company" the following words shall be inserted namely,—

"or mutual benefit company"

5. In paragraph 3, in sub-paragraph (2) at the end, the following words shall be inserted, namely:—

"and a mutual benefit company"

6. In paragraph 4, in sub-paragraph (1), after clause (i), the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that this clause shall not apply to an Equipment Leasing or Hire Purchase Finance Company referred to in clause (a) of sub paragraph (4) hereunder".

- 7. In paragraph 4, in sub-paragraph (12), in clause (ii), the following new sub-clause shall be inserted, namely:—
  - (g) "the information, relating to and the aggregate dues from the facilities, both fund and non-fund based, extended to, and the aggregate dues from companies in the same group or other entities or business ventures in which the directors and/or the non-banking financial company are holding substantial interest and the total amount of exposure to such entities".
- 8. In paragraph 4, in Sub-paragraph (12), after clause (ii), the following new clause shall be inserted, namely:—

(iii)"Every non-banking financial company shall obtain proper introduction of the new depositors before opening their accounts and accepting the peposits and keep on its record the evidence on which it has relied upon for the purpose of such introduction".

9. After paragraph 4 the following new paragraphs shall be inserted, namely:—

"4A Branches and appointment of agents to collect deposits

On and from January 13, 2000, no non-banking financial company shall open its branch or appoint agents to collect deposits except as provided hereunder:—

- (i) a non-banking financial company having the certificate of registration issued under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and otherwise entitled to accept public depostis as per paragraph 4(4) of these Directions may open its branch or appoint agents if its.
  - (a) NOF is upto Rs. 50 crore—Within the State where its registered office is situated; and
  - (b) NOF is more than Rs. 50 crore and its credit rating is AA or above—Anywhere in India
- (ii) (a) for the purpose of opening a branch, a non-banking financial company shall notify to the Reserve Bank of its intention to open the proposed branch;
  - (b) on receipt of such advice, the Reserve Bank may, on being satisfied that in the public interest or in the interest of the concerned non-banking financial company or for any other relevant reasons to be recorded, reject the proposal and communicate the same to the non-banking financial company;
  - (c) if no advice or rejection of the proposal under (b) above is communicated by the Reserve Bank within 30 days from the regaint of such advice, the non-banking financial company may proceed with its proposal.

#### 4B Closure of branches

No non-banking financial company shall close its branch/ office without publishing such intention in any one national level newspaper and in one vernacular newspaper in cirulation in the relevant place and without advising Reserve Bank of India, before ninety days of the proposed closure".

- 10. After paragraph 9, the following new paragraph shall be inserted namely,---
- "9A Nothing contained in paragraphs 4 to 7 shall apply to an NBFC being a Government company as defined under section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956)".
  - V. S. N. MURTY. Chief General Manager-in-charge

DNBS. 135 CGM (VSNM)-2000.—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest, and being satisfied that, for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Non-Banking Financial Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 1998, in exercise of the powers conferred by section 45JA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, hereby directs that the said directions contained in Notification No. DFC. 119/DG (SPT)/98 dated January 31, 1998 shall stand amended with immediate effect as follows, namely—

1. In paragraph 1(3)(i), in sub-clause (a), after the words, mutual benefit financial company.', the following words shall be inserted, namely,—

"and a mutual benefit company"

- 2. In paragraph 1, in sub-paragraph (3), a new clause shall be inserted as follows, namely,—
- "(iv) These directions shall not apply to an NBFC being a Government company as defined under Section 617 of the Companies Act. 1956 (1 of 1956)."

3. In paragraph 11B, after second proviso, the following Explanation shall be inserted namely :---

Explanation :

- "While calculating the ceiling on investment in unquoted shares, investments in such shares of all companies shall be aggregated.".
- 4. After paragraph 9, the following new paragraphs shall be inserted, namely,—
- "9A Constitution of Audit Committee by NBFCs

An NBFC having the assets of Rs. 50 crore and above as per its last audited balance sheet shall constitute an Audit Committee, consisting of not less than three members of its Board of Directors

9B Accounting year

Every NBFC shall prepare its balance sheet and profit and loss account as on March 31 every year with effect from its accounting year ending with 31st March, 2001:

Provided that if the accounting year of any NBFC ends on any date other than 31st March, 2001 such NBFC shall prepare its balance sheet and profit and loss account for any fraction of the year ending on 31st March 2001".

Information on Suit-filed/Decreed Debts

5. In the format annexed to the Directions (Reporting Format), after Part I, the following Part-J shall be inserted namely.

PART J

Particulate on Suit-filed and decreed debts by the NBFC and against it

	Item Name	Item Code	A.mount
(i)	Loans, advances, other credit facilities, leased assets and hite purchase assets for which the NBFC have filed suits in any Court of law for recovery of its dues including the decreed debts	810	
	Pending for over 5 Years	811	
	Pending for 3 o 5 Years	812	
	Pending for 1 to 3 Years	813	
	Pending for less than One Year	814	
(ii)	Out of (i) above, the loans, advances, other credit facilities and hire purchase assets for which decree has been obtained by the NBFC	820	
(iii)	Recoveries made in suit filed/decreed debts (including amounts deposited in the Court).	830	
(iv)	Suit filed and decreed against the company	840	

V. S. N. MURTY Chief General Managar-in-charge

No. DNBS.136/CGM(VSNM)-2000.—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in the public interest and being satisfied that, for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Residuary Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1987, hereby, in exercise of the powers conferred by Section 45J, 45K, 45L and 45JA

of the Reserve Bank of India Act. 1934 (2 of 1934) and all the powers enabling it in this behalf, directs that the said Directions contained in Notification No. DFC.55/DG(0)-87 dated the 15th May 1987 shall, with immediate effect, be amended as follows, namely:

After paragraph 4A, the following new paragraphs shall be inserted, namely,-

"Branches and appointment of agents to callect deposits

- 4B On and from January 13, 2000, no residuary non-banking company shall open its branch/office or appoint agents to collect deposits except as provided hereunder:
  - (i) a residuary non-banking company having the certificate of registration issued under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) may open its branch or appoint agents if its
    - (a) NOF is upto Rs. 50 crore—Within the State where its registered office is situated; and if
    - (b) NOF is more than Rs. 50 crore—Anywhere in India
  - (ii) (a) for the purpose of opening a branch/office, a residuary non-banking company shall notify to the Reserve Bank of its intention to open the proposed branch;
    - (b) on receipt of such advice, the Reserve Bank may, on being satisfied that in the public interst or in the interest of the concerned residuary nonbanking company or for any other relevant reasons to be recorded, reject the proposal and communicate the same to the residuary non-banking company;
    - (c) if no advice of rejection of the proposal under (b) above is communicated by the Reserve Bank within 30 days from the receipt of such advice, the residuary non-banking company may proceed with its proposal

Closure of branches

4C No residuary non-banking company shall close its branch/office without publishing such intention in any one national level newspaper and in one vernacular newspaper in circulation in the relevant place, before ninety days of the proposed closure and without advising the Reserve Bank at least ninety days before the proposed closure."

V. S. N. MURTY Chief General Manager-In-Charge

No. DNBS.137/CGM(VSNM)-2000.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 45MA of the Reserve Bank of India Act. 1934 (2 of 1934), the Reserve Bank of India hereby directs that the directions contained in Notification No. DFC.117/DG(SPT)/98 dated January 2, 1998 stand amended with immediate effect, as follows. namely—

In paragraph 3, sub-paragraph (B), after item (viii), the following new item shall be inserted, namely, -

"(iv) In case of opening of new branches or offices to collect deposits or closure thereof and in the case of appointment of agent, whether the company has complied with the requirements contained in the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions. 1998 contained in Notification No. DFC, 118/DG (SPT)-98 dated January 31, 1998."

V. S. N. MURTY Chief General Manager-In-Charge

- No. DNBS.138/CGM(VSNM)-2000.—The Reserve Bank of India, on being satisfied that it is necessary so to do, in exercise of its powers conferred under Section '5NC of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) hereby declares that the provisions of -
- (1) Sections 45IA, 45IB and 451C of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall not apply to any non-banking financial company -
  - (i) which is
    - (a) providing credit not exceeding Rs 50,000 for a business enterprise and Rs. 1.25 000 for meeting the cost of a dwelling unit to any poor person for enabling him to raise his level of income and standard of living; and
    - (b) licensed under Section 25 of the Companies Act, 1956; and
    - (c) not accepting public deposits as defined in paragraph 2(1)(xii) of Notification No. 118/ DG(SPT)-98 dated January 31, 1993.
  - (ii) being a mutual benefit company as defined in paragraph 2(1) (ixa) of the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998 contained in Notification No. DFC.118/DG(SPT)-98 dated January 31, 1998.
- (2) Sections 45IB and 45IC of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), shall not apply to any non-banking financial company as defined in section 45-I(f) of the Reserve Bank of India Act. 1934 (2 of 1934) being a Government company as defined in section 617 of the Companies Act. 1956.

V. S. N. MURTY Chief General Manager-In-Charge

No. DNBS, 139/CGM (VSNM)-2000—In exercise of powers conferred under section 45NC read with sub-section (1) of section 45-IB of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2of 1934) and in partial modification of Notification No. 121/ED(G)-98 dated January 31, 1998, the Reserve Bank of India, on being satisfied that it is necessary so to do. hereby directs that the said directions shall stand amended with immediate effect as follows, namely,—

In paragraph 1, the items (i) and (ii) shall be substituted by the following, namely.—

- (i) on and from 1st April 1998—be n t less than 12.5 percent;
- (ii) on and from 1st April 1999—be not less than 15 percent; and
- (iii) on and from January 1, 2000—be not less than ten percent in approved securities and the remaining in unencumbered term deposits in any scheduled commercial bank, the aggregate of which shall not be less than 15 percent

of the "public deposit", as defined under paragraph 2(1) (xii) of the Non-Banking Financial Companies Acceptance of Public Deposits (Reserve Bank) Directions, 1998, outstanding at the close of business on the last working day of second preceding quarter; and"

V. S. N. MURTY Chief General Manager-in-Charge 328

No. DNBS. 140/CGM (VSNM)-2000:—In exercise of powers conferred under sub-section (2) of Section 45-IB of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and in partial modification of Notification No. DFC. 108/ED(JRP)-97 dated April 30, 1997 the Reserve Bank of India, on being satisfied that it is necessary so to do, hereby directs that the said directions shall stand amended with immediate effect as follows, namely, —

- 1. In Form of Quarterly Return I, after item 9, the following item 10, shall be inserted, namely, —
  "10. The information on opening and closing of branches/offices for collection of deposits is as under;
- (a) Opening of new branches / offices

Name and address of the branches/offices		Date of opening	Reference No. and of communication to	Remarks
				,
				 المريدة
(b) Closing of branches / offices				
Name and address of the branches/	Date of Publicity	Date of closing	Reference No. and communication to	Remarks

2. In Form of Quarterly Return-II, item 6 and 7 shall be substituted by the following, namely,—

"6. Prescribed amount of liquid assets required to be maintained at————

percent of deposit at item 5(c) above.

120

(Details of approved securities with their market value and the term deposits made in scheduled commercial banks as on the date of return to be given in a separate annexure).

- 7. Whether the company has maintained the required assets in unencumbered approved securities and term deposits in scheduled commercial banks on a daily basis during the quarter (See note 1 below)".
- 3. In Form of Quarterly Return-II, after item 10, the following item 11, shall be inserted, namely, -
  - "11. The information on opening and closing of branches/offices for collection of deposits is as under;
- (a) Opening of new branches / offices

Name and address of the branches/offices

		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		APPLA PROPERTY OF THE PROPERTY	
(b) Closing of branches / offices					
Name and address of the branches/	Date of Publicity	Date of closing	Reference No. and date of communication to RBI	Remarks	

Date of opening

Reference No. and date of Remarks

communication to RBI

#### RESERVE BANK OF INDIA

(Department of Administration and Personnel Management)

Central Office

Mumbai-400 001, the 11th September, 1998

Corrigendum/Amendments to Notification No. 1

#### **CORRIGENDUM**

(1) Name of the Bank, Department and the Number of the Notification to be read as under

#### RESERVE BANK OF INDIA

Department of Administration and Personnel Management Central Office, Mumbai 400 001.

Notification No. 1 the 11th September, 1998

in place of the words

"DEPARTMENT OF ADMINISTRATION AND PERSONNEL MANAGEMENT Mumbai 400 001, the 11th September 1998"

(2) The words in the Hindi Version on page 464 (Item No. 1— Line—6) printed as 'विदशी मुद्रा नियंत्रण परिचालन और विकास दैंकिंग विकास विभाग' to be corrected to read as 'विदेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग, वैकिंग परिचालन और विकास विभाग''.

#### **AMENDMENTS**

The designation of Regional Heads has been changed to 'Regional Director' and incorporating the same in the Signing Powers Notification No. 1 dated 11th September 1998 has been approved by the Committee of the Central Board of the Bank. The consequential amendments made to the Notification are indicated below.

Item No.	Para/Sub- para No.	Line No.	Amendments made
	4	1	Replaced word "Regional Director" for Chief General Manager
V	(i)	1	Added word "Regional Director" after Chief General Manager
V	(i)	6	Replaced word "Regional Directors" for Chief General Managers
V	(iii)	13	Replaced word "Regional Directors" for Chief General Managers
V	(viii)	5	Replaced word "Regional Directors" for Chief General Managers
<b>v</b>	(X)	5	Replaced word "Regional Directors" for Chief General Managers
v	(xiii)	4	Replaced word "Regional Directors" for Chief General Managers
V	(xv)	4-5	Replaced word "Regional Directors" for Chief General Managers

#### SALAR JUNG MUSEUM BOARD

	Ne			:In	exer	cise of	the pov	vers con	ferred by	section	1 28 of	the	Salar
Jung	Museam	Act, 1951 (2	6 of 1961),	the	Salar	Jung	Museun	n Board,	Hyderal	oad, w	ith the	pre	vious
appro	val of the	Central Go	verrment, l	iereby	make	s the fo	llowing	regulation	on further	to an	nend	the	Salar
Jung	Museum	Regulations.	1962, nan	nely:									

- 1. (1) These regulations may be called the Salar Jung Museum (Amendment) Regulations, 1999.
  - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. (a) In the Salar Jung Museum Regulations, 1962, in regulation 8, in sub-regulation (1 A), for clause (b), the following clause shall be substituted namely:—
  - (b) "in case of class III or class IV post, the vacancy shall be notified to the Employment exchange advertised in newspapers (including Employment News Bulletin), displayed on notice board and innounced on radio and television".

Sd-illegible Chairman

Salar Jung Museum Board Salar Jung Museum Hyderabad

$F_{\mathfrak{I}\mathfrak{I}}$ $\mathfrak{I}\mathfrak{I}\mathfrak{I}\mathfrak{I}$ .	The experience of India violatification Number 29 dated 16th July 1966 and subsequently amended vide	de
	1. Notification numberdated the	
	2	
	3	
	4	

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 21st January, 2000

No. V-33 (13) 2/95-E. IV: In pursuance of Section 25 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation-10 of the ESI (General) Regulations, 1950 the Chairman, ESI, Corporation hereby consultitutes the Regional Board for Assam Region which shall consist of the following members namely:—

1. Minister Chairman

Labour & Employment Deptt. Govt. of Assam.

2. Minister of State
Health & Family Welfare Deptt.
Govi. of Assam.

3. Administrative Medical and Health Officer, ESI Scheme Assem

4. The Deputy Medical Commissioner ESI Corporation, East Zone, Calcutta.

 Shri J. M. Goswami, Sacretary, Assam Manufacturers' Association, By Lane No. 5, Industrial Fstate Bamunimaidan, Guwahati 21.

Vice-Chairman

Officer directly incharge of ESIS in the State, Ex-officio Member

Member Ex-officio

Employers' Representative

6. Shri A. C. Das,

Secretary.

Assam Plywood Manufacturers,

P.O. Tinsuk'a,

Assam-786125.

7. Shri B. P. Bakshi,

All India Manufacturers' Organisation, Assam State Road, P.O. Tinsukia-786125, Assam.

8. Shri S. K. Srivastava Assam Cotton Mills,

P.O. Chiriduae (Sombur),

Assam-784103.

9. Shri Sumer Singh Gur,

Secretary,

INTUC Assam Branch.

K. C. Sen Road, Paltan Bazar,

Guwahati-8.

10. Shri D. P. Yadab, General Secretary,

B. M. S Banipara, Silchar-1,

'Assam .

11. Shri Amol Ghosh Distidar,

President, CITU,

Assam State Committee,

Ananda Ram Baruah Path, Paltan

Guwahati-8.

12. Shri Nasir Uddin,

Secretary,

INTUC Dhubri Branch,

Assam-783301.

13. The Commissioner & Secretary to the Govt. of Assam,

Labour & Employment Deptt., Dispur.

Assam.

14, The Regional Director, ESI Corporation,

Guwahati, Assam.

Employers' Addl. Representative

Employers' Addl. Representative

- do---

Employees' Representative

Employees' Addl. Representative

-- do -

-- do --

Member, ESIC residing in the State, Ex-officio Member

Member Secretary

L. M. MEHTA Director General

New Delhi, the 17th January 2000

No. N-15/13/1/11/98-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General )Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st February, 2000 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely:—

"All the areas falling within the limits of Ongole Municipality and the Revenue Villages of Koppollu, Pelluru, Cheruvukomanupalem, Vengemukkapalem, Mamdipalem, Throvagunta, Mukhinuthalapadu, Gudimallapadu and Yeracherla in Ongole Mandal; the Revenue Villages of

Pernimitta, Yendlur and Manganoor in Santhanuthalapadu Mandal of Prakasam District of Andhra Pradesh."

G. L. KAPOOR Director (P&D)

New Delhi, the 14th January 2000

No. U-16/53/PTMR/Karnt./99-Med.II.—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950 and such powers having further delegated me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 25-5-1983, I hereby authorise the following doctor to function as Medical authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date given below for

one year, or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centres as stated below for areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (South Zone) Bangalore for the purpose medical examination of the insured persons and grant of certificates is in doubt.

Sl. No., Name of Doctor, Period & Name of Centre

332

1. Dr. M. Vijay, 22-2-2000 to 21-2-2001-Mysore.

DR. (Mrs.) S. SINGH Medical Commissioner

No. N-15/13/10/2/98-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 the Director General has fixed the 1st February, 2000 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Orissa Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1951 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Orissa namely:—

"The areas comprising the revenue villages Manguli, Kairapari, Bondal, Bainchua, Kotsahi, Ganraba in Tehsil Tangi, Choudwar of District Cuttack"

G. L. KAPOOR Director (P&D)

#### MINISTRY OF LABOUR EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION 14, BHIKAII CAMA PLACE

New Delhi-110066, the 12th January 2000

No. 2/1959/DLI/Exemp. 82/Pt. 1/5302.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-J

(hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. Name & Address of the No. Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemptione	C.P.F.C's File No.
1 2	3	4	5	6	7
1. M/s A.P. State Co-op. Bann Ltd. H.O. Troop Bazar P.B. No. 142	AP/2340	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 21-10-96	30-11-96	1-12-96 to 30-11-99	2/3767/91/ <b>DL</b> I
Hyderabad-500001.  2. M/s Bapatta Engineering College, Bapatla-522101.	AP/16525	dated 10-1-94	31-8-95	1-9-95 to 31-8-98 & 1-9-98 to 31-8-2001	2,4333/92/DLJ
3. M/s Spectra Foods & Beverages Private Ltd., Tadigadapa, Vijayawada-52.	AP/GT 13987	dated 8-1-93	31-12-94	1-1-95 to 31-12-97 & 1-1-98 to 31-12-2000	2/3202/90/DLI
4. M/s, A.A.N.M.& V V.R.S R. Politechnic, Gudiavalleru, Krishra Distt.521356.	AP/GT 16537	dated 29-1-93	28-2-94	1-3-94 to 28-2-97 & 1-3-97 to 28-2-2000	2/4392/92/DLI
5. M/s Svi Sathya Sai Institute of Higher Larning Prasanthin layam Anantapur Distt,-5151	AP/20080 i- 34.	dated 29-8-97	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99 & 1-4-99 to 31-3-2002	2/4534/92/DL1

1	2	3	4	5	6	7
6.	Mis Bai Raranbar y (11d.) Parsi High School 119, Park Lane Secundrabad	AP 9271	dated 22-12-92	31-8-92	1-9-92 to 31-8-95 & 1-9-95 to 31-8-98	2 4282/92 DL1
					& 1-9-98 to	
7.	M/s. Sibar Auto Parts Ltd., Industrial Estate, Ranigunta Road, Tirupati-517506.	<b>\P</b> /18114	dateo 10-11-96	31-3-99	31-8-2001 1-4-99 to 31-3-2002	1/12/98/DLI
8.	M/s Kanaka Durga Grameen Bank 9/225, Gori Sankara Puram, Gudivada-521301.	AP/16704	dated 3-5-93	31-3-95	1-4-95 to 31-3-98 & 1-4-98 to 31-3-2001	2/3205/90/DLI

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Jusurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of

the employees', his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Therefore any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the paremium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s) Legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEIA
Regional Provident Fund Commissioner

- No. 2, 1959/DLI/Exemp. (89/Pt. 1/5321.—WHEREAS the the Employer of the establishments mentioned in Schedule-I thereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.
- AND WHEREAS The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Sche-

dule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by The Regional Provident Fund Commissioner, Tamilinadu from the operation of the said Scheme for a period of three years

#### SCHEDULE ---I

Sl. No	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Shakes and Creams, 10 Sardar Patel Road, Adyar, Chennai-600 020.	TN/9643-A	1-11-98 to 31-10-2001	14(657) <b>99/DL</b> I
2.	M/s. Karoagam Industries (P) Ltd., Sidco Industrial Estate, Coimbatore-21.	TN/21260	1-12-1-98 to 30-11-2001	14(658)99/ <b>DL</b> I
3.	M/s. Popular Leathers Pvt. Ltd., 51C Sideo Industrial Complex, Raninet.	TN/23686	1-8-96 to 31-7-99	14 65 <b>9)99/DL</b> I
4.	M/s. Kaushik Chemicals Ltd., Plor No. 6A Sideo Industrial Complex Ranipet-632403.	TN/26465	12-90 to 31-1-99	14(650)99/DLI
5.	M/s. Lalyani Construction Pvt. Ltd., No. 9 Bazullah Road, T. Nagar, Chennai-600017.	TN/26841	1-1-99 to 31-12-2001	14(661)99/ <b>DL</b> I
6.	M/s. Software Solution Integrated Ltd., No.54 Thirumalai Road, T. Nagar, Chennai-600017.	TN/31265	1-11-98 to 31-10-2001	14(662)99/ <b>DL</b> I
7.	M/s. Internation Bakery Products Ltd., Adjoining Aurofood Complex Post T.C. Balam-605111.	TN/32771	26-9-97 to 25-9-2000	14(663)99/DL
8.	M/s Balaji Industrial Corp. Ltd., No. 9 Bazullan Road, Chennai-600017.	TN/39233	1-1-99 to 31-12-2001	14(46 <b>4)99/DLI</b>
9.	M/s. Indus Flower 19. 4th Main Road, Kastouriba Nagar, Adiyar, Chennai-600020.	TN/39993	1-12-98 to 30-11-2001	14(665)99/ <b>DL</b> I
10.	M/s. Harita In & Serve Ltd., No. 8, Haddors Road, Chennai-600006.	TN/40155	1-11-98 to 31-10-2001	14(666)99/ <b>DL</b> I
11.	M/s. Jai Parabhakar Spnings Ltd., Plot No. 22—25, Sengundrum, Vill. Marimalai Nagar, Singapermual Koil, Street-603204.	TN/40168	1-7-98 to 30-5-2001	14(667) <b>99/DLI</b>

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. There for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5336.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the enature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated is attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted, Extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1,	M/s. Indian Oil Corporation Ltd. 7, Institutional Area, Scope Complex Case-2, Lodhi Road, New Delhi-3.	DL/1338	2/1959/DLI/Ex./89/Pt.1/716 daten 13-5-99	22-5-99	23-5-99 to 22-5-2002	2/131/8C/UL1
2.	M/s. Ranbaxy Laboratories 25, Nehru Place, New Dehi-19.	DL/1546	dated 5-7-99	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002,	2/722/82/DLT }
3.	M/s. Engineerng Project (I) Ltd., Core-3, Scope Complex 7, Institutional Area, Lodh Road, New Delhi-110003.	DL/2921	S. 35014/218/83-11 SS. II dated 23-2-87	23-12-89	24-12-89 23-12-92 24-12-92 23-12-95 24-12-95 23-12-98	2/116/78/DL1
4.	M/s. Continental Device India Ltd. C-120, Naraina Industrial Area, New Delhi-28.	DL/3141	2/1959/DLI/Ex/89/Pt. I/1431 dated 19-6-99	30-6-97	1-7-97 to 30-6-2000	3/76/55/ <b>T11</b>

1	2	3	4	5	6	7
			2/1959/DLI/Ex./89/PT.1/1431	<del></del>		
5.	M/s. Basu and Associates Pvt. Ltd. Pocket-B-2, J.Block Market, Saket, New Delhi-17.	DL/6609	dated 12-4-99	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002	3/25/98/DLI
6.	M/s Salora Internation Ltd., D/1314, Okhla, Industiral Area, Phase-I New Delhi-25.	DL/6935	date <b>d 28-4-9</b> 7	31-7-95	1-8-65 31-7-98	2/1568/88/ <b>DL</b> I
7.	M/s Gabriel India Ltd., 1, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016.	DL/7433	2/1959/DLI/Ex./89/Pt, II/36246 dated 24-1-99	31-7-99	1-8-99 to 31-7-2002	3/17/98/ <b>DL</b> I
8.	M/s Sowar Pvt. Ltd., CSC, C-9, Vasant Kunj New Delhi-110070.	DL/7736	2/1959/DLI/Ex./89/Pt. I/2446 dated 3-11-98	31-5-99	1-6-99 to 31-5-2002	2/1683/87/DLI
9.	M/s Kosha Dynamics Pvt. Ltd Shed No. 11, Okhla Indl. Estate, Phase IV, New Delni-20.	DL/9014	2/1959/DLI/Ex./89/Pt./1/1883 dated 21-6-99	30-11-98	1-12-98 to 30-11-2001	3/26/98/DI I
10.	M/s Mohan Fiids Ltd., 78/3, Janpath, 2nd Floor, New Delhi-110001.	DL/14950	dated 9-4-99	31-12-98	1-1-99 to 31-12-2001	3/10/96/DLI
1.	M/s Spon Fashions Ltd., 149, Okhla Indl. Estate, New Delhi-110020.	DL/15825	dated 9-10-98	31-5-98	1-6-98 to 31-5-2001	3/11/98/DLI

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the Group Insurance Scheme, the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp. 89/Pt. I/5352.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees'

Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

#### SCHEDULE-1

Sl No.	Name &	Address of the Establishment	(	Code No.	Effective Date of Exemption		C.P.F.C's File No.
19,	/s. T & I Ltd. R. N. Mukhe lcutta-700001.	erjee Road,	<b>WB</b> /14855	1-3-98 to	28-2-2001	16/85	/DLI/WB/99
134	s. Hote Hin 1/1, M. G. Rolcutta-700007.	ad,	WB/27852	1-11-97	to 31-10-2000	16/86	/DLI/WB/99

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employees as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to play the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5358.—WHEREAS the Employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### **SCHEDULE-I**

Si. No	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Institute of Naturopothy and Yogic Science Jindal Nagar, Baugalore-560073.	KN/7381	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dat.d 9-5-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 & 1-4-96 to 31-3-99 & 1-4-99 to 31-3-2002	2/2479/89/EDLI

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (herematter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts & provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (2) of Sub-Section (2A) of Section 17 of the said A4, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient teatures thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that

would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Therefore any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110 066, the 13th January 2000

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5363.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

Sl.	Name & Address of the	Code No.	SCHEDULE-I  No. and Date of Govt.	Date of	Period for	C.P.F.C's File No.
No.		•	Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Expiry	Exemption	
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Coimbatore Dist. Co. op. Milk Producers Union, Kalampalayam, Coimbatore-10.	TN/2614A	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 10-5-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 1-4-96 to 31-3-99	2/864/DLI/82
	M/s Srivilliputtur Co. op. Spinning Mills Ltd., Madurai Road, Srivilliputtur-626125.	TN/3115	dated 23-1-92	31-7-94	1-8-94 to 31-7-97 1-8-97 to 31-7-2000	2/2462/90/ <b>DL</b> 1
3.	M/s The Thanjavar Consumers Co. op. Wholesale Stores Ltd., 2964/1, South Rampart Thanjavur-613001.	TN/3411	dated 16-2-99	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002	14/226/DLI/97
	M/s Jaya & Company 30 P.N.R. Layout, Coimbatore-18.	TN/3543	dated 1-9-92	31-3-94	1-4-94 to 31-3-97 1-4-97 to 31-3-2000	2/4043/DLI/92
	M/s Leoyd Insultations (India) Ltd 5, Haddows Lane, off Haddows Road, Nangambakkam, Chennai-600006.	TN/4711	dated 15-12-97	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	14/191/ <b>D</b> LI/96
6.	M/s Kallakurichi Co. op. Sugar Mills Ltd., Moongiltharaipatta-605792, Sankarapuram T.K. Villupuram District.	TN/6139	dated 19-3-99	27-1-99	28-1-99 to 27-1-2002	2/969/DLI/83
	M/s MIL Industries Ltd., 25-A, Industrial Estate, Amattur Chennai-600098,	TN/6993	dated 26-8-98	30-7-97	31-7-97 to 30-7-2000	14/184/DLI/96
	M/s Sooramangalam Milk Producers Co. op. Society, Z-348, Sooramangiam (P.O.) Kachanam-610201, Vcdaranyam (TK) Nagapattinam (Distt.).	TN ₁ 7858	dated 19-3-99	30-11-98	1-12-98 to 30-11-2001	2/4915/93/ <b>DL</b> 1
	M/s Express Publications (Madurai) Ltd., 137, Express Garden, Kamraj Road, Madurai-9.	TN/8486	dated	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96 1-3-96 to 28-2-99	2/1314/85/ <b>DL</b> 1
	M/s T. 1431, Ma lukkur Miik Producers Co. op. Society, Madukkur-614903, Thanjavur (Distt.).	TN, 8999	dated 1-4-99	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002	14/464/98/DL <u>.</u> 1
	M/s Franscore, Factory Type 11/4, VSI Estate, Thiruvanmayur, Chennai-600041.	TN/10173	dated 18-9-97	31-8-95	1-9-95 to 31-8-98 1-4-98 to 31-8-2001	2/5079/93/DI I

1	2	3		4	5	6	7
	M/s. CRP India Pvt. Ltd., 4/129, Mount Poonamallee Road, Chennai-600089	TN/11922	dated	1-11-95	31-3-96	1-4-96 to 31-3-99 1-4-99 to 31-3-2002	2/5367/93/DLI
	M/s Sri Jagannath Textiles Ltd., 1493, Satayamanglam Road, Ganapathi (P.O.) Coimbatore-641006	TN/12420	dated	12-3-99	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	14/53/95/DLI
14.	M/s Designs and Prototypes L-24 Dr. VSI Estate Thiruvan- miyur, Chennai-600041	TN/16023	datrd	18-1-96	31-3-96_	1-4-96 to 31-3-99 1-4-99 to 31-3-2002	2/1898/86/DLI
	M/s Milgerland Applicators Pvt. Ltd., 25-A, SIDCO Industrial Estate, Ambattur, Chennai-600098	TN/19917	dated	26-8-98	31-8-98	1-9-98 to 31-8-2001	2/4815/93/DLI
	M/s Veeson Energy System Pvt. Ltd., C-14/2, Industrial Estate Thuva- kudi, Trichy-620010. alongwith its branches.	TN/19918	dated	19-3-99	28-2-98	1-3-98 to 28-2-2001	2/3614/91/DLI
17.	M/s Kamal a Solvent I, Karnur Road, Dindigul-4 (T.N.)	TN/20053	dated	19-8-98	30-4-98	1-5-98 to 30-4-2001	2/1849/88/DLI
18,	M/s Kathirvel Textiles (P) Ltd., Nachiapuram-630207 notification issue w.e.f. 1-3-93 to 29-2-96	TN/20113			29-2-96	1-3-96 to 28-2-99 1-3-99 to 28-2-2002	2/3292/90/DLI
19.	M/s R.M. Trading Co., 156, Thambuchetty, Chennai-600451	TN/22300	dated	i 19-1-94	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/2737/90/ <b>DLI</b>
20.	M/s Sieftex Robatics Co., Plot No. 54, Industrial Estate Ambattur Chennai-600058 alongwith its branches.	TN/22820	date	d 2-12-96	31-10-97	1-11-97 to 31-10-2000	2/5290/93/DLI
21.	M/s Bevingtons India 55, Rajamuthjanh Road, Peria- met, Chennai-600003	TN/31243	date	i 11-3-99	30-6-98	1-7-98 to 30-6-2001	14/494/90/DLI
22.	M/s M, V, Mathvah Pillabr Mariammal Matriculation Sec. School Dingligul.	TN/20802			31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 1-4-96 to 31-3-99	2/3001/93/DLI

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government, may from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India,
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduce in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. 1.. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5389.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, A. P. from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. Name & Address of the Establishment No.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1. M/s. Bhakara Agro Chemicals Ltd., 6-3-1109/1, 3rd Floor, Raj Bha wan Road, Hyderabad-500482.	AP/20019	1-3-93 to 29-2-96 & 1-3-96 to 28-2-99 & 1-3-99 to 28-2-2002	1/106/99/E <b>DL</b> I
<ol> <li>M/s. India Rubber &amp; Products,</li> <li>7th Floor, D-Block, Surya Towers,</li> <li>S. P. Road, Secunderabad.</li> </ol>	AP/4845	1-4-90 to 31-5-93 & 1-4-93 to 31-3-96 & 1-4-96 to 31-3-99	1/107/99/EDLI
3. M/s. Tibrewala Electronics Ltd., Plot No. 17, Sri Venkateswara Co. Op. Industrial Estate, Kulatpally, Hyderabad-500057.	AP/26389	1-4-99 to 31-3-2002 1-10-96 to 30-9-99 & 1-10-99 to 30-9-2002	1/108/99/EDLI
<ol> <li>M/s. Infatesh Enterprises Ltd , Ameerpet Huda Complex 608, Maitrivana Hyderabad-50003 .</li> </ol>	<b>AP</b> /28034 m	1-7-97 to 30-6-2000	1/109/99/EDLI
<ol> <li>M/s. Sanjay Rural Electric Co-Op. Society Ltd., Jogipet Medak, Distt. 502270 A. P.</li> </ol>	AP/14259	1-12-92 to 30-11-95 & 1-12-95 to 31-11-98 & 1-12-98 to 31-11-2001	1/110/99/EDLI
6. M/s. Lokes Machines Ltd, B-29, EEIE Stage II, Balanagar, Hyderabad-50003.	<b>AP</b> /19525	1-3-95 to 28-2-98 & 1-3-98 to 28-2-2001	1/111/99/E <b>DL</b> I

Die Control of the Co								
1	2	3	4		5	6	7	
Plot No	lytech Prints S . 7, Industrial ally-521286 (A	Estate Peda	AP/19414	1-1-97	to 31-12-99		1/112/99/EDLI	
P. O. Ba	yderabad Engi lanagar Town pad-500037(A.:	A *	AP/1953	1-6-90 1-6-93	31-5-9 <b>3</b> & to 31-5-96.		1/113/99/EDLI	

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when smended, alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain point of view.
- 9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5401.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

A CONTROL OF THE PARTY OF THE P

			SCHEDULE-I			
SI. No	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Noti- fication vide which Exemp- tion was granted/extended	Date of expiry	Period for exemption	C.P.F.C.'s Fil: No
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Mokins Agro Products Pvt. Ltd., 6-3-866/A, Begumpet, Greenlands, Hyderabad-500016 (A.P.)	ΛP/12964	2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I dated 12-7-91	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95 % 1-3-95 to 28-2-98 % 1-3-98 to 28-2-2001	2/3673 CTTVIT
2.	M/s Elpro International Ltd., Switchgear MFS Centre (For namely Switch gear Ltd.) Plot No. 89 & 90 I.D.A. Ganchi Nagar, P. O. Balanagar, Hyderabad-37.	AP/1826	dated 24-8-95	31=12-96	1-1-97 to 31-12-99	2/3374/DLI
3.	M/s Indian Express (Madurai) Pvt. Ltd., 39-21-40, Madhavadhara Visakhapatnam-53007.	AP/UP 5456-A	dated 22-12-92	9-3-95	10-3-95 to 9-3-98 & 10-3-98 to ,9-3-2001	2/1314/88/DLI
4.	M/s Kranthi Road Transport (P) Ltd., H.O. 100, Feet Road, Jawarautonagar, Vijayawada-520007.	AP/16535	dated 18-10-92	28-2-95	1-3-95 to 28-2-98 & 1-3-98 to 28-2-2001	2/3204/90/DL1 .
	M/s Excel Industries Ltd., H-6B, Ist. Floor, Minerva Complex, 94, S.D. Road, Secunderabad-500003	AP/5827	dated 25-10-96	31-7-97	1-8-97 to 31-7-2000	2/4213/92

## SCHOOL P.U

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every menth.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the mapployer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
  - 01-459GI/99

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Gridge Instirance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their goint of view
- 9. Where for any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Comp Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced on any member the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exaption shall be liable to be cancelled.

- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) /legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. I. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/5410—WHERFAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2 (B) of Section

17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any seperate contribution of payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(B) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated is attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

SI. No.	Name & Actress of the establishment	Code No.	No. and date of Govt. Noti- fication vide which exemption was granted/extended	Date of expiry	Period for xemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	5	7
1.	M/s Aspinwall and Co. Ltd., P.B. No. 2, Cochin Kerala-682001	KR/KC 1057	2/1959/DLI/exem./89/Pt. I dated 1-9-91	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94 & 1-1-95 to 31-12-97 & 1-1-98 to 31-1-2000	2/3777/91/DI.1
2.	M/s Thiruvananthapuram Dist. Co op. Bank Ltd., P.B.No. 5122, Thiruvananthapuram-23.	KR/1896	dated 26-12-97	30-6-94	1-7-94 to 30-6-97 & 1-7-97 to 30-6-2000	8/11/96/DLt
3.	M/s Kerala Agro Machinery Corporation Ltd., P.O. Athani, Distt, Ernakulam, Kerala-683586.	KR/KC 3375	dated 1-9-91	31-11-90	1-12-90 to 30-11-93 & 1-12-93 to 30-11-96 & 1-12-96 to 30-11-99	2/3738/91/DL1
4.	M/s Indian Coffee Board Workers, Co-op. Society Ltd., No. 4227, H. O. M.G. Road, P.B. No. 184, Thrissur-680001.	KR/KC 1971		30-9-90	1-10-90 to 31-3-93	2/3720/90/DL1

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submitsuch returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall now such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance. Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that could be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 19. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to hapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation

of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5418.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Scotion 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employee Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereunafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

Sl.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
ī	2	3	4	
1	M/s. Neocid (I) Pvt. Ltd., 144, Seevaram Village, Prungudi, Chennai-600096.	TN/10510	1-2-97 to 31-1-2000	14/673/DLI/99
2.	M/s. The Kilpauk Benefix Security Ltd., No. 61, New Avadi Road, Kilpauk, Chennai-600010. alongwith its branches.	TN/11744	1-9-97 to 31-8-2000	6/6 <b>74/DL</b> I/99
3,	M/s Leather Craft (India) Pvt. Ltd., Keelkatalai, Chennai-600117.	TN/16582	1-9-92 to 31-8-95 & 1-9-95 to 31-8-98 & 1-9-98 to 31-8-2001	14/675/ <b>DLI/99</b>
4.	M/s. Brilliant coating (P) Ltd.; 3/11A, Sechachala Garmani Street, Chennai-600019. alongwith its branches.	TN/23464	1-5-98 to 30-4-2001	14/677/ <b>DLI/9</b> 9

346

<u>*</u>	3	4	5
19. M/s. About Lapyed Calles Off Shore Ltd., No. 96, P. ntheon Road, Egmore, Chennai-600008.	TN/30483	110-93 to 30-9-96 & 110-96 to 30-9-99	14/694/DLJ/99
20. M/s. T. 1. Cycles of India, Ambattur, Chennai-600035.	TN/307	1-1-89 to 31-12-91 1-1-92 to 31-12-94 1-1-95 to 31-12-97 1-1-98 to 31-12-2000	14/535/DL1/99
21. M/s. Promaim Granites Ltd., Factory No. 73/77, Sipcot, Industrial Estate, Phase 11, Rinipet, Chennai.	TN/26777	1-3-93 to 29-2-96 1-3-96 to 28-2-99 & 1-3-99 to 28-2-2002.	14/697/DL1/99

#### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinatter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Schome and pay necessary premium in respect of him to life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that could be nayable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason, employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner,

the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due da'e, as fixed by the Lafe Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) I egal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt phyment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt or claims complete in all respect.

K. L. TANEIA

Regional Provident Fund Commissioner

## New Delhi, the 14th January 2000

No. Con.5(15)/95/TN/5440.—In pursuance of Sub-Paragraph (1) of Paragraph 4 read with Paragraph 5 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, the Chairman, Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby appoints one Employers' representative Shri P. Sakthível, in place of Shri M. S. Rangesh and makes the following amendment in CPFC's Notification No. Conf.5(15)/95/TN/1293, dated 28-7-1997 published in Part-III Section 4 of the Gazette of India dated 30-8-1997.

In the said Notification against serial No. 7 for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri P. Sakthivel, General Manager (Personnel), Mes E.I.D. Perry (India) Ltd., C/o South Indian Sugar Mills Association, Karumuttu Centre, Second Floor, 498, Anna Salai, Chennai-600 035"

AJAI SINGH Central Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 15th January 2000

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I 5456.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoynent of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SI. No	Name & Address of the establishment	Code No.	No. and date of Govt. No fication vide which exemp was granted/extended	ti- Date of	f Perrod for exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Jyoti Ltd., Industrial Area, Vadodara-390003	GJ/74	2/1959/DLI/Exem/ dated 1-1-90	31-12-90	1-1-91 to 31-12-93 1-1-94 to 31-12-96 1-1-97 to 31-12-99	2/2035/88/DLT
2.	M/s. Soma Textiles and and Industries Ltd Rakhial Road, Ahemdabad-23	GJ/288	dated 18-1-94	30-6-96	1-7-96 to 30-6-99	2/2774/90/DLI
3.	M/s. Birla V.X.L. Ltd. Sarashtra Chemicals, Birla Sugar, Porbandar-76	GJ/1367	dated 26-10-97	20-1-96	21-1-96 to 20-1-99	2/17/78/DL1
	M/s. Torrent Cables Ltd., Chanakya 7th Floor, Nr. Torrent House, Asharam Road, Ahemdabad-380009	GJ/4367	dated 14-11-97	31-1-98	1-2-98 to 31-1-2001	2/4789 <b>/92/DL</b> 1
•	M/s The Sabarkantha Distt. Central Co-op. Bank Ltd., Himmant Nagar, Gujarat	GJ/4665	dated 29-8-97	4-2-98	5-2-98 to 4-2-2001	2/1327/85/DLI
6,	M/s. Cadmach Machinery Co., (P) Ltd.' 3604, 3605, GIDC Industrial Estate Phase-V Vatva, Ahemdabad	GJ/6087	dated 18-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99 1-3-99 to 28-2-2002	2/710/82/DLi
	M/s. Amin Machinery, C-1/12, Vithal Udyog Nagar, Vallabh Vidyanagar,Gujarat	GJ/7400	dated 18-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99 1-3-99 to 28-2-2002	2/4823/92/DLI
	M/s. K.B. Mehta and Co., Dhun House Bhadra Ahemdabad	GJ/11784	dated 27-1-94	28-2-95	1-3-95 to 20-2-98	2/3327/90/DLI
9. 1	M/s, N la Bharat Engineerng Ltd., Opp. Fertilizer Nagar, Gate P.O. Fertilizer Nagar, Baroda-390005	GJ/[1879	dated 26-10-97	31-3-98	1-4-98 to 31-3-2001	2/13/95/DL1
	M/s, Sulaimani Co-op. Bank Ltd., Mogalwada, Vadodara-17	G/J11952	dated 5-9-92	31-12-94	1-1-95 to 31-12-97 1-1-98 to 31-12-2000	2/4115/92/DLI
	M/s. Prashant Engineering Co., 4/1-A, GIDC Estate Phase-I Vatva Ahemdabad-382445	GJ/12257	dated 17-1-94	30-11-95	1-12-95 to 30-11-98	2/4104/92/DLT
1	M/s. Gujarat Prepack Ltd., 10th Floor, Noptune Tower Alka- puri, Baroda-5	GJ/16077	dated 27-1-99	31-12-98,	1-1-99 to 31 <b>-12-20</b> 01	2/4027/92/ <b>DLI</b>

1 2	3		4	5	6	7
3. M/s. Welcome Group, Vadodara R.C. Dutt Road, Baroda-390005.	Gj/17531	Dated	10-1-94,	31-5-96	1-6-96 to 31-5-99	2/5332/93/DLU§
4. M/s. Prashant Steel Balls Co., Ltd., Sardar Industrial Estate Road, No. 4, Ajwa Road, Baroda-390019.	Gj/20017	Dated	26-10-97	28-2-98	1-3-98 to 28-2-2001	2/2/95/DL1 <b>[</b>
<ol> <li>M/s, Unifabs Engineers, 107, GIDC Makarpura, Baroda-10.</li> </ol>	Gj/17389	Dated	23-8-91	31-3-94	1-4-94 to 31-3-97 1-4-97 to 31-3-2000	2/3710/91/DL1 }

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient fecture thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) 'legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Groun Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable committenity to the employees to explain their point of view
- 9. Therefore any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Cornoration of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANFJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5475.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers confined her Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the daid mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigath and Amritsar from the operation of the said Scheme for a period of 3 years

-1.			-
۲	3	40	m
L	п		u

Schedule-J						
SI. No.	Name & Address of Establishment		Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.	
1.	M/s. S.G.G.S. College of Pharmacy, Scotor-26, Chandigarh.		PN/14718	1-8-97 to 31-7-2000	12/54/98/ <b>DL</b> J	
2.	M/s. Aggarwal & Brothers, Kashmir Road, Amritsar,		PN/17423	1-3-97 to 29-2-2000	12/1 <b>25/99/DLI</b>	

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shell submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Covt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts. submission of returns, payment of insurance premia. transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Iourange Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/level heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurange Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amondment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable oppertunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Schome are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec(s)/legal helr(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANBIA

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5481.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (leaselingfier referred to as the said establishment) baye appled for exemption under site Section 2(A) of Section 47 of the Employees' Prevident Fund & Miscellaneous Provisions Azz. 1952 (19 of 1952) hereinsfler referred to as the said

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Groun Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of The Insurance which me more favourable to much employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2 (A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner exempt each of the said mentioned establishments in Schadule-I from the date mentioned upping each, from which date relaxation order under para 28(7) of the sold Schame has been manted by the Regional Provident Fund Commissioner; Andhra Paulesh from the operation of the mid Scheme for a restrict of 3 (three) eyears.

SI.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Eicher Tractors, Formerly Capal Farm Equipment Kondamadugu Bibi Nagar, Mondal Dist. Nalgonde-508126	AP/HY 18240	1-12-88 to 30-11-91 & 1-12-91 to 30-11-94 & 1-12-94 to 30-11-97 & 1-12-97 to 30-11-2000	1/102/99/EDLI
2.	M/s. Odin Retreaders Pvt. Ltd., 55-6-10, Plot No. 226/227 5th Road Auto Nagar, Vij yawada	AP/HY 23137	!-3-96 to 28-2-99 & 1-3-99 to 28-2-2002	!/114/99/EDLI
3.	M/s. Jaya Textiles Pvt. Ltd., Mekala Vari Street, 5th Right Jonda Chettu Road, Vijayawada-520001	AP/GT 30691	1-3-99 to 28-2-2002	1/115/99/EDLI
4.	M/s. D.E. Shaw India Software Pvt. Ltd., Third Floor Gpulla Ready Building, 6-3-879 & 879-B Begumpet, Hyderabad-500016	AP/32184	1-11-97 to 31-10-2000	1/116/99/EDLI
5.	M/s. State Bank of India Staff Co-op. Credit Society, S.B.I. Building Bank Street Hyderabad-500095	AP/3796	1-1-97 to 31-12-99	1/117/99/EDLI
6.	M/s. Tata Communications, 5-9-62, Khamlate of Kham Estate. Fateh Maidan Road, Hyderabad-500001	AP/32376	1-7-98 t ₀ 30-6-2001	1/118/99/EDLI
7.	M/s. National Textile Corporation (APKKSM) Ltd., 159, Gunfoundry Road Opp. State Bank of Hyderabad-5000001 (A.P.)	AP/11878	1-9-89 to 31-8-92 & 1-9-92 to 31-8-95 & 1-9-95 to 31-8-98 & 1-9-98 to 31-8-2001	1/119/99/EDLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such tactities for inspection, as the Central Providen. Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection changes as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer,
  - 11-459GI/99

- 4 The employer shall display on the Notice Board of the cetablishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Product Fund Commissioner as and when amended dangwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an stablishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him is a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to life Insurance Corporation of India.
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Schome propriately if the benefits available to the employees the bounder the Group Insurance Schome are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said schome.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Whre for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurendy adopted by the said establishment, for the benefits to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (8)/Legal heir (8) of the deceased member

entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in ail respect.

K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 2 1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/5492.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have explicit for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Imployees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the l'unployees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conterred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Chennai, Madurai, Coimbato e from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years

Si. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.		tive Date of	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Varadha Lakshmi Mills Ltd., Raja kambeeram, Sivagangai Distt. 623609 alongwith its branches	TN/4187	1-10-91 30-9-94 1-10-94 30-9-97	to to	14/668/DLI/99
2.	M/s. Rama Lakshmi Mills, 439, Cotton Mills Road, Peelamedu. Coimbatore-641004	TN/6348	1-8-88 31-7-91 1-8-91 31-7-94 1-8-94 31-7-97 1-8-97 31-7-2000	to to to to	14/669/DL1/99
3.	M/s. T.T.K. Textiles. 6, Cathedral Road, Chennai-600086 alongwith its branchess	TN/6839-A	1-8-89 31-7-92 1-8-92 31-7-95 1-8-95 31-7-98 1-8-98 31-7-2001	to to to to	14/646/99
<b>4</b> .	M/s. Mhitra Engineering Equipment (P) Ltd., No. 33, 10th Avenue, Ashok Nagar, Chennai-600083	TN/31700	1-9-98 31-8-2001	to	14/671/ <b>DL1/99</b>

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissione: **emcerned** and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under slause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of account, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the stid A. is employed in his establishment the employer shall immulately admit him as a member of the Group I. is once Scheine and tray necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more (woundle to the employees than the benefit, and it side in the estandard scheme.
- 7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to

- the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12 Upon the death of the member covered under the Group instance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DL1, Exemp./89/Pt. I. 5500.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said 3ct).

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976. (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-II against their names.

S. <b>N</b> o.	Name & Address of the Establishment	COT NO	No. and Date of Govt. Noti- fication vide which Exemp- t on was granted/Extended		Period for Exemption	C. P. F. C.s File No.
i	2	3	4	5	6	7
	M/s. Rapiakos Brett & Co. Lid., Dr. Annie Besant Road, Wests Mumbas-25.	MH/1067	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt 1 dated 11-7-97	01-02-1995	12-02-1995 10 11-02-1998 & 12-02-1998	2'833/82/DL1
	Name	***			11-02-2001	

			<del>-i</del>	7
3	4	5	6	7
H/6934	dated 7-4-93	05-02-1992	70-02-1992 to 06-02-1995 & 07-02-1995 to 06-02-1998 & 07-02-1998	2/419/80
			to	

06-02-2001

## SCHEDULE-II

M/s The Akola District Central

P. B. No. 8, Civil Line Ltd.,

Co-op. Bank.

Akola-444001.

MH/6934

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Prevident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such tacilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group assurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under a said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount ayable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner expected and where any amendment is I kely to effect adic sold the interest of the employees, before given his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under his Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11 In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporaton of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/legal heir (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5506.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (Hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt, of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-H annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

	SCHEDULE—I					
S.	Name & Address of the . Establishment	Code No.	No, and Date of Govt No- tifloation vide which Exemp- tion was granted/Extended		Period for Exemption	C. P. F. C's File No.
	M/s. Agra Engino ring Industries, P. C. Arrom, Agra-7	UP/4067	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 22-11-1983	21-11-1986	22-11-1986 to 21-11-1989 22-11-1989 to 21-11-1992 22-11-1992 to 21-11-1995 22-11-1995 21-11-1998	2/892/83/D.L.T
2,	M/s. Almora Megnesite Ltd., Regd. Office Metela P. O. Bilori-263630 Dist. Almora (UP	UP/4481	dated 4-12-97	30-04-1997	- ·	15 (20) 96/ <b>DLI</b>

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinatter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, it on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance-Scheme and be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 11. In case of defaults, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal hein(s) of the december entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/5512.—WHEREAS be imployers of the establishments mentioned in Schedulet (herematter reterred to as the said establishment) have arrived for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempteach of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Chandigarh from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

# Schedule-I

SI. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exembtion	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Industria!, Oxyg.n Company Ltd Village, Joni, Jithardi, Post & Tal. Karjan Dia, Baroda-391240	СЈ/10017-С	1-2-96 to 31-1-99	4/153/99/DLI
2.	M/s Paocimaia I Dysstuff In tustries Plot No. 736, GIDC Estate, Ankleshwar-393002, Dist. Bharuch.	GJ/18636 SRT	1-10-98 to 30-9-2001	6/154/99/ <b>DL</b> 1

### SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, maisfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an est. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwith-landing anything containd in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the majounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee (s)/Legal heir (s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approva! of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, have a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

- 9. Therefore any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as arready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10 Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member, who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nonlinee(s)/Legal heir(s) of the deceased member enabled to it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

A. K. JAIN Regional Provident Fund Commissioner

No 2:1959/DL1/Exemp./89/Pt.1/5578.—WHEREAS the Employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinstic) referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as a Soid Act.

And whereas the Central Provident Fund Commission, is constituted in the employees of the said establishments are reducted making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinofter referred to us the said scheme).

Now therefore in exercise of the powers conferred by Subbect a 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/ C.P.F.C Notification No and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II Annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in Schedule-I against their names.

	SCHEDULE—I					
S.1. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide Which Ex- empton was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P. F. C's File No.
1,	M/s. The Anthra Pradesh State Federation of Co-op. Sugar Factorries Ltd. 5-9-194, Chirag Ali Lanc Hyderabad-500001.	AP/18758	2/1959/DLI/Exem/89/St. I dated 21-2-97	33-11-1998	01-12-1998 to 31-11-2001	2/3370/90/DLI
2.	M/s. L. V. R. Dang in Granites Co. Chittor Kelapathu Village Nagari Chittoor Dist A. P.	AP/18576	dated 21-2-97	31-12-1998	01-01-1999 31-12-2001	2/4246/92/DL1
3.	M/s. Margadarsi Chit Fund Ltd., Margadarsi House, Abid Centre, Hyderabad	AP/3527	dated 3-3-87	16-03-1990	17-03-1990 16-03-1993 & 17-03-1993 16-03-1996 & 17-03-1996 16-03-1999 & 17-03-1999 16-03-2002	2/1007/85/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(B) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act. is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the end scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/kifal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insunance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable apportunity to the employee to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheine of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the primium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse. The exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5525.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2 (A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the

nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Delhi from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

Sl. No	Name & Address of the the Establishment	Code No.	Effective Date C.P of Exemption	.F.C.'s File No.
1.	M/s. Holtec Consulting (P) Ltd., 45/49, Community Centre, Naraina Phase-I, New Delhi-28.	DL/5385	1-12-89 to 30-11-92 1-12-92 to 30-10-95 1-12-95 to 30-11-98	3/110/99/DLI
	M/s. The Himalaya Drug Co. 20, Najafgarh Road, New Delhi-110015.	DL/7710	1-12-92 to 30-11-95 1-12-95 to 30-11-98	3/119/99/DLI
3.	M/s. K. and Co. 4, Pom Posh Enclove, New Delhi-48.	DL/7815	1-11-97 to 31-10-2000	3/120/99/DLI
4.	M/s. MCS Ltd. Srivenkatesh Bhavan, 212-A, Shahpurjat, New Delhi-110049.	DL/8046	1-7-88 to 30-6-91 1-7-91 to 30-6-94 1-7-94 to 30-6-97	3/121/99/DLI
	M/s. Stas Hotels Ltd., 11,Su en er Nagar, New Delhi-110003.	DL/8087	1-10-88 to 30-9-91 1-10-91 to 30-9-94 1-10-94 to 30-9-97	3/122/99/DLI
	M/s. Aravali Securities and Finance Ltd UCO Bank Building, 3rd Floor. Parliam at Street, New Delhi-110001.	. <b>D</b> L/8370	1-1-90 to 31-12-92 1-1-93 to 31-12-95 1-1-96 to 31-12-98	3/123/99/DLI
7.	M/s. Scor'hipio International, KB-126, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi-20	DL/10959	1-4-90 to 31-3-93 1-4-93 to 31-3-96 1-4-96 to 31-3-99	3/124/99/DLI
8.	M/s. A.K. Marwah and Associates Pvi. Ltd. C-30, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-20.	DL/11764	1-4-90 to 31-3-93 1-4-93 to 31-3-96 1-4-96 to 31-3-99	3/125/99/DLI
9.	M/s. Container Corporation of India Kanishka Opp. Plaza, 4th Floor, Ashoka Road, New Delhi-110001.	DL/14380	1-7-92 to 30-6-95 1-7-95 to 30-6-98	3/126/99/DLI 1
10.	M/s. BHPE Kinhill India Pvt. Ltd., A-302 Rishi Apartments. Alakhananda ,Kalkaji, New Delhi-110019.	DL/19200	1-2-98 to 31-1-2001	3/127/99/ <b>DL</b> I
11.	M/s. ESSCO Sanitations, C-58/1, Wazirpur Industrial Area, Delhi-52.	DL/1646	1-12-96 to 30-11-99	3/115/99/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Cential Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, sub-injustion of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government, Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee. who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees that the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nomineo(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.
- 5. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable apportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

- Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be laible to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomines(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomineo(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

# K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

No. 8/1939/DLI/Exemp./89/Pt. I/5540.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached schedule-I against their names.

S. Near & Altress of No. Establishment	the Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exempton	C. P. F. C's File No
<ol> <li>M/s. Indian Alumia' i         Ltd.,         P. O. Hirakund Disti         (Orissa).</li> </ol>	•	2/1959/D'5I/Exe n/39/Pc. I dated 29-1-96	31-03-1996	01-04-1996 to 31-03-1999 & 01-04-1999 to 31-03-2002	2/28/76/ <b>DL</b> I

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia. transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount hayable under the Scheme be less than the amount that would The payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominge(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a resonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as al-

- ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
  - 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lanse, the exemption shall be liable to be cancelled.
  - 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
  - 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA Regional Provident Fund Commissioner

2/1959/DL1/Exemp./89/Pt. I.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) nave applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund 'om missioner. Mangalore from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

S. No	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date 6 Exemption	of C. P. F. C's File No.
1.	M/s. The Commercial Corporation of India Tile Factory Road, Manipal-576119.	KN/12810	01-03-1999 to 28-02-2002	6(64)DLI/KN/99
2.	M/s. Motco Agency, Tile Factory Road, Manipal-576119.	KN/12811	01-03-1999 to 28-02-2002	6/66/DLI/KN/99
3.	M/s. Pavana Interprises, Tile Factory Road, Manipal-576119.	KN/20156	01-03-1992 to 28-02-2002.	6/65/DL1/KN/99

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such asspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s), legal heir(s) of the Employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the Employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption that he liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium street within the day date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exception shall be liable to be cancelled.
- Ald din case of default, if any, made by the employer in payment of promium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomine (al/legal heir(s)) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this examption shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the normhoets)/Legal heir(s) of the deceased member childed for it and in any case within one month from the rescipt of claims complete in all assect.

Regional Provident Fond Commissioner

#### UNIT TRUST OF INDIA

Mumbai, the 7th January 2000

No U1/DBDM/R-225/SPD-3/99-2000.—The amendments to the provisions/offer documents of the following scheme:

- (1) Primary Equity Fund
- (2) Grandmaster Unit Scheme 1993
- (3) Capital Growth Unit Scheme 1992
- (4) Mastershare Plus Unit Scheme 1991
- (5) Equity Opportunity Fund-1996
- (6) Unit Growth Scheme-2000
- (7) Unit Growth Scheme-5000
- (8) Unit Scheme-1992

tormulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) and the following plans:

- (1) Children's College and Career Fund Unit Plan 1993
- (2) Unit Linked Insurance Plan 1971

formulated under Section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit schemes made under section 21 of the said Act approved by the Executive Committee in the meeting held on 11th May, 1999 are published herebelow.

A. G. JOSHI

Chief General Manager

Business Development and Marketing

#### **ANNEXURE**

Amendments to the provisions of Primary Equity Fund (PEF)

(1) The first sentence of the second paragraph of subclause 2 of clause IX titled Mode of Payment's is amended as:

If payment, is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date on which the application is received by the Trust or authorised callection centre.

(2) The third sentence of clause XIII titled Determination of Net Asset Value (NAV) is amended as:

This NAV shall be published daily atleast in two daily news papers.

(3) The last sentence of the first paragraph of sub clause (1) of clause XIX titled 'Sale and Repurchase prices' is.

.The sale price shall be announced on a daily basis.

(4) The 2nd sentence of the second paragraph of subclasse (1) of clause XIX titled Sale and Repurchase prices

The repurchase price will be announced on a daily basis.

# **ANNEXURE**

Amendments to the provisions of Grandmaster Unit Scheme-1993 (Grandmaster-93)

(1) The first sentence of clause V titled 'Limitation on Expenses' is amended as:

The following expenses will be charged to the Scheme on a recurring basis which shall not exceed 3% of the average daily Net Asset Value during any accounting year.

(2) The 2nd and 3rd sentences of the first paragraph after the table giving percentage of recurring expenses are amended as

However, the total expenses would be within the limit of 3% of the daily average net asset value during any accounting

year, in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulation, 1993. Further, administrative expenses contribution to Development Reserve Fund and contribution to Staff Welfare Trust will not exceed 1.25% of the daily average NAV of the Scheme during the accounting year.

(3) The third sentence of Sub-clause (e) of clause VI titled 'Sale of Units' is amended as:

If payment is made by draft, the acceptance date will subject to such draft being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre.

(4) The last line of clause XIV titled 'Scheme Open Ended from 01-08-1996' is amended as:

Sale price will be at NAV to be determined and announced on a daily basis.

(5) Sub-clause (1) of clause XIX titled 'Sale and Repurchase Prices' is amended as:

The price at which a unit will be sold by the Unit Trust (hereinafter referred to as "the sale price"), and the price at which a unit will be repurchased by the Unit Trust (hereinafter referred to as the "repurchase price") shall be declared on a daily basis. The sale p ice will be the NAV (historic). Repurchase price will be at a discount of 5% to the NAV (historic).

(6) The last sentence of the first paragraph of clause XXIII, titled 'Computation and Disclosure of Net Asset Value (NAV)' is amended as:

The NAV (on historic basis) shall be issued to the press for publication daily.

(7) The second sentence of sub-clause a of clause XXIV titled 'Trading of Units' is amended as:

The Trust will announce the net asset value determined daily; and intimate the value to all the Stock Exchanges for the purpose of being quoted.

(8) Clause XXX. titled Development Reserve Fund (DRF) Contribution is amended as:

0.10% p.a. of the daily average Net Asset Value (NAV) shall be set aside as contribution towards the DRP of the Trust every year.

(9) Clause XXXI. titled 'Staff Welfare Fund Contribution' is amended as:

9.10% p.a. of the daily average Net Asset Value (NAV) shall be set aside as contribution to the Staff Welfare Trust of the Fund every year.

# **ANNEXURE**

Amendments to the provisions of Capital Growth Unit Scheme 1992 (Mastergain-92)

- (1) The second sentence of item (b) of sub-clause (6) of clause 5 titled 'Applications for Units', 'If payment is made by draft the acceptance date will subject to such draft being realised be the date of issue of such draft provided the application is received by the Trust or a designated branch of authorised bank or an authorised collection centre within 15 days from the date of issue of the draft.' is deleted.
- (2) The first sentence of the first paragraph of clause 7A titled Limitation on Expenses' is amended as:

The following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis which shall not exceed 3% of the average daily Net Asset Value during any accounting year.

(3) The 2nd and 3rd sentence of the first paragraph after the table giving percentage of recurring expenses is amended as:

However, the total expenses would be within the limit of 3% of the daily average net asset value during any accounting year, in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1993. Further, administrative expenses, contribution to Development Reserve Fund and contribution to Staff Welfare Trust will not exceed 1.25% of the daily average NAV of the Scheme during the accounting year.

(4) The last sentence of clause 9 titled 'Computation and Disclosure of Net Asset Value' (NAV) is amended as

The NAV (on historic basis) shall be issued to the press for publication daily.

(5) The second sentence of sub clause (a) of clause 10 titled Trading of units' is amended as:

The Trust will announce the net asset value daily and intimate the value to all the Stock Exchanges for the purpose of being quoted.

(6) Sub-clause (1) of clause 15 titled 'Sale and Repurchase price' is amended as :

The price at which a unit will be sold by the Unit Trust (hereinafter referred to as "the sale price"), and the price at which a unit will be repurchased by Unit Trust (hereinafter referred to as the "repurchase price") shall be declared on a daily basis. The sale price will be the NAV (historic). Repurchase price will be at a discount of 5% to the NAV (historic).

(7) Clause 29A titled 'Development Reserve Fund (DRF) Contribution' is amended as :

0.10% of the daily average Net Asset Value (NAV) shall be set aside as contribution to the Development Reserve Fund of the Trust every year.

(8) Clause 29B titled 'Staff Welfare Trust Contribution' is amended as:

0.10% of the daily average Net Asset Value (NAV) shall be set as aside as contribution to the Staff Welfare Trust of the Trust every year.

# **ANNEXURE**

Amendments to the provisions of Mastershareplus Unit Scheme-1991 (Masterplus-91)

(1) The second sentence of sub-clause (2) (ii) of clause VI, titled 'Sale of Units' is amended as:

If payment is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date on which the application is received by the branch office or authorised collection centre,

# **ANNEXURE**

Amendments to the provisions of UTI Equity
Opportunity Fund-96 (EOF-96)

(1) The second sentence after the first table under clause VII titled 'Limitation on Expenses' is amended as:

In addition to the initial issue expenses the following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis which shall not exceed 2.56% of the daily average not asset value during any accounting year.

(2) The first paragraph after the 2nd table under clause VII titled 'Limitation on Expenses' is amended as:

The above expenses are estimates and are subject to change inter so as per actual expenses incurred However the total expenses would be within the limit of 6% of the funds collected for initial issue expenses and 3% of the daily average net asset value during any accounting year for recurring expenses, in accrodance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1993. Further, administrative expenses, contribution to Staff Welfare Trust will not exceed 1.25% of the daily average NAV of the Scheme during the accounting year.

(3) The third paragraph of sub-clause (1) of clause XV titled 'Repurchase of Units' is amended as:

The repurchase price shall be the historic NAV. less discount not exceeding 5% of the NAV. Repurchase price shall be declared on a daily basis.

(4) The last sentence of the first paragraph of clause XXI titled. 'Computation and Disclosure of Net Asset Value' (NAV) is amended as:

This NAV (on historic basis) shall be intimated to the press for publication on a daily basis. The Trust may also decide to switchover to prospective NAV by giving a suitable notice through a press release.

(5) The second paragraph of clause XXI titled 'Computation and Disclosure of Net Asset Value' (NAV) is amended as :

The repurchase price shall be the historic NAV less a discount not exceeding 5% of the NAV. The repurchase price shall be declared on a daily basis.

- (6) The first paragraph of clause XXX titled 'Development Reserve Fund (DRF) Contribution' is amended as:
  - 0.10% of the daily average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust every year.
- (7) The first sentence of clause XXXI titled 'Staff Welfare Trust Contribution' is amended as :

0.10% of daily average Net Asset Value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Trust

#### **ANNEXURE**

Amendments to the provisions of Unit Growth Scheme (UGS-2000)

(1) Sub-clause (2) of clause IX titled 'Offer and repurchase prices' is amended as :

The price at which a unit will be repurchased by the Trust (hereinafter referred to as "the repurchase price") shall be determined by the Trust on a daily basis.

(2) Sub-clause (6) of clause IX. titled 'Offer and repurchase prices' is amended as:

Notwithstanding anything contained to the contrary in sub clause (2), the Trust may determine the repurchase price other than on a daily basis effective for such period as it may deem fit.

(3) The 1st sentence of Sub-clause (a) of clause XXIII (A) titled 'Publication of the Net Asset Value' is amended as:

The Net Asset Value of the Scheme shall be calculated at Mumbai daily after deducting from the said aggregate value the liabilities incurred for the said scheme and other expenses on a proportionate basis which in the opinion of the scheme is sufficient to cover the stamp duties and other expenses payable on a deemed realisation of the investment and shall be published in the leading daily newspapers in India,

(4) Sub-clause (b) of clause XXIII (A) titled 'Publication of the Net Asset Value' is amended as:

In the event of unforseen circumstances, if the valuation is not so published for a given day or for one or more days, the Trust shall not be deemed to have violated any of the provisions hereof.

# **ANNEXURE**

Amendments to the provisions of Unit Growth Scheme (UGS-5000)

(1) Sub-clause (2) of clause IX titled 'Offer and repurchase prices' is amended as:

The price at which a unit will be repurchased by the Trust (hereinafter referred to as "the repurchase price") shall be determined by the Trust on a daily basis.

(2) Sub-clause (6) of clause IX, titled 'Offer and repurchase prices' is amended as :

Notwithstanding anything contained to the contrary in sub clause (2), the Trust may determine the repurchase price other than on a daily effective for such period as it may deem fit.

(3) The 1st sentence of sub clause (a) of Clause XXIII (A) on 'Publication of the Net Asset Value' is amended as:

The Net Asset Value of the scheme shall be calculated at Mumbai daily after deducting from the said aggregate value the liabilities incurred for the said scheme and other expenses on a proportionate basis which in the opinion of the scheme is sufficient to cover the stamp duties and other expenses payable on a deemed realisation of the investment and shall be published in the leading daily newspapers in India.

(4) Sub-clause (b) of clause XXIII (A) on Publication of Net Asset Value' is amended as :

In the event of unforseen circumstances, if the valuation is not so published for a given day or for one or more days, the Trust shall not be deemed to have violated any of the provisions hereof.

# ANNEXURF

# Amendments to the provisions of Unit Scheme-92 (US-92)

(1) Sub-clause (2) of clause IX, titled 'Offer and repurchase prices' is amended as

The price at which a unit will be repurchased by the Trust (hereinafter referred to as "the repurchase price") shall be determined by the Trust on a daily basis.

- (2) Sub-clause (6) of clause IX, titled 'Offer and repurchase prices' is amended as:
  - (6) Notwithstanding anything contnained to the contrary in sub-clause (2), the Trust may determine the repurchase price other than on a daily basis and make it effective for such period as it may deem fit.

Amedments to the provisions of Children's College & Career Fund Unit Scheme-93 and Children's College and Career Fund Unit Plan 1993 (CCCF-93)

Amendments to the provisions of Childrens 'College & Career Fund Unit Scheme-93

(1) The 3rd sentence of clause 3 (a) titled 'Sale and Repurchase Price' is amended as:

Repurchase for the purpose of payment of scholarship will be at NAV. However, premature repurchase under special circumstances at the discretion of the Trust will be at NAV less deduction upto 5% of NAV.

(2) Clause 13 titled 'Accumulation of bonus units' is amended as:

The periodic accumulation of bonus units will depend on the growth in the value of the fund as also on the date on which the application was made/date on which previous allotment of bonus units was made Final withdrawal will be at NAV.

(3) The 1st sentence of the 2nd paragraph of clause 14 titled 'Withdrawal' is amended as:

Withdrawals after completion of 18 years and before completion of 23 years shall be allowed as per limit indicated in the Table-III below at the net asset value of the outstanding units standing to the credit of the member on 30th June preceding the 18th birthday of the member.

(4) Clause 15 titled 'Premature/Unscheduled withdrawal' is amended as:

No partial withdrawal will be allowed in case of premature/unscheduled withdrawal. Complete withdrawal may be allowed before completion of 18 years of age of a member only in the event of special circumstances (e.g. setious illness of child) solely at the discretion of the Trust at NAV less deduction unto 5% of NAV. After completion of 18 years of age complete withdrawal will be allowed which will be at NAV less deduction unto 5% of NAV on the withdrawal over and above the ceiling allowed plus the additional bonus units allotted after the completion of 18 years of age. For example, if a member is allowed complete withdrawal (i.e. total accommulated units standing to his credit) due to any

special circumstances as mentioned above before completion of 22 years then 20% of additional units plus the additional bonus units issued to the member after the completion of 18 years of age will be repurchased at NAV less deduction upto 5% of NAV (as he will be eligible to withdraw only 80% of total outstanding units as per Table III).

(5) Clause 15A titled 'Repurchase' is amended as :

No withdrawal under the scholarship option of the scheme shall be allowed except in special circumstances solely at the discretion of the Trust. Repurchase shall be at NAV less deduction upto 5% of NAV and shall be paid to the member.

(6) Sub-clause (e) of clause (16) titled 'Death of the child in whose favour units have been issued' is amended as:

Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of the child may upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the amount equivalent to the NAV of all outstanding units standing to the credit of the deceased child after all the formalities in connection with the claim have been compiled with by the claimant.

(7) The second paragraph of Sub-clause (h) of clause (16) titled 'Death of the child in whose favour units have been issued' is amended as:

Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of the member may upon producing such evidence to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the amount equivalent to the NAV of all the outstanding units standing to the credit of the deceased member after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

Amendments to the provisions of Children's College & Career Fund Unit Plan-93

(1) The 3rd sentence of Clause 1(a) titled 'Sale and Repurchase Price' is amended as:

Repurchase for the purpose of payment of scholarship will be at NAV. However, premature repurchase under special circumstances at the discretion of the Trust will be at NAV less deduction upto 5% of NAV.

(2) Clause 6 titled 'Accumulation of Bonus units' is amended as :

The periodic accumulation of bonus units will depend on the growth in the value of the fund as also on the date on which the application was made/date on which previous allotment of bonus units was made. Final withdrawal will be at NAV

- (3) The 1st sentence of the 2nd paragraph of clause 7 titled 'Withdrawal' is amended as:
- Withdrawals after completion of 18 years and before completion of 23 years shall be allowed as per limits indicated in the Table III below at the net asset value of the outstanding units standing to the credit of the member on 30th June preceding the 18th brithday of the member.
- (4) Clause 7A titled 'Repurchase' is amended as:

No withdrawal under the scholarship option of the scheme shall be allowed except in special circumstances solely at the discretion of the Trust. Repurchase shall be at NAV less deduction upto 5% of NAV and shall be paid to the member.

(5) Clause 8 titled 'Premature/Unscheduled withdrawal' is amended as:

No. partial withdrawal will be allowed in case of premature/unscheduled withdrawal. Complete withdrawal may be allowed before completion of 18 years of age of a member only in the event of special circumstances (e.g. serious illness of child) solely at the discretion of the Trust at NAV less deduction upto 5% of NAV. After completion of 18 years of age. Complete withdrawal will be allowed which will be at NAV less deduction upto 5% of NAV on the withdrawal over and above the ceiling allowed plus the additional bonus units allotted after the completion of 18 years of age. For

example, if a member is allowed complete withdrawal (i.e. total accumulated units standing to his credit) due to any special circumstances as mentioned above before completion of 22 years then 20% of additional units plus the additional bonus units issued to the member after the completion of 18 years of age will be repurchased at NAV less deduction upto 5% of NAV (as he will be eligible to withdraw only 80% of total outstanding units as per Table III).

(6) Sub-clause (e) of clause 9 titled Death of the child in whose favour units have been issued is amended as:

Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of the child may upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the amount equivalent to the NAV of all outstanding units standing to the credit of the deceased child after all the formalities in connection with the claim have been compiled with by the claimant.

(7) The second paragraph of sub-clause (h) of clause 4 titled 'Death of the child in whose favour units have been issued' is amended as:

Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of the member may upon producing such evidence to his titled as the Trust shall consider sufficient, be paid the amount equivalent to the NAV of all the outstanding units standing to the credit of the deceased member after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

#### ANNEXURE

Amendments to the provisions of Unit Linked Insurance Plan 1971.

Sub paragraph (ii) of paragraph 2 of the provisions is deleted.

No. UT/DBDM/R-226/SPD-102/99-2000.—The amendments to the provisions of the UTI-Bond Fund formulated under Section 19(1) (8)(c) of the Unit Trust of India Act. 1963 (52 of 1963) in relation to the unit scheme, the Unit-Bond Fund Scheme made under section 21 of the said Act approved by the Chairman vide office note dated 1-05-99 are published herebelow.

S. CHATTERJI
Deputy General Manager
Business Development and Marketing

Amendments to the Provision of UTI Bond Fund
ANNEXURE

(1) Sixth paragraph under 'Highlights' is amended as:

No-load fund. The initial issue expenses of the fund will be borne by the Development Reserve Fund (D R F) of the Trust. There will be no sale charge or exit load. Sales and Repurchase will be at NAV. However, for repurchases within first six months of investment there will be a deferred sales charge of 1.5%.

(2) Second paragraph of sub-clause (2) (i) of clause (IX) titled — 'Repurchase of units' is amended as:

However for repurchases within first six months from the date of investment there will be a deferred sales charge of 1.5% on the NAV as allowed under clause (e) of Tenth Schedule of SEBI (MFs) Regulation, 1996. This deferred sales charge be credited to Development Reserve Fund (D R F) of the Trust.

(3) Clause X titled Sale and Repurchase Prices' is amended as:

Since this is No-load fund sale and repurchase prices will be the applicable NAV (prospective) without any load or discount to be determined on a daily basis. However for repurchases within the first six months from the date of investment there will be a deferred sales charge of 1.5% on the NAV. In respect of all sale and repurchase applications received by 2 p.m. on a particular day the applicable NAV will be that of the same day. All sale and repurchase applications received after 2 p.m. will be governed by the NAV of the following day.

प्रसम्बद्ध अभावत सरकार महजासक, करकारक हवारा ग्रीक एक प्रकाशन निर्माणका विकास कारा प्रकाशित, 2000

PARTIES BY THE MANAGER COVERNMENT OF BUILD PRESS, PAREDABAD. AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELH 2000